



# SLC (University of Delhi) SHYAM LAL COLLEGE



**विवरणिका**  
**2024-25**







पद्मश्री (स्व.) श्री श्यामलाल गुप्ता  
संस्थापक चेयरमैन, श्याम लाल कॉलेज



श्रीमती सविता गुप्ता  
चेयरपर्सन, श्याम लाल कॉलेज गवर्निंग बॉडी

# चेयरपर्सन का संदेश



प्रिय नवागंतुक विद्यार्थियों,

मैं, समस्त संकाय, कर्मचारियों और प्रशासन की ओर से, इस महाविद्यालय में आप सभी का स्वागत करती हूँ, जहाँ हम शिक्षार्थियों को सर्व-समावेशी और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करके उनके जिम्मेदार नागरिकों में सार्थक परिवर्तन के लिए प्रयास करते हैं।

मैं आप सभी को बधाई देना चाहती हूँ कि आपने अपने भविष्य निर्माण के पहले कदम के तौर पर श्याम लाल कॉलेज का चयन किया है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों में झलकती है, जो अपने विषयों में ख्यातिप्राप्त हैं और जो आपकी सफलता और विकास के लिए काम करेंगे। हम जानते हैं कि आपकी शिक्षा केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं होगी और इसी कारण से आपको व्यावहारिक शिक्षण और उद्योग के पेशेवरों के साथ जुड़ने के अवसर प्रदान किए जाएंगे जो यह सुनिश्चित करेंगे कि आप बाकियों से अलग होने के लिए आवश्यक कौशल अर्जित करें।

श्याम लाल कॉलेज पाठ्येतर गतिविधियों और छात्र संघ का एक समृद्ध मंच भी प्रदान करता है जो आपको विभिन्न अंतर्वैयक्तिक कौशल विकसित करने के साथ ही साथ नयी और विविध रुचियों की खोज करने की अनुमति देगा। आपको यह समझने की आवश्यकता है कि कॉलेज आपके व्यक्तित्व के समग्र विकास की दिशा में एक अहम कदम है और साथ ही यह शानदार स्मृतियाँ निर्मित करने की जगह भी है, जिसे आप जीवन भर संजोकर रखेंगे।

श्याम लाल कॉलेज में, मैं आपसे नए अनुभवों के प्रति खुलापन रखने और अपने आरामदायक स्थिति से बाहर निकलने का आग्रह करती हूँ ताकि आपसे कोई अवसर न चूकें। इसके साथ ही, मैं आपको अपने कॉलेज समुदाय के लिए योगदान देने के लिए भी प्रोत्साहित करूँगी। याद रखें, एक बार श्याम लाल कॉलेज का हिस्सा बन जाने के बाद आप न केवल अपना बल्कि इस संस्थान का भी प्रतिनिधित्व करेंगे और इसी कारण से मैं उम्मीद करती हूँ कि आप सभी अपने आस-पास के प्रत्येक व्यक्ति की बेहतरी के लिए प्रयास करेंगे।

मैं आपसे मिलने और व्यक्तिगत रूप से हमारे परिसर में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हूँ। आप सबको एक बार फिर बधाई। श्याम लाल कॉलेज में आपकी यात्रा समृद्धकारी हो।

शुभकामनाओं के साथ,

श्रीमती सविता गुप्ता  
चेयरपर्सन, श्याम लाल कॉलेज



# प्राचार्य का संदेश



आप सभी को आपकी नई अकादमिक यात्रा के लिए हार्दिक बधाई!

श्याम लाल कॉलेज शिक्षार्थियों को सर्व-समावेशी और मूल्य आधारित शिक्षा के जरिए उनके जिम्मेदार नागरिकों में सार्थक परिवर्तन के सिद्धांत पर काम करता है। हमारे शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण के साथ हमारा मकसद सभी शिक्षार्थियों को, विशेषकर वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों से आनेवाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे जागरूक इंसान, जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बन सकें। श्याम लाल कॉलेज में हम विद्यार्थियों और अन्य अंशधारकों के साथ संवाद के लिए सतत ध्यान रखनेवाला, सहायक और सुरक्षित शिक्षा-शिक्षण माहौल मुहैया कराने के लिए प्रयत्नशील हैं ताकि हम शैक्षणिक, खेल, पाठ्येत्तर गतिविधियों में उत्कृष्टता अर्जित कर सकें और विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक चेतना का विकास कर सकें। ऐसा करते हुए हमारा ध्यान उनमें दृढ़ मूल्यों का समावेश करना है, ताकि उन्हें भविष्य के नेताओं के तौर पर तैयार किया जा सके।

श्याम लाल कॉलेज पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को अपनाता है और ज्ञान के दायरे का विस्तार करने के लिए कॉलेज में अनुसंधान और नवाचार को मजबूत करने के लिए रणनीति तैयार करता है। 2022 से दिल्ली विश्वविद्यालय में अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क कार्यान्वयन के साथ, श्याम लाल कॉलेज छात्रों को विशेषज्ञ संकाय और पूरी तरह से सुसज्जित बुनियादी ढांचे की सुविधा के अनुसार कई पाठ्यचर्या संबंधी संभावनाओं की पेशकश करके एनईपी- 2020 के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

श्याम लाल कॉलेज में हम एक संपूर्ण शैक्षिक परिवेश प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहाँ प्रत्येक छात्र नियमित पाठ्यचर्या संबंधी मार्गदर्शन, शैक्षणिक नवाचारों और सभी गतिविधियों में निरंतर भागीदारी के माध्यम से अपनी क्षमता हासिल कर सकता है। संकाय और कर्मचारियों की हमारी समर्पित टीम आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए पाठ्यचर्या संबंधी सलाह, शैक्षणिक नवाचार और सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। हम छात्रों की भागीदारी की शक्ति में विश्वास करते हैं, और हम आपको विभिन्न कॉलेज गतिविधियों, क्लबों और केंद्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये अनुभव न केवल आपके कौशल और ज्ञान को बढ़ाएंगे बल्कि जीवन भर की यादें और स्थायी दोस्ती भी बनाएंगे।

हम आपको सर्वोत्तम सेवाओं और अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं का आश्वासन देते हैं ताकि श्याम लाल कॉलेज में आपका सफर यादगार बन सके।

इन शब्दों के साथ, श्याम लाल कॉलेज के प्राचार्य के रूप में, मैं छात्रों, अभिभावकों और संकाय सदस्यों सहित सभी हितधारकों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि हमारा सहयोग सभी के लिए एक उपयोगी और यादगार अनुभव होगा। आइए, हम सब मिलकर सीखने, विकास और खोज की इस यात्रा पर आगे बढ़ें और अपने और अपने समाज के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।

प्रो. रबी नारायण कर, पीएच.डी., एफसीएस  
प्राचार्य, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय  
principal@shyamlal-du-ac-in

## विवरणिका समिति



डॉ वरुण भंडारी  
वाणिज्य विभाग  
संयोजक



सुश्री प्रियंका यादव  
वाणिज्य विभाग  
सदस्य



सुश्री श्वेता  
वाणिज्य विभाग  
सदस्य



डॉ हिमांशी कालरा  
वाणिज्य विभाग  
सदस्य



सुश्री सोनिया मुदेल  
वाणिज्य विभाग  
सदस्य



डॉ नर्तम वी. मोतीराम  
राजनीतिशास्त्र विभाग  
सदस्य



सुश्री लक्ष्मी विश्वनोई  
हिंदी विभाग  
सदस्य



सुश्री निधि मिश्रा  
हिंदी विभाग  
सदस्य



सुश्री रश्मिता साहू  
हिंदी विभाग  
सदस्य



# अनुक्रमणिका

| क्रम सं. विषय                                     | पृष्ठ संख्या |
|---|--------------|
| 1. कॉलेज के बारे में                              | 07           |
| 2. शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रभारी शिक्षक    | 12           |
| 7. नोडल/संपर्क अधिकारी                            | 13           |
| 8. अनुसंधान सहयोग                                 | 14           |
| 9. प्रमुख कार्यक्रम                               | 20           |
| 10. ऐड-ऑन व मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम               | 24           |
| 12. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)  | 27           |
| 13. केंद्र  | 28           |
| 9. शैक्षणिक संसाधन                                | 33           |
| 9. सर्वोत्तम प्रथाएं                              | 37           |
| 15. पाठ्येत्तर गतिविधियाँ                         | 47           |
| 14. शैक्षणिक सोसाइटी                              | 49           |
| 15. सांस्कृतिक समाज                               | 49           |
| 9. कॉलेज प्रशासन                                  | 52           |
| 18. पुरस्कार                                      | 53           |
| 19. शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए वैधानिक समितियां | 54           |
| 20. कर्मचारी परिषद समितियां (2024-25)             | 57           |
| 21. आवेदन एवं प्रवेश प्रक्रिया                    | 62           |

|     |  |    |
|-----|--|----|
| 26. | सीट आबंटन और प्रवेश  | 63 |
| 27. | स्नातक नामांकन के लिए अर्हताएं                                       | 68 |
| 25. | प्रवेश के लिए अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची                 | 71 |
| 16. | प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या 2024.25               | 73 |
| 28. | शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए शुल्क संरचना                            | 74 |
| 27. | आरक्षण नीतियाँ   | 76 |
| 28. | पाठ्येतर गतिविधियों (ईसीए) और खेल अतिरिक्त कोटा पर प्रवेश            | 77 |
| 29. | अन्य अतिरिक्त कोटा पर प्रवेश   | 79 |
| 21. | एनईपी 2020 के तहत स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा<br>(यूजीसीएफ का विवरण) | 81 |
| 22. | यूजीसीएफ की संरचना   | 85 |
| 23. | मूल्यांकन के मानदंड  | 87 |
| 31. | छात्र संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं                                     | 89 |
| 32. | विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण अध्यादेश                                 | 91 |

## अस्वीकरण

यह विवरणिका कॉलेज एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के दस्तावेजों और संबंधित स्रोतों से एकत्रित सूचनाओं का संकलन है। जानकारी, नियमों और विनियमों वाली विवरणिका के इस आधिकारिक संस्करण को पुनर्प्रस्तुत करने में यथासंभव सावधानी बरती गई है। इसे, किसी भी स्थिति में, तैयार संदर्भ के रूप में प्रदान की गई जानकारी की पूर्णता और सटीकता के संबंध में गारंटी के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। कॉलेज इस जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी दायित्व से इनकार करता है, जो अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय त्रुटियों या किसी अन्य कारण से हो सकता है। कॉलेज बिना किसी पूर्व सूचना के विवरणिका के किसी भी हिस्से को उचित रूप से संशोधित करने, संवर्धित करने या उसे हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।



## कॉलेज के बारे में



### श्याम लाल कॉलेज (एसएलसी)

श्याम लाल कॉलेज (एसएलसी) एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है जो पाठ्यक्रम, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता के विकास के लिए एक जीवंत समावेशी वातावरण उपलब्ध कराता है। महान दूरदर्शी और उद्यमी पद्मश्री (स्वर्गीय) श्री श्याम लाल गुप्ता द्वारा 1964 में स्थापित, श्याम लाल कॉलेज (एसएलसी) दिल्ली विश्वविद्यालय का एक सह-शैक्षणिक घटक कॉलेज है। श्याम लाल कॉलेज पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है, और पिछले कई वर्षों में, इसने अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है।

श्याम लाल कॉलेज अकादमिक उत्कृष्टता का एक गतिशील केंद्र है और पूर्वी दिल्ली के आर्थिक और शैक्षणिक रूप से वंचित समुदायों के छात्रों, विशेषकर लड़कियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ बनाने के लिए रास्ते और अवसर पैदा करता है। कॉलेज परिसर में एक विशाल खेल का मैदान है और यह हरे-भरे लॉन और खिलते बगीचों से भरा है जो समग्र शिक्षण-विद्याग्रहण की प्रक्रिया का एक प्राकृतिक परिवेश बनाते हैं। 59 वर्षों की अवधि में, श्याम लाल कॉलेज सीखने, नवाचार और ज्ञान निर्माण के एक अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में विकसित हुआ है। श्याम लाल कॉलेज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है, नवीनतम राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 68 वीं रैंकिंग, भारत में कॉलेजों की रैंकिंग और विश्व के विश्वविद्यालयों के वास्तविक प्रभाव (डब्ल्यूयूआरआई) रैंकिंग में प्रतिष्ठित स्वीकृति प्राप्त की है। इस उपलब्धि के साथ, श्याम लाल कॉलेज पिछले कई वर्षों से भारत के प्रमुख 100 कॉलेजों में रहा है। हाल ही में, कॉलेज को मान्यता के दूसरे चक्र में राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा ए++ रेटिंग प्रदान की गई है।

भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी और भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू जी ने क्रमशः 2024 और 2019 में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और कॉलेज के वार्षिक दिवस के अवसर पर कॉलेज की शोभा बढ़ाई है। कॉलेज का

प्रयास हमेशा उच्च शिक्षा को अधिक प्रतिबद्ध, रोजगारोन्मुख, सार्थक और व्यावहारिक बनाने का रहा है। साथ ही हमारे समाज और दुनिया की लगातार बदलती मांगों के लिए अधिक अनुकूल भी। कॉलेज ने छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति बनाने की दिशा में कई अभिनव पहल की हैं। श्याम लाल कॉलेज ने नवंबर 2018 में शुरू की गई पहल, एमओई के इनोवेशन सेल के तहत इनोवेशन काउंसिल (आईसी) की स्थापना की। श्याम लाल कॉलेज की इनोवेशन काउंसिल छात्रों में नवाचार की भावना पैदा करने और स्टार्ट-अप इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में काम करती है। कॉलेज का कौशल विकास केंद्र जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, चीनी, जापानी, कोरियाई (दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग से संबद्ध) में कई मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम और सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है, साथ ही बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से स्टॉक ट्रेडिंग में सर्टिफिकेट कोर्स “स्टॉक मार्केट में उपलब्धि प्राप्त करना” भी प्रदान करता है। इसके अलावा, कॉलेज राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (NIELIT), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग, ऑफिस ऑटोमेशन और बिग डेटा और हाडोप में सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम चलाता है। कॉलेज योग और समग्र विकास, अनुसंधान विश्लेषण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय और बितकॉइन और ब्लॉकचेन तकनीक का परिचय, वर्चुअल परिचय और डिजिटल मार्केटिंग पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है इस परियोजना के तहत, श्याम लाल कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों की टीम ने संस्थागत संपर्कों के माध्यम से ग्रामीण विकास का समर्थन करने के लिए 5 गाँवों – धितोरा (बागपत), निठोरा (गाजियाबाद), चिरोड़ी (गाजियाबाद), जावली (गाजियाबाद), कोतवालपुर (गाजियाबाद) में सर्वेक्षण और कार्यशालाएँ आयोजित की हैं। श्याम लाल कॉलेज ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, शिक्षा मंत्रालय ने 2020 से श्याम लाल कॉलेज को एसएपी (स्वच्छता कार्य योजना) संस्थान के रूप में मान्यता दी है।

श्याम लाल कॉलेज अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं के आयोजन के लिए सरकारी एजेंसियों और अनुसंधान संस्थानों जैसे आईसीएसएसआर, डीआरडीओ और एआईसीटीई के साथ सहयोग करता है और कौशल भारत, प्रधानमंत्री जन धन योजना, भारतीय ज्ञान प्रणाली और अधिक सहित विषयों की श्रृंखला पर अनुसंधान परियोजनाएँ भी संचालित करता है। विद्वानों की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए, श्याम लाल कॉलेज ने यूजीसी द्वारा अनिवार्य अनुसंधान सेल की भी स्थापना की है, जो स्नातक स्तर के छात्रों के बीच जांच, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता की संस्कृति को विकसित करने के लिए डिज़ाइन की गई एक अग्रणी पहल है। मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुँच के माध्यम से, छात्रों को अपनी रुचियों का पता लगाने, ज्ञान निर्माण में योगदान देने और अकादमिक और पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करने के लिए सशक्त बनाया जाता है। श्याम लाल कॉलेज कई अकादमिक उपलब्धियों के लिए एआईसीटीई, आईसीएसएसआर, आईसीएचआर, टीयूएस (फिनलैंड), एपीयू (जापान) जैसे हमारे कॉलेज और प्रतिष्ठित संस्थानों और संगठनों के बीच साझेदारी और सहयोग की स्थापना पर बहुत गर्व करता है। हमारे उत्कृष्टता केंद्र – सरस्वती आईकेएस केंद्र, कौशल विकास केंद्र (सीएसडी), उद्योग संपर्क केंद्र (सीआईआई), समग्र विकास केंद्र (सीएचडी), महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी), ई-प्रकोष्ठ, इनेक्टस, नवाचार परिषद, उन्नत भारत अभियान, अंबेडकर अध्ययन मंडल (एससी) और गाँधी अध्ययन मंडल (जीएससी) – सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और व्याख्यानों के माध्यम से नेटवर्किंग और सहयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं।

श्याम लाल कॉलेज में, हम अपने छात्रों को आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक क्षमताओं के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे वे किसी भी तरह के भेदभाव और पूर्वाग्रह से मुक्त स्वस्थ वातावरण और समाज के विकास में योगदान दे सकें। हमारा उद्देश्य सभी को समान अवसर प्रदान करते हुए समग्र उच्च शिक्षा को पोषित और बढ़ावा देना है।

## दृष्टि

श्याम लाल कॉलेज विद्यार्थियों को समावेशी और मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करके उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए सार्थक परिवर्तन का प्रयास करता है।



## उद्देश्य

श्याम लाल कॉलेज, छात्रों और अन्य हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए एक देखभाल, सहायक, सुरक्षित शिक्षण और सीखने का माहौल प्रदान करता है जिससे शिक्षाविदों, खेलों, पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सके और उन्हें नायकों के रूप में तैयार करने के लिए मजबूत मूल्यों को स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए विश्लेषणात्मक स्वभाव विकसित किया जा सके। यह पर्यावरण के अनुकूल अभ्यास प्रदान करता है और कॉलेज में अनुसंधान और नवाचार को मजबूत करने के लिए रणनीति तैयार की जाती है जिससे ज्ञान के दायरे का विस्तार होता है।

## कनेक्टिविटी

कॉलेज मेट्रो रेल नेटवर्क और सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। वेलकम मेट्रो स्टेशन से अंतरराज्यीय (ISBT) तक का फ्लाईओवर SLC को दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस से जोड़ता है, जहाँ पहुँचने में 10 मिनट का समय लगता है। वेलकम और शाहदरा मेट्रो स्टेशन जो कश्मीरी गेट के माध्यम से रिठाला-शहीद स्थल (नया बस अड्डा) मेट्रो मार्ग पर पड़ते हैं, दोनों ही कॉलेज से पैदल दूरी पर हैं और शहर के अधिकांश हिस्सों और एनसीआर के पड़ोसी शहरों से परिवहन का सबसे तेज़ और सुविधाजनक मार्ग उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा, कॉलेज शहर के विभिन्न हिस्सों से सड़क और बस सेवाओं द्वारा अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। प्रसिद्ध ग्रैंड ट्रंक रोड (GT रोड) कॉलेज के ठीक पास में चलती है यह इसे उत्तर प्रदेश के पड़ोसी शहरों जैसे साहिबाबाद और गाजियाबाद से भी जोड़ती है। कश्मीरी गेट पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (ISBT) और आनंद विहार (ISBT) कॉलेज से 5 किलोमीटर से भी कम दूरी पर हैं। आनंद विहार रेलवे स्टेशन देश के पूर्वी हिस्सों से आने वाले छात्रों के लिए कॉलेज से बहुत अच्छी और सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है।



## सामाजिक भूमिका

श्याम लाल कॉलेज अपने सभी हितधारकों और समुदाय के प्रति अपनी संस्थागत और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करता है। सामुदायिक संगठनों, उद्योग भागीदारों और नागरिक समूहों के साथ सहयोग के माध्यम से, श्याम लाल कॉलेज लगातार सामाजिक मुद्दों के लिए अभिनव समाधान खोजने का प्रयास करता है। कॉलेज सभी को संपूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करके एनसीआर क्षेत्र में व्याप्त असमानता को खत्म करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वहीं व्यवहार में, कॉलेज दिल्ली के सबसे पिछड़े इलाकों से अपनी भौगोलिक निकटता के साथ जमीनी स्तर पर इस असंतुलन को ठीक कर रहा है। समय-समय पर, एनसीसी, एनएसएस, गांधी स्टडी सर्किल, अंबेडकर स्टडी सर्किल और इको-क्लब जैसी अपनी विभिन्न इकाइयों के माध्यम से, कॉलेज ने सामाजिक कल्याण गतिविधियों की शुरुआत की है और समान सामाजिक विकास की संभावनाएँ पैदा की हैं। कॉलेज का उद्देश्य खेल और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना भी है और पूर्वी दिल्ली के साथ-साथ यूपी के आस-पास के इलाकों से आने वाले योग्य और प्रतिभाशाली वंचित छात्रों को मुफ्त और नियमित कोचिंग प्रदान करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से आस-पास के इलाकों में स्वच्छता, वृक्षारोपण अभियान, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों सहित कई जागरूकता कार्यक्रम लोकप्रिय हुए हैं और कॉलेज इसे जारी रखने का प्रयास करता है। इन पहलों के साथ ही श्याम लाल कॉलेज दिल्ली में एक अग्रणी संस्थान बन गया है। पूर्वोत्तर राज्यों सहित दूरदराज के राज्यों और





क्षेत्रों के छात्र, साथ ही विदेशी छात्र संस्थान के कॉर्पोरेट जीवन में अच्छी तरह से आत्मसात करते हैं। कुल मिलाकर, कॉलेज प्रशासन और संकाय सभी छात्रों को सक्षम वातावरण प्रदान करने की दिशा में काम करते हैं।

### वाई—फाई और सीसीटीवी सक्षम परिसर

कॉलेज निरंतर यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि इसका बुनियादी ढाँचा गतिशील वातावरण में स्वस्थ शैक्षणिक प्रणाली की सभी विविध आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बना रहे। श्याम लाल कॉलेज को वाई—फाई और सीसीटीवी सक्षम आधुनिक परिसर होने पर गर्व है। कॉलेज ने दो लिफ्ट, छह नए वॉशरूम और एक नए रिसेशन क्षेत्र की स्थापना के साथ अपनी पुरानी इमारत का पूरी तरह से नवीनीकरण किया है, जो इसे पूरी तरह से दिव्यांगों के अनुकूल क्षेत्र बनाता है।



परिसर के अंदर और आसपास के हरे-भरे बगीचों ने कॉलेज के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया है। शैक्षणिक वर्ष 2015—16 में, कॉलेज ने अपने मौजूदा बुनियादी ढाँचे में एक नया भवन — पोर्टा ब्लॉक जोड़ा। इस भवन में अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा है जिसमें सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और एक समर्पित सम्मेलन हॉल, बोर्ड रूम, शिक्षक सुविधा केंद्र है जिसमें अद्यतन आईसीटी सुविधाएं हैं। स्टाफ रूम, पुस्तकालय, कार्यालय और कैफेटेरिया को हाल ही में नए वातानुकूलित स्थानों में पुनर्निर्मित किया गया है। कॉलेज ने परिसर के अंदर और बाहर पूरी तरह कार्यात्मक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह हमारे छात्रों के लिए पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करता है। श्याम लाल कॉलेज परिसर अब एक वाई—फाई क्षेत्र है, जिसमें कॉलेज के प्रत्येक छात्र और संकाय सदस्य के लिए इंटरनेट का उपयोग सुलभ है।

### संकाय

श्याम लाल कॉलेज में 160 उच्च योग्य, बेहद प्रतिभाशाली, विद्वान और समर्पित शिक्षाविद हैं। हमारे संकाय में अपने-अपने क्षेत्रों के कई विशेषज्ञ, प्रतिष्ठित लेखक, शोधकर्ता और विद्वान शामिल हैं, जिनके अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशन प्रतिष्ठित हैं। एक कदम आगे बढ़ते हुए, संकाय मिश्रित शिक्षा को बढ़ावा देता है जिसमें वे कक्षा में छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए डिजिटल, दृश्य और ऑनलाइन सहायता का अधिकतम उपयोग करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे संकाय सदस्य छात्रों के साथ अपनी बातचीत को केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं रखते हैं। वे सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं और किसी भी तरह की मदद के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। इसके अलावा, संकाय सदस्य कॉलेज के विभिन्न आयोजन के दौरान छात्रों को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं जिससे उनका समग्र विकास होता है। श्याम लाल कॉलेज में, शिक्षण समय की आवश्यकताओं के साथ विकसित हो रहा है ताकि छात्रों को सीखने के सभी आवश्यक क्षेत्रों में एक मंच विशेषज्ञता प्रदान की जा सके जो उन्हें उद्योग के लिए तैयार होने में सक्षम बनाती है। हमारे समर्पित, अनुभवी और अच्छी तरह से योग्य





संकाय सदस्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों और ऐसे अन्य आयोजनों में भाग लेकर वैश्विक रुझानों और विशेषज्ञता और अनुसंधान के अपने क्षेत्रों में सफलता पर अपनी समझ को लगातार अपडेट करते रहते हैं। इसके अतिरिक्त, जब भी आवश्यकता होती है, कॉलेज पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार सम्पूर्ण संकाय आवश्यकता को पूरा करने के स्पष्ट उद्देश्य के साथ अतिथि संकाय की नियुक्ति करता है।

### सहयोगी कर्मचारी – वर्ग

कॉलेज के पास एक कुशल सहायक कर्मचारी वर्ग है जो छात्रों को उच्चतम गुणवत्ता वाली सेवाएँ और सहायता प्रदान करने में सक्षम है। सहायक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में प्रशासन, लेखा, रख-रखाव और प्रयोगशाला सेवाएँ शामिल हैं। सहायक कर्मचारियों के पास अपने काम को कुशलतापूर्वक करने के लिए सबसे अच्छी सुविधाएँ और तकनीकी सहायता है। संस्थान की बेहतरी के लिए इन संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए उन्हें नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पर्याप्त कौशल के साथ अपडेट भी किया जाता है। साथ ही, कॉलेज लगातार सहायक कर्मचारियों पर जोर देता है कि वे छात्रों के साथ अपने सभी व्यवहारों में विनम्र, मृदुभाषी और मददगार बनें। एक पूरी तरह से वातानुकूलित मॉड्यूलर कार्यालय, अप-टू-डेट सॉफ्टवेयर और वाई-फाई कनेक्टिविटी वाले कंप्यूटर इस प्रक्रिया को और सुविधाजनक बनाते हैं। कॉलेज के पास अत्यधिक सक्षम सहायक कर्मचारी हैं जो छात्रों द्वारा आवश्यक किसी भी जानकारी, सहायता और परामर्श को प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।



### अभिमुखीकरण कार्यक्रम

प्रत्येक वर्ष श्याम लाल कॉलेज नए प्रवेशित छात्रों के पहले कार्य दिवस पर विभागवार अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रधानाचार्य छात्रों और विभागों के प्रभारी शिक्षकों का स्वागत करते हैं और उन्हें संकायों और शिक्षण कार्यक्रमों से परिचित कराते हैं। छात्रों को शिक्षण योजनाओं और शैक्षणिक अपडेट के लिए नियमित रूप से वेबसाइट देखने की भी सलाह दी जाती है। छात्रों को कॉलेज में उनके लिए मौजूद विभिन्न सुविधाओं और उनके अधिकारों के साथ-साथ जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया जाता है। प्रत्येक छात्र को उनके समय-सारणी की एक प्रति सौंपी जाती है और वे बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लेते हैं।



## शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रभारी शिक्षक



डॉ. सुनैना जुत्शी  
वनस्पति विज्ञान विभाग



प्रो. अर्कजा गोस्वामी  
रसायन विज्ञान विभाग



प्रो. कविता अरोड़ा  
वाणिज्य विभाग



डॉ. सुशील कुमार  
कंप्यूटर विज्ञान विभाग



डॉ. सुप्रीति मिश्रा  
अर्थशास्त्र विभाग



डॉ. एम. अब्बासुद्दीन तापदार  
अंग्रेजी विभाग



डॉ. सत्य प्रिया पांडे  
हिंदी विभाग



श्री निशांत कुमार सिंह  
इतिहास विभाग



डॉ. अनुज कुमार शर्मा  
गणित विभाग



श्री वीरेंद्र सिंह जग्गी  
शारीरिक शिक्षा विभाग



डॉ. रवींद्र कुमार  
भौतिकी विभाग



डॉ. निरंजन चिचुआन  
राजनीति विज्ञान विभाग



श्री आकाश कुमार सोनी  
बी.ए. कार्यक्रम संयोजक

## नोडल / संपर्क अधिकारी



श्री पंकज कुमार चौधरी  
नोडल अधिकारी – प्रवेश  
नोडल अधिकारी – धूम्रपान निषेध  
नोडल अधिकारी – छात्रवृत्ति



प्रो. नीना शिरीष  
नोडल अधिकारी, पीडब्ल्यूबीडी



डॉ. मस्त राम  
नोडल अधिकारी एवं  
संपर्क अधिकारी, एससी/एसटी  
संयोजक, ईओसी



डॉ. रोहन मंडल  
नोडल अधिकारी एवं  
संपर्क अधिकारी, ओबीसी



प्रोफेसर रुचिका रामकृष्णन  
नोडल अधिकारी और  
संपर्क अधिकारी, ईडब्ल्यूएस



डॉ. एम. अब्बासुद्दीन तापदार  
नोडल अधिकारी, उत्तर-पूर्व



श्री बलराम किंद्रा  
संयोजक,  
शिकायत निवारण समिति



श्री प्रवीन कुमार  
संयोजक, एडमिशन हेल्प डेस्क



डॉ. स्वाति यादव  
प्रगति अधिकारी, एनएसएस



# अनुसंधान सहयोग

## सप्त सिंधु का अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अर्थशास्त्र — एक ऐतिहासिक परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव

वाणिज्य विभाग, सरस्वती आईकेएस केंद्र और आईक्यूएसी द्वारा आईसीएचआर के सहयोग से 24–26 सितंबर, 2023 तक श्याम लाल कॉलेज में “सप्त सिंधु का अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अर्थशास्त्र — एक ऐतिहासिक परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव” पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत एक जोरदार नोट पर हुई जिसमें प्रासंगिकता और यह सीखने की उभरती जरूरत पर जोर दिया गया कि भविष्य की सफलता ऐतिहासिक जड़ों पर आधारित होगी। सम्मेलन 3 दिनों तक चला, जिसमें एक छात्र संगोष्ठी, 3 पूर्ण सत्र और 4 समवर्ती सत्र थे। कुल 25 पेपर अपने-अपने समवर्ती सत्रों में प्रस्तुति के लिए चुने गए। प्रतिभागियों, पेपर प्रस्तुतकर्ताओं और प्रबंध टीम सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने सम्मेलन में भाग लिया। शिक्षा और उद्योग दोनों जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भारतीय मूल्य प्रणाली की दार्शनिक, उद्यमशील, सांस्कृतिक, वैश्विक और आध्यात्मिक पहचान और व्यावसायिक प्रथाओं में उनकी प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए। पहले दिन संगोष्ठी में स्वामी श्यामानंद जी (ऋषिकेश) और प्रो. मुनीम बरई (एशिया पैसिफिक यूनिवर्सिटी, जापान) ने लोगों को अपना ज्ञान साझा किया। दूसरे दिन श्री संजीव सान्याल (भारत के माननीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य), प्रो. वी.के. कौल (डीयू के बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग), प्रो. पी.के. मिश्रा (बीएसएफ के पूर्व महानिदेशक), डॉ. एस.पी. शर्मा (मुख्य अर्थशास्त्री, उप महासचिव, पीएचडीसीसीआई, नई दिल्ली) ने संबोधित किया। समापन दिवस पर, सम्मेलन में प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी (कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय), डॉ. जयंत उपाध्याय (दर्शनशास्त्र और संस्कृति के एसोसिएट प्रोफेसर, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय), प्रो. किरण हजारिका (प्रो-वीसी, इग्नू दिल्ली), प्रो. जीपी सुधाकर (सलाहकार और विजिटिंग प्रोफेसर, सीईएसएस, बेंगलुरु), प्रो. रजनीश कुमार मिश्रा (संस्कृत और इंडिक अध्ययन स्कूल, जेएनयू) प्रो. एमएस सेनम राजू (निदेशक, प्रबंधन अध्ययन स्कूल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) और कई अन्य उपस्थित रहे।

सम्मेलन में समृद्ध और गतिशील चर्चा हुई, जिसमें मुख्य भाषण, एक संगोष्ठी, तीन पूर्ण सत्र, शोध-पत्र प्रस्तुतियों के चार समवर्ती सत्र और एक समापन सत्र शामिल थे, जो सभी सप्त सिंधु के ऐतिहासिक परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव पर एक व्यापक चर्चा को बढ़ावा देने के लिए तैयार थे। प्रतिभागियों ने प्राचीन व्यापार मार्गों से लेकर समकालीन आर्थिक रुझानों तक के विभिन्न पहलुओं को साझा किया, जिससे इतिहास, वाणिज्य, संस्कृति, सॉफ्ट पावर, प्रतिस्पर्धा, वैश्विक प्रतिष्ठा, वैश्विक बाजारों, तालमेल और उससे परे के बीच परस्पर क्रिया के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।





## शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: विज्ञान इंडिया @2047

प्राचार्य प्रो. रबी नारायण कर के नेतृत्व में गणित विभाग और IQAC ने 8-10 फरवरी, 2024 को DRDO द्वारा समर्थित शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में प्रगति पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनरु विज्ञान इंडिया /2047 का आयोजन किया। सम्मेलन के दौरान गणित के विविध क्षेत्रों पर चर्चा करते हुए लगभग 200 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के प्रख्यात गणितज्ञों ने आमंत्रित व्याख्यान दिए, जिसमें संख्या सिद्धांत, बीजगणित, ज्यामिति, विश्लेषण, संभाव्यता, क्रिप्टोग्राफी और सांख्यिकी में नवीनतम विकास को संबोधित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य गणित के क्षेत्र को आगे बढ़ाना और भारत के भविष्य में इसके महत्व पर प्रकाश डालना था। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के डीन प्रो. बलराम पाणि, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली में वैदिक गणित के अखिल भारतीय संयोजक डॉ. श्रीराम चौथाईवाले और दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित विभाग से प्रो. रुचि दास जैसी उल्लेखनीय हस्तियों ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई।



## टिकाऊ व्यापार रणनीतियों, मॉडलों और मूल्यों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: MNE रणनीतियों, राष्ट्रीय नीतियों और वैश्विक साझेदारियों की भूमिका

छठे एमईएसडी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (एमईएसडी' 23) का आयोजन वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं व्यवसाय संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत, आईसीएन बिजनेस स्कूल फ्रांस, अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अटलांटा, अमेरिका और यूनिवर्सिटी डी लोरेन (फ्रांस) के सेरेफाइज द्वारा श्याम लाल कॉलेज और पीएचडी चौबर ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से संयुक्त रूप से किया गया।

श्याम लाल कॉलेज ने 28 नवंबर, 2023 को एक इंटरैक्टिव पैनल का आयोजन करके अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन में लगभग 70 शोध पत्र प्राप्त हुए, जिन्हें सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित किया जा रहा है। प्रोफेसर रेमंड सैनर, एमेरिटस, यूनिवर्सिटी ऑफ बेसेल, स्विट्जरलैंड; प्रोफेसर वनेसा सेरेट, आईईई मेटज़ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट,





यूनिवर्सिटी डी लोरेन, फ्रांस; प्रोफेसर लिचिया सैनर, अध्यक्ष, सेंटर फॉर सोशियो-इकोनॉमिक डेवलपमेंट, स्विट्जरलैंड; प्रोफेसर सिल्वेस्टर इवानज, पूर्ण प्रोफेसर, आईसीएन बिजनेस स्कूल – सेरेफाइज; डॉ. वेरा इवानज, सामरिक प्रबंधन की पूर्ण प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी डी लोरेन, फ्रांस – सेरेफाइज जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों ने 28 नवंबर, 2023 को श्याम लाल कॉलेज परिसर में अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और छात्रों के साथ बातचीत की।

### सतत जीवन के लिए रासायनिक विज्ञान में वर्तमान रुझान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

श्याम लाल कॉलेज में दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से सतत जीवन के लिए रासायनिक विज्ञान में वर्तमान रुझानों पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित संकाय सदस्य, प्रतिभागी और प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। सम्मेलन की शुरुआत स्थिरता और युवा शोधकर्ताओं की भूमिका पर अंतर्दृष्टि के साथ हुई। श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर रबी नारायण कर ने स्थिरता और जापानी अवधारणा 'मोत्तैनाई' पर जोर दिया।

इसी सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण क्षण सार पुस्तक का विमोचन हुआ। जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस. के. अवस्थी और सीएसआईआर-सीएसआईओ के निदेशक प्रोफेसर शांतनु भट्टाचार्य जैसे उल्लेखनीय वक्ताओं ने सेमीकंडक्टर और कागज पर बैटरी प्रिंटिंग पर बात की। सम्मेलन दो दिनों तक चला, जिसमें प्रत्येक दिन दो पूर्ण सत्र और एक तकनीकी सत्र था। सम्मेलन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 35 पोस्टर प्रस्तुतियों और 76 मौखिक प्रस्तुतियों के साथ भारी प्रतिक्रिया मिली। सम्मेलन का समापन मुख्य अतिथि प्रोफेसर डीएस रावत, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राज किशोर शर्मा, विशेष अतिथि प्रोफेसर एके बाघी और प्रधानाचार्य श्याम लाल कॉलेज प्रोफेसर रबी नारायण कर की उपस्थिति में एक समापन सत्र के साथ हुआ।



### भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिशीलता पर अंबेडकर के दृष्टिकोण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: विकसित भारत की ओर एक रास्ता @2047

भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिशीलता पर अंबेडकर का दृष्टिकोण : विकसित भारत की दिशा में एक रास्ता @2047 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अंबेडकर स्टडी सर्किल और श्याम लाल कॉलेज के आईक्यूएसी द्वारा अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 15-16 अप्रैल, 2024 को क्रमशः कॉन्फ्रेंस सेंटर और श्याम लाल कॉलेज में आयोजित किया जाएगा।



अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के इन दो दिनों में लगभग 104 शोध पत्र प्राप्त हुए तथा 218 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया। शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के सारांशों को आईएसबीएन के साथ सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित किया गया।

हमारे लिए यह गर्व और सम्मान की बात थी कि इस अवसर पर भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद जी हमारे मुख्य अतिथि थे। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की, प्रो. विकास गुप्ता (दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार), प्रो. बलराम पाणि (दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के डीन), श्री प्रफुल्ल केतकर (संपादक ऑर्गनाइजर साप्ताहिक) समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे और कई विशिष्ट अतिथि और वक्ता जैसे कि श्री पीके मिश्रा (पूर्व महानिदेशक बीएसएफ), प्रो. बद्री नारायण (गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के निदेशक), प्रो. गर्जेन्द्र सिंह (अफ्रीकी अध्ययन विभाग के प्रमुख, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. पीके मिश्रा (अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख, केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब), श्री जितेन मेहरा (अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय), डॉ. सुधीर हिलसायन (संपादक अंबेडकर फाउंडेशन), प्रो. मुनीम कुमार बरई प्रोफेसर (वित्त) निदेशक, रिस्तुमीकन सेंटर फॉर एशिया पैसिफिक स्टडीज (आरसीएपीएस) और श्री निखिल श्रीवास्तव संयुक्त नियंत्रक (राजस्व)।



### सरल मानक संस्कृत परिचय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

श्याम लाल कॉलेज के सरस्वती आईकेएस सेंटर और आईक्यूएसी ने भारतीय भाषा समिति के सहयोग से 22 मार्च, 2024 को 'सरल मानक संस्कृत का परिचय' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संस्कृत के महत्व और इसे सीखने के तरीकों से परिचित कराने वाले चार सत्रों का आयोजन किया गया था। कार्यशाला को संस्कृत के प्रचार-प्रसार की वकालत करने वाले उल्लेखनीय विशेषज्ञों ने संबोधित किया, जिसमें संस्कृत प्रचार फाउंडेशन के प्रतिष्ठित विद्वान प्रो. चंद किरण सलूजा ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें भारतीय शिक्षा में संस्कृत के महत्व और शुरुआती लोगों के लिए सरलीकृत संस्कृत की आवश्यकता पर बल दिया गया। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरोपक्ष जद्दीपाल ने भारतीय भाषाओं और प्राचीन ग्रंथों में संस्कृत की भूमिका पर प्रकाश डाला। बाद के सत्रों में प्रो. सरस्वती, डॉ. परमेश कुमार शर्मा, डॉ. सुशील और डॉ. अजय कुमार मिश्रा जैसे विशेषज्ञ शामिल हुए। सरस्वती आईकेएस सेंटर की





निदेशक प्रो. कुशा तिवारी ने भी सत्र के दौरान की गई गतिविधियों और शिक्षार्थियों के लाभ के लिए संस्कृत में एक पाठ्यक्रम शुरू करने की योजनाओं पर प्रकाश डालकर कार्यशाला में योगदान दिया।

### एनईपी 2020 कार्यान्वयन कार्यशालाएं

श्याम लाल कॉलेज ने वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं में ज्ञान भागीदार के रूप में भाग लिया है। केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहयोग से अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी) में 12-14 दिसंबर, 2023 को 'एनईपी-2020: हिंदी में आदर्श पाठ्यक्रम और सामग्री' शीर्षक से एनईपी 2020 कार्यान्वयन कार्यशाला आयोजित की गई। फिर 8-9 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर), चंडीगढ़ में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान (वीबीयूएसएस) के सहयोग से 'एनईपी-2020: रसायन विज्ञान में आदर्श पाठ्यक्रम और सामग्री' नामक एक कार्यशाला आयोजित की गई। (वीबीयूएसएस) द्वारा 14-15 मार्च, 2024 को आयोजित किया गया।

### विश्व मानक दिवस-2023

विश्व मानक दिवस 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज में भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय मानकों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक सप्ताह तक चलने वाले आकर्षक कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से मनाया गया। उत्सव की शुरुआत 'यूथ टू यूथ कनेक्ट' अभियान से हुई, जिसके बाद एक तकनीकी उत्सव हुआ और समापन एक भव्य समापन समारोह में हुआ। अभियान और उत्सव ने छात्रों को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने, मानकों के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त करने और





वाद—विवाद, नारा लेखन, पोस्टर मेकिंग, क्विज़ और निबंध लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मंच उपलब्ध कराया। समापन समारोह में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के संयुक्त सचिव डॉ. आलोक कुमार मिश्रा, एसोसिएशन ऑफ ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष डॉ. आदित्य घिल्डियाल और बीआईएस के दिल्ली शाखा कार्यालय 2 की वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख सुश्री स्नेहा लता, वैज्ञानिक—एफ सहित सम्मानित अतिथियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं तथा उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया गया।

### अनुसंधान परियोजनाएं

- भारत में वित्तीय सशक्तिकरण और आजीविका परिवर्तन में पीएमजेडीवाई की प्रभावशीलता: आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित मध्य प्रदेश और राजस्थान का एक अध्ययन।
- उच्च शिक्षा संस्थानों के लाभ के लिए आश्रमों और गुरुकुलों के महान भारतीय ज्ञान नेटवर्क की खोज और उन्हें जोड़ना: आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित एनईपी 2020 के अधिदेश के अनुसार एक कार्यशील मॉडल।
- आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित चयनित सूक्ष्म उद्यमों पर मेक इन इंडिया योजना के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- सूक्ष्म एवं लघु उद्योग के माध्यम से जम्मू एवं कश्मीर की अखंडता को पुनः स्थापित करना। आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित पर्यावरण अनुकूल एवं सतत आर्थिक विकास पर एक केन्द्रित अध्ययन।
- प्राचीन से आधुनिक भारत तक भारतीय गणितज्ञ: वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के लिए योगदान, आईकेएस प्रभाग, एआईसीटीई के अंतर्गत।

### सहयोग

प्रोफेसर रबी नारायण कर के गतिशील नेतृत्व में कॉलेज ने फिनलैंड के तीन विश्वविद्यालयों — तुर्कू स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स/पोरी यूनिट (तुर्कू विश्वविद्यालय), साउथ ईस्टर्न फिनलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (XAMK), तुर्कू यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (समन्वयक), फिनलैंड के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम की सफलतापूर्वक व्यवस्था की। यह फिनलैंड और भारत व्यापार के लिए जिम्मेदार व्यावसायिक पेशेवर (1 सितंबर 2016 — 31 अगस्त 2018) परियोजना पर आधारित है, जिसे सेंटर फॉर इंटरनेशनल मोबिलिटी (CIMO), फिनलैंड द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यह गर्व की बात है कि बडक ने कार्यक्रम की अवधि में एक महीने के लिए हमारे लगभग 4 छात्रों को फिनलैंड ले जाने के लिए प्रायोजित किया है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अलावा, श्याम लाल कॉलेज ने शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी—दिल्ली), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी), अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईपीए) और कई अन्य के साथ भी सहयोग किया है।

# प्रमुख कार्यक्रम

## सरस्वती आईकेएस केंद्र

श्याम लाल कॉलेज के सरस्वती आईकेएस केंद्र ने शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के दौरान बौद्धिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला का आयोजन किया। भू-राजनीति और सांस्कृतिक विरासत पर व्यावहारिक संगोष्ठियों से लेकर भाषाई विविधता के जीवंत समारोहों तक, कॉलेज ने सक्रिय चर्चा और सांस्कृतिक अन्वेषण के लिए एक मंच प्रदान किया।



उल्लेखनीय हाइलाइट्स में विमर्श का उद्घाटन छात्र-संकाय शिखर सम्मेलन, एक गतिशील पुस्तक मेला और भारतीय भाषा उत्सव शामिल थे। छात्रों, शिक्षकों और सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति वाले इन कार्यक्रमों ने अपने शैक्षणिक समुदाय के भीतर जिज्ञासा, संवाद और सांस्कृतिक प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाया। 24-26 सितंबर, 2023 तक आईसीएचआर के सहयोग से वाणिज्य विभाग, सरस्वती आईकेएस केंद्र और आईक्यूएसी द्वारा "सप्त सिंधु का अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अर्थशास्त्र – एक ऐतिहासिक परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव" पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया गया था।

## अनुसंधान एवं विकास केंद्र

श्याम लाल कॉलेज ने एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र (आरडीसी) की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो कि एनईपी-2020 के प्रावधानों के अनुरूप एक आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में सार्थक योगदान देता है। आरडीसी का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले प्रभावी और निरंतर शोध आउटपुट के लिए कॉलेज में अनुकूल वातावरण



बनाना है। इस उद्देश्य के लिए आरडीसी संकाय सदस्यों और छात्रों को शोध परियोजनाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने, शोध कौशल बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं की व्यवस्था करने, ज्ञान का प्रसार करने और शोधकर्ताओं के बीच सहयोग की सुविधा प्रदान करने, उद्योग, सरकार, समुदाय-आधारित संगठनों और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एजेंसियों में अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सहयोग विकसित करने, संसाधनों और वित्त पोषण के माध्यम से अनुसंधान तक अधिक पहुँच की सुविधा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।



## उन्नत भारत अभियान, श्याम लाल कॉलेज

श्याम लाल कॉलेज उन्नत भारत अभियान (UBA 2.0) में सक्रिय रूप से शामिल है, जो भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है। इस प्रयास के तहत, कॉलेज ने संस्थागत भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पाँच गाँवों— ढितोरा (बागपत), निठोरा, चिरोड़ी, जावली और कोतवालपुर (सभी गाजियाबाद में) को गोद लिया



है। उन्नत भारत अभियान टीम, जिसमें श्याम लाल कॉलेज के संकाय और छात्र सदस्य शामिल हैं। इन गाँवों में व्यापक सर्वेक्षण किए हैं। जिसमें स्वच्छता ही सेवा अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया है। कंप्यूटर कौशल और प्रशिक्षण फैलाने और ग्रामीणों और ग्राम प्रधानों और पंचायत समितियों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ अन्य सार्थक बातचीत में लगे हुए हैं।

## श्याम लाल कॉलेज : इनोवेशन काउंसिल

संस्थान की इनोवेशन काउंसिल की स्थापना श्याम लाल कॉलेज में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के तहत की गई थी, जो नवंबर 2018 में शुरू की गई एक पहल है। एमएचआरडी के इनोवेशन सेल का प्राथमिक कार्य युवा छात्रों को नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करना, प्रेरित करना और उनका पोषण करना है। श्याम लाल कॉलेज की इनोवेशन काउंसिल छात्रों में नवाचार की भावना को विकसित करने और एक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में काम करती है। IIC-SLC में, छात्र मेंटरिंग सेशन, वर्कशॉप और इनोवेटिव आइडिया प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। काउंसिल रचनात्मकता को प्रेरित करने और कॉलेज समुदाय के भीतर एक स्टार्टअप इकोसिस्टम का पोषण करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करती है। श्याम लाल कॉलेज के कुछ संकाय सदस्यों ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा आयोजित एंबेसडर प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है और इसकी स्थापना के बाद से इसे 3 स्टार मिले हैं।



## यूनिवर्सिटी शेफ और स्किल इंडिया

श्याम लाल कॉलेज को सरकार की 'स्किल इंडिया' पहल के साथ जुड़े 'यूनिवर्सिटी शेफ' कार्यक्रम नामक एक अनूठी पहल का अग्रदूत होने पर गर्व है। इस अग्रणी प्रयास का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता और सटीक सोच को बढ़ावा देना है। प्रधानाचार्य प्रो. रबी नारायण कर द्वारा परिकल्पित, अंतर-कॉलेज कार्यक्रम प्रतिभागियों को सभी आवश्यक सहायता के साथ प्रोत्साहित करता है। यह





विभिन्न विश्वविद्यालयों के उत्साही प्रतिभागियों को चुनौतियों में प्रतिस्पर्धा करने, सर्वश्रेष्ठ शेफ के प्रतिष्ठित खिताब के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है। प्रतियोगिता में “एफ एंड बी उद्योग में उद्यमिता” पर एक पैनल चर्चा भी हुई थी, जिसमें लगभग 150 उपस्थित लोगों को बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई। कुल मिलाकर, विश्वविद्यालय शेफ प्रतियोगिता का 7वां संस्करण एक शानदार सफलता थी, जिसमें शेफ मुकेश कुमार (कार्यकारी शेफ, होटल द अशोक), शेफ वीता सिंह (डीजीएम, होटल द अशोक), शेफ अमित घोटवाल (कार्यकारी शेफ, राष्ट्रपति भवन), श्री मनन चौधरी (एफ एंड बी उद्योग विशेषज्ञ) और श्री सिद्धार्थ अग्रवाल (एफ एंड बी उद्योग विशेषज्ञ) जैसे प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल की उपस्थिति में छात्रों के बीच कला की उत्कृष्टता और जुनून को बढ़ावा मिला।

## युवा स्पंदन

कौशल विकास केंद्र ने कॉलेज के उद्यमिता प्रकोष्ठ के साथ मिलकर 14-15 मार्च, 2024 को युवास्पंदन '24, राष्ट्रीय कौशल विकास और स्टार्टअप मेला आयोजित किया। यह एक राष्ट्रीय स्तर का आयोजन था, जिसमें कई तरह की प्रतियोगिताओं और कौशल आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की भावना और उद्यमिता के विचार को बढ़ावा देना था। इस उत्सव में डिकोड द डिलेमा, द लैंडलॉर्ड्स गेम, हंट इट आउट और क्विक पिच चैलेंज जैसी कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिन्होंने छात्रों को सोचने पर मजबूर किया और उन्हें ज्ञान से समृद्ध किया। जबकि स्किल एक्सपो ने छात्रों को अपने रचनात्मक और अभिनव कौशल का प्रदर्शन करने का मौका दिया।



## पूर्वी दिल्ली पुष्प प्रदर्शनी

पूर्वी दिल्ली पुष्प महोत्सव (उमंग 6.0) 26 फरवरी, 2024 को श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) श्याम लाल कॉलेज के विशाल परिसर में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर रबी नारायण कर के





कुशल मार्गदर्शन में लगातार 6 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। उमंग 6.0 में श्याम लाल कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की अध्यक्ष श्रीमती सविता गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। बीएसएफ के पूर्व एडीजीपी श्री पीके मिश्रा भी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उमंग 6.0 ने दिल्ली के मंडोली से राजेश नर्सरी, श्याम बिहारी नर्सरी जैसी कई नर्सरियों को आकर्षित किया, जिन्होंने अपने द्वारा तैयार फूलों की कई किस्मों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, एसआर कैपिटल पब्लिक स्कूल, मोहन पार्क, शाहदरा ने जैविक रंगोली के साथ फूलों का प्रदर्शन किया। श्याम लाल कॉलेज जैविक और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली उत्पादों को पेश करने के अपने प्रयासों में, अपने छात्रों को ऐसी पहलों में भाग लेने के लिए लगातार प्रोत्साहित करता रहा है।

## यमुना महोत्सव 4.0

कॉलेज परिसर और यमुना घाट पर वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'यमुना महोत्सव' हमारे शहर की जीवन रेखा यमुना नदी को सम्मान देने का एक प्रयास है। यह छात्रों और आम जनता के बीच यमुना नदी के संरक्षण और पुनरोद्धार के बारे में सार्वजनिक ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करता है। यमुना बाज़ार (कश्मीरी गेट) के पास यमुना घाट नंबर 21 पर, NSS और इको क्लब ने पौधारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया। इसके बाद नदी की रक्षा करने की शपथ ली गई और पर्यावरण के अनुकूल आरती की गई। फाइन आर्ट्स सोसाइटी, NSS और इको क्लब ने IQAC के साथ मिलकर महोत्सव का आयोजन किया। वृक्षारोपण के स्थान पर सफाई अभियान और नदी की रक्षा करने की शपथ ली गई। छात्रों ने हस्तनिर्मित लैंप (दीये) और प्लास्टिक-आधारित पौधों के गमले, पक्षियों के घर आदि जैसे पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्टॉल भी लगाया।





## ऐड-ऑन एवं मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम

कौशल विकास केंद्र, श्याम लाल कॉलेज ने 2018 से विदेशी भाषाओं में ऐड-ऑन सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। श्याम लाल कॉलेज ने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (NIELIT), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड, जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग, पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग किया है। कॉलेज को इस पहले प्रयास के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और तब से यह सफलतापूर्वक इन पाठ्यक्रमों को चला रहा है:

इच्छुक छात्रों के लिए पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है:

| क्र. सं. | पाठ्यक्रम   | अवधि               | शुल्क (जीएसटी सहित) | पात्रता  |
|----------|---|--------------------|---------------------|--|
| 1.       | विदेशी भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई, इतालवी) – दिल्ली विश्वविद्यालय | एक वर्ष (150 घंटे) | रु. 15000 / –       | 10+2, 45% कुल अंकों के साथ   |
| 2.       | विदेशी भाषा में डिप्लोमा (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई, इतालवी) – दिल्ली विश्वविद्यालय           | एक वर्ष (150 घंटे) | रु. 16000 / –       | संबंधित भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स या समकक्ष  |
| 3.       | विदेशी भाषाओं में एडवांस डिप्लोमा (जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चीनी, कोरियाई, इतालवी) – दिल्ली विश्वविद्यालय  | एक वर्ष (150 घंटे) | रु. 17000 / –       | संबंधित भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम या समकक्ष  |
| 4.       | मौलिक एवं तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से स्टॉक चयन – बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड।                                     | दो महीने (30 घंटे) | रु. 7965 / –        | 10+2   |
| 5.       | पायथन के माध्यम से प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट कोर्स  | 40 घंटे            | रु. 4000 / –        | 10+2   |
| 6.       | वीएलएसआई डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स  | 60 घंटे            | रु. 5000 / –        | इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ बी.एससी / बी.टेक / एम.एससी / एम.टेक की पढ़ाई कर रहे / पूरा कर चुके हैं |
| 7.       | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में सर्टिफिकेट कोर्स   | 40 घंटे            | रु. 4000 / –        | 10+2 गणित के साथ   |
| 8.       | डिजिटल मार्केटिंग में सर्टिफिकेट कोर्स  | 40 घंटे            | रु. 4000 / –        | 10+2   |
| 9.       | ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट कोर्स   | 40 घंटे            | रु. 4000 / –        | 10+2   |

## पंजीकरण विवरण:

- पंजीकरण हेतु 100 /— रुपये (वापसी योग्य नहीं) का भुगतान निम्नलिखित पते पर किया जाना है—
- खाते का नाम : श्याम लाल कॉलेज विविध
- खाता संख्या : 1247800135
- आईएफएससी : CBIN0283941
- एमआईसीआर कोड : 110016147
- बैंक का नाम : सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
- पंजीकरण के समय अपलोड किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेज:
1. कक्षा 12वीं की अंकतालिका की प्रति।
  2. पंजीकरण शुल्क रु. 100 /— के भुगतान का स्क्रीनशॉट
  3. संबंधित भाषा में उत्तीर्ण सर्टिफिकेट / डिप्लोमा कोर्स की मार्कशीट की प्रति। (केवल जर्मन / स्पेनिश / फ्रेंच / जापानी / कोरियाई / चीनी / इतालवी में डिप्लोमा / उन्नत डिप्लोमा में प्रवेश के लिए।)
- ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म लिंक: <https://linktr.ee/csdsdc>

**नोट:** पंजीकरण के बाद, प्रवेश के लिए चुने गए उम्मीदवारों को ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म जमा करने के 15 दिनों के भीतर आधिकारिक सीएसडी ईमेल पते: [csd@shyamlal.du.ac.in](mailto:csd@shyamlal.du.ac.in) के माध्यम से उनके पंजीकृत ईमेल पते पर आगे के प्रवेश विवरण की सूचना दी जाएगी।

## दिशानिर्देश:

1. पात्रता मानदंड को पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।
2. ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म और विवरण कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।
3. पंजीकरण के लिए 100 /— रुपये का एकमुश्त पंजीकरण शुल्क देय है (वापसी योग्य नहीं)।
4. छात्र एक ही समय में दो अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में नामांकन ले सकते हैं, साथ ही एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम के अलावा किसी एक सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भी नामांकन ले सकते हैं।
5. जो छात्र एक से अधिक पाठ्यक्रम करना चाहते हैं, उन्हें प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग-अलग फॉर्म भरना होगा (पंजीकरण शुल्क केवल एक बार ही देना होगा)।
6. किसी भी प्रश्न के लिए हमें ईमेल करें: [csd@shyamlal.du.ac.in](mailto:csd@shyamlal.du.ac.in)
7. पाठ्यक्रमों की कक्षाएं श्याम लाल कॉलेज में दोपहर 2 बजे से भौतिक रूप से संचालित की जाएंगी।
8. विदेशी भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स (जर्मन / स्पेनिश / फ्रेंच / चीनी / जापानी / कोरियाई / इतालवी):
  - ए. न्यूनतम योग्यता 10+2 (कुल 45% अंक) है।
  - बी. दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के कर्मचारी भी पात्र हैं।
  - सी. अवधि — 150 घंटे (प्रत्येक भाषा के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)।



9. जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच/जापानी/चीनी/कोरियाई/इतालवी में डिप्लोमा:

ए. जिन अभ्यर्थियों ने किसी भाषा में दिल्ली विश्वविद्यालय से सर्टिफिकेट परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे उस भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

बी. जिन उम्मीदवारों ने किसी अन्य संस्थान से या प्रवेश के वर्ष से एक वर्ष या उससे अधिक पहले भाषा में अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है, उन्हें प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा। प्रवेश परीक्षा के लिए शुल्क 500/- रुपये होगा।

सी. अवधि: 150 घंटे (प्रत्येक भाषा के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)

10. जर्मन/स्पेनिश/फ्रेंच/जापानी/चीनी/कोरियाई/इतालवी में उन्नत डिप्लोमा:

ए. जिन अभ्यर्थियों ने किसी भाषा में दिल्ली विश्वविद्यालय की डिप्लोमा परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे उस भाषा में उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

बी. जिन उम्मीदवारों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अलावा किसी अन्य संस्थान से या प्रवेश के वर्ष से एक वर्ष या उससे अधिक पहले भाषा में अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है, उन्हें प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा। प्रवेश परीक्षा के लिए शुल्क 500/- रुपये होगा।

सी. अवधि: 180 घंटे (प्रत्येक भाषा के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)

11. दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग से संबद्ध हैं।

12. जापानी/कोरियाई/चीनी भाषा के सभी पाठ्यक्रम पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

13. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (NIELIT) (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MoE&IT), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था) के सहयोग से आईटी पाठ्यक्रम

ए. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में सर्टिफिकेट कोर्स

बी. डिजिटल मार्केटिंग में सर्टिफिकेट कोर्स

सी. ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट कोर्स

डी. पायथन के माध्यम से प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट कोर्स

ई. वीएलएसआई डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स

योग्यता : 10+2

अवधि : 40 घंटे/60 घंटे (प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)

14. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से मौलिक और तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से स्टॉक चयन।

योग्यता : 10+2

अवधि : 30 घंटे (प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सप्ताह में तीन बार 2 घंटे की कक्षा आयोजित की जाएगी)

15. प्रवेश रद्द करने पर 1000/— रुपये की राशि काट ली जाएगी। 31 जुलाई 2024 के बाद कोई धनवापसी नहीं की जाएगी।

न्यूनतम संख्या (भाषा पाठ्यक्रम) : 20

न्यूनतम संख्या (शेयर बाजार पाठ्यक्रम और लघु अवधि आईटी पाठ्यक्रम) : 30

सभी पाठ्यक्रमों के प्रत्येक बैच में छात्रों की अधिकतम संख्या : 50

16. किसी पाठ्यक्रम का प्रारंभ न्यूनतम संख्या में विद्यार्थियों के प्रवेश के अधीन है।

17. 30 घंटे से 60 घंटे की अवधि वाले अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए एक बार जमा किया गया शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

**नोट:** पंजीकरण लिंक सहित सभी अपडेट कॉलेज की वेबसाइट और श्याम लाल कॉलेज कार्यालय पर उपलब्ध रहेंगे।

## आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक मान्यता प्राप्त संस्थान को प्रत्यायन के बाद गुणवत्ता संधारण उपाय के रूप में एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) स्थापित करना चाहिए। गुणवत्ता वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है, इसलिए IQAC संस्थान की प्रणाली का एक हिस्सा बन जाता है और गुणवत्ता वृद्धि और संधारण के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करता है। IQAC का मुख्य कार्य संस्थानों के समग्र प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करना है। IQAC छात्रों के समग्र विकास के लिए लगातार FDP, SDP, कार्यशालाएँ, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठी और उपचारात्मक कक्षाओं जैसी कई गतिविधियाँ करता है।





## केंद्र

कॉलेज ने शिक्षण-अधिगम परिणाम को अधिकतम करने के प्रयास में, विभिन्न महत्वपूर्ण केंद्र स्थापित किए हैं जो छात्रों को संपूर्ण शिक्षण अनुभव प्राप्त करने के लिए एक अनूठा मंच और अवसर प्रदान करते हैं। इन केंद्रों के द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और की गई पहलों ने स्पष्ट रूप से छात्रों के दिमाग को नई सोच के लिए खोल दिया है। इन केंद्रों ने आधुनिक जीवनशैली, लिंग, भारत में जातिगत पहचान, व्यावसायिक चुनौतियों, सामाजिक विसंगतियों आदि से संबंधित क्रॉस-कटिंग मुद्दों को उठाया है।

### उद्योग संपर्क केंद्र (सीआईआई)

उद्योग संपर्क केंद्र (सीआईआई) की स्थापना आपसी लाभ के लिए उद्योग के साथ श्याम लाल कॉलेज की बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए की गई है। इस केंद्र की परिकल्पना हमारे छात्रों के बीच उद्योग की जरूरतों के बारे में बेहतर समझ प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। भविष्य में छात्रों के कौशल को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने और



अधिक कौशल विकास पहल करने में मदद करने के लिए कंपनियों के साथ समझौते, एमओयू तैयार करने का भी प्रयास किया जा रहा है। केंद्र उभरते करियर विकल्पों पर छात्रों का मार्गदर्शन करने और समूह चर्चाओं और व्यक्तिगत साक्षात्कारों में अधिक सफलता के लिए छात्रों के कौशल में सुधार करने और छात्रों को संबोधित करने और मार्गदर्शन करने के लिए उद्योग और शिक्षाविदों से विशेषज्ञों को आमंत्रित करने के लिए सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करने की दिशा में काम करता है। केंद्र कॉलेज के दिव्यांग छात्रों की विशेष कौशल विकास आवश्यकताओं के संदर्भ में उनके रोजगार संबंधी पहलुओं को संबोधित करने और अन्य छात्रों के साथ-साथ जहाँ भी संभव हो सकता है, उनके प्लेसमेंट को बढ़ावा देने के लिये अपने प्रयासों में अद्वितीय है।

### प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल

अपने आदर्श वाक्य "कॉर्पोरेट की ओर बढ़ें" के साथ, श्याम लाल कॉलेज का प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल कॉर्पोरेट जगत में पेशेवर अवसरों की तलाश करने वाले सभी श्याम लाल कॉलेज छात्रों के लिए सर्वोत्तम संभव इंटरनशिप और प्लेसमेंट अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शैक्षणिक वर्ष



2023-2024 में, श्याम लाल कॉलेज के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल ने छात्रों को कॉर्पोरेट जगत के लिए आवश्यक व्यक्तित्वों



में प्रशिक्षित करने और तैयार करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं, सेमिनारों और वेबिनार सत्रों का आयोजन किया और कंपनियों द्वारा निर्धारित उच्च मानकों को प्राप्त करने में उनकी मदद की। टीपीसी, श्याम लाल कॉलेज ने अपने वार्षिक जॉब्स और इंटरनशिप मेले, कॉम्पिटो '24 का आयोजन किया और बड़ी सफलता दर्ज की क्योंकि 45 से अधिक कंपनियों ने श्याम लाल कॉलेज के छात्रों को 700+ इंटरनशिप और नौकरी के अवसर प्रदान किए। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल ने इस सत्र में सफलता की छलांग लगाई, विभिन्न क्षेत्रों से पेश किए गए विविध प्रोफाइल की संख्या और नियोजित छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, सेल ने बहुत अधिक वृद्धि का अनुभव किया। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल को इस तरह के एक अद्भुत और सफल वर्ष पर गर्व है साथ ही आने वाले वर्षों में भी इस विरासत को जारी रखने की उम्मीद है।

### उद्यमिता प्रकोष्ठ (ई-प्रकोष्ठ)

छात्रों में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने और बनाए रखने के उद्देश्य से स्थापित, ई-सेल ने अपनी स्थापना के बाद से ही शानदार ढंग से विस्तार किया है और कई उभरते उद्यमियों को सफलतापूर्वक मार्गदर्शन दिया है। सेल अगली पीढ़ी के उद्यमियों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान देंगे। युवा उद्यमियों के लिए कार्यशालाओं के आयोजन के अलावा सेल नियमित रूप से कई प्रशिक्षण कार्यक्रम व वार्ता आयोजित करता है और छात्रों के बीच उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस प्लान, हैकथॉन, केस कैटालिस्ट, स्टेकहोल्डर्स मीट, बुल्स बनाम बियर रन, थिंक-टैंक और इसी तरह के कई कार्यक्रम आयोजित करता है।



### कौशल विकास केंद्र (सीएसडी)

कॉलेज में कई कौशल विकास और सॉफ्ट स्किल संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जो कौशल आधारित एकीकृत शिक्षा प्रदान करने के संस्थान के उद्देश्य को पूरा करते हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही सीएसडी छात्रों के बीच कौशल को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़े और उन्हें उद्योग के लिए तैयार किया जा सके। केंद्र हर साल राष्ट्रीय कौशल विकास और स्टार्ट-अप मेला, "युवास्पंदना" का भी आयोजन करता है। कौशल संवर्द्धन कार्यशालाओं, सम्मेलनों, सेमिनारों, औद्योगिक सहयोग, कौशल आधारित प्रतियोगिताओं और इंटरनशिप के नियमित आयोजन के अलावा, केंद्र ने कई रोजगार उन्मुख ऐड-ऑन पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक चलाने की अग्रणी पहल की। छात्रों को



गुणवत्तापूर्ण अनुभव प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (नाइलिट), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मीटीवाई), भारत सरकार, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज इंस्टीट्यूट लिमिटेड, दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक एवं रोमांस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, एक्सएएमके, फिनलैंड, तुर्क यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज,



भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, न्यू हॉलैंड एग्रीकल्चर (सीएनएच) आदि जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग किया गया है।

### महिला विकास केंद्र (डब्ल्यूडीसी)

श्याम लाल कॉलेज ने लैंगिक समानता और सदभाव के प्रति छात्रों और शिक्षकों को संवेदनशील बनाने के अपने प्रयासों में महिला विकास केंद्र (डब्ल्यूडीसी) को अस्तित्व में लाया। अपनी स्थापना के बाद से डब्ल्यूडीसी ने पेशेवर चुनौतियों और सामाजिक विसंगतियों से संबंधित क्रॉस-कटिंग मुद्दों को उठाया है। यह सेल लिंग, कामुकता, असमानता, भेदभाव, सशक्तिकरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित कई मुद्दों पर बहस, बातचीत और चिंतन के लिए एक मंच है। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, सेल साल भर सेमिनार, संगोष्ठी, फिल्म स्क्रीनिंग, लिंग संवेदीकरण पर कार्यशालाएं, नुक्कड़ नाटक, आत्मरक्षा शिविर, सार्वजनिक वाचन सत्र जैसी गतिविधियाँ आयोजित करता है और छात्रों को लोगों और स्थानों के लिंग निर्धारण, शिक्षा से वंचित या सीमित पहुँच, यौन और प्रजनन कल्याण और अधिकार, दमनकारी प्रथाएँ और रीति-रिवाज, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में यौन शोषण, सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा और नागरिक और निजी क्षेत्र में महिलाओं की आवाज़ को दबाने से संबंधित मामलों पर चर्चा में शामिल किया जा सके। डब्ल्यूडीसी ने 2016–17 सत्र से द्विमासिक आधार पर लिंग परामर्श शुरू किया है जिसमें छात्रों (लड़कियों और लड़कों दोनों) को एक मंच प्रदान किया जा सके जहाँ वे बिना किसी झिझक के अपने लिंग और अन्य व्यवहार संबंधी प्रश्नों को स्पष्ट कर सकें।



### समग्र विकास केंद्र (सीएचडी)

श्याम लाल कॉलेज सामाजिक परिवर्तनों और नैतिक मूल्यों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। समग्र विकास केंद्र (सीएचडी) का उद्देश्य हमारे छात्रों के समग्र संतुलित विकास के लिए एक समग्र वातावरण प्रदान करना है। सीएचडी केंद्र हमारे छात्रों को



नैतिक रूप से मजबूत, जिम्मेदार और भावनात्मक रूप से संतुलित बनाने के लिए एकीकृत शिक्षा विकसित और प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से केंद्र ने लगातार युवा विद्वानों को तैयार करने और उन्हें सहानुभूति और नैतिक चेतना से समृद्ध करने का प्रयास किया है जिससे वे “मानव मूल्यों” आंदोलन के लिए मशाल वाहक बन सकें।



## गांधी अध्ययन मंडल (जीएससी)

कॉलेज ने युवा पीढ़ी के साथ गांधी और उनकी शिक्षाओं पर पुनर्विचार, समीक्षा और बहस करने के लिए गांधी अध्ययन मंडल (जीएससी) की अवधारणा बनाई। यह छात्रों के बीच सादगी और निस्वार्थता जैसे गांधीवादी मूल्यों और आदर्शों को विकसित करने की आकांक्षा रखता है। मंडल जीवन के एकीकृत दृष्टिकोण पर गांधीवादी शिक्षाओं को पुनर्जीवित करने के सिद्धांत पर काम करता है जो धर्म और सांप्रदायिकता की ताकतों से परे पूरी मानवता को एकजुट करता है।



## अंबेडकर स्टडी सर्किल (एससी)

श्याम लाल कॉलेज ने अंबेडकर स्टडी सर्किल (एससी) की स्थापना करके एक और महत्वपूर्ण पहल की। पिछले कुछ वर्षों में, एससी ने आज के युवाओं की ऊर्जा को नए तरीकों से सोचने की दिशा में मोड़ने के लिए कई पहल की हैं। अपनी स्थापना के बाद से, एससी डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा समर्थित मानवतावादी और समतावादी विचारों और मूल्यों को फैलाने



में सबसे आगे रहा है। ऐसे लक्ष्यों और उद्देश्यों की खोज में, शैक्षणिक सत्र 2023–2024 में एससी ने डॉ. अंबेडकर के विचारों, दर्शन और योगदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 15–16 अप्रैल, 2024 को "भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिशीलता पर अंबेडकर का दृष्टिकोण: 2047 में विकसित भारत की ओर एक रास्ता" पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन करके सहायनीय प्रदर्शन किया। भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी ने सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई थी।

## इको क्लब

"गो ग्रीन पहल" के मिशन के साथ, इको क्लब समाज में पर्यावरण संरक्षण संदेश फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्लब प्लास्टिक पर प्रतिबंध, कचरे का उचित निपटान, पेड़ लगाना आदि जैसे अच्छे पर्यावरण प्रथाओं के बारे में शिक्षित और जागरूकता फैलाकर प्रकृति की विरासत की रक्षा करना चाहता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के बीच पर्यावरण जागरूकता पैदा करने में





महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे कॉलेज ने इको क्लब, आईक्यूएसी और एनएसएस स्पर्श गंगे के सहयोग से विभिन्न पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

### एनेक्टस

एनेक्टस श्याम लाल कॉलेज (एम) एनेक्टस इंडिया का एक अध्याय है और इसका गठन वर्ष 2016 में किया गया था। तब से एनेक्टस की टीम ने कई सामाजिक रूप से प्रासंगिक परियोजनाएं पूरी की हैं। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के मूल्यवान मार्गदर्शन के बाद, एनेक्टस अपने सभी प्रयासों और उद्यमशीलता कार्यों का उपयोग करके एक ऐसा बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो समाज के प्रत्येक सदस्य को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा, लोगों को सशक्त बनाएगा और एक अधिक टिकाऊ दुनिया का निर्माण करेगा। पिछले कुछ वर्षों में, एनेक्टस ने कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है जिससे समाज के सुचारु संचालन में मदद मिली है।



### उत्तर पूर्वी सेल

श्याम लाल कॉलेज नॉर्थ ईस्ट सेल पूर्वोत्तर राज्यों के सभी छात्रों के लिए एक जीवंत स्थान है, जहां वे इस क्षेत्र की समृद्ध जातीय और सांस्कृतिक बहुलता का आदान-प्रदान और साझा करने के लिए एक घर को पाते हैं। एनई सेल एक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव भी आयोजित करता है, जो सह-पाठ्यचर्या क्षेत्रों में छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित करता है और उन्हें खेल/शारीरिक शिक्षा, नृत्य, संगीत, भोजन और फैशन के क्षेत्रों में सम्मान और उपलब्धियों की मान्यता के माध्यम से समावेश और समानता की भावना से प्रोत्साहित करता है।



### भविष्य अध्ययन केंद्र (सीएफएस)

सेंटर फॉर फ्यूचर स्टडीज (सीएफएस) का उद्देश्य एआई और रोबोटिक्स, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में बहु-विषयक अनुसंधान और उद्योग-अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देना है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग और अन्य विभाग छात्रों को भविष्य के लिए प्रशिक्षित करने और तैयार करने के लिए हाथ मिलाते हैं। केंद्र उद्योग-अकादमिक संबंधों को और मजबूत करने और कंप्यूटर विज्ञान संबंधित विषयों के क्षेत्र में प्रमुख डोमेन को प्रदर्शित करने वाली शोध संस्कृति को आत्मसात करने का वादा करता है।



# शैक्षणिक संसाधन

## कक्षा कक्ष

श्याम लाल कॉलेज में आधुनिक और अद्यतन कक्षाएँ, ट्यूटोरियल रूम, सेमिनार/सम्मेलन कक्ष हैं जो मिश्रित शिक्षा के लिए अच्छी तरह सुसज्जित हैं। एक बिल्कुल नया बहुउद्देश्यीय हॉल, कई कंप्यूटर लैब और आईसीटी सक्षम कक्षाएँ वर्तमान शैक्षणिक सत्र से ही चालू होने की उम्मीद है और इसके अलावा दो लिफ्ट भी होंगी।

## पुस्तकालय

किसी भी ज्ञान-आयात करने वाले संस्थान में ज्ञान के भंडार के रूप में पुस्तकालय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह न केवल छात्रों और शिक्षकों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए एक अतिरिक्त स्थान प्रदान करता है बल्कि उन्हें पुस्तकों, पत्रिकाओं और नई उभरती हुई विश्व व्यवस्था के सूचना उद्योग की दुनिया से जोड़ने में भी मदद करता है। श्याम लाल कॉलेज के पास पुस्तकों, पत्रिकाओं, ई-संसाधनों के विशाल संग्रह के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है। पुस्तकालय में WEB OPAC प्रणाली और DELNET की सुविधा है जो छात्रों और शिक्षकों के लिए पुस्तकालय और अन्य जगहों पर पुस्तकें ढूँढना आसान बनाता है। DULS (दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली) ई-संसाधनों जैसे ई-जर्नल, शोध सिंधु, शोध गंगा आदि तक पहुँच प्रदान करता है। कॉलेज लाइब्रेरी में छस्पेज सदस्यता (UGC- INFLIBNET) भी है जो उपयोगकर्ताओं को ई-संसाधनों के विशाल डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करती है। हमारी लाइब्रेरी पूरी तरह से स्वचालित है और निकट भविष्य में RFID तकनीक लागू की जाएगी। DULS और NList ई-संसाधनों जैसे ई-जर्नल तक पहुँच प्रदान करते हैं।

कॉलेज की जानकारी रिसोर्स सेंटर छात्रों और शिक्षकों को ई-संसाधनों, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, ई-जर्नल, ई-बुक और रिपोर्ट तक पहुँच प्रदान करता है। इसमें 50 लोगों के बैठने की क्षमता है। प्रत्येक कक्ष में अपना स्वयं का कंप्यूटर सिस्टम है। छात्रों के लिए व्यावहारिक कक्षाएं भी यहाँ संचालित की जाती हैं। इसमें बैठने के लिए बड़ी क्षमता वाला एक अत्याधुनिक रीडिंग कक्ष बनाया गया है। लाइब्रेरी में कॉलेज के PwBD छात्रों के लिए PwBD सुविधा केंद्र के रूप में एक महत्वपूर्ण निर्दिष्ट सुविधा भी है, जिसमें PwBD छात्रों को शिक्षा के सुचारु वितरण की सुविधा के लिए सभी प्रासंगिक सॉफ्टवेयर के साथ समर्पित कंप्यूटर सिस्टम हैं।





## बहुउद्देशीय हॉल एवं सम्मेलन केंद्र

सभी नवीनतम आईसीटी सुविधाओं से सुसज्जित एक अत्याधुनिक वातानुकूलित सम्मेलन हॉल मौजूदा बुनियादी ढाँचे का हिस्सा है। इसमें 100 लोगों के बैठने की क्षमता है। सम्मेलन हॉल पूरी तरह कार्यात्मक है और इसका उपयोग कॉलेज में आयोजित सभी शैक्षणिक विस्तार गतिविधियों, सम्मेलनों और सेमिनारों के संचालन के लिए किया जाता है। एक नया बहुउद्देशीय हॉल (एमपीएच) भी पूरी तरह कार्यात्मक है। शैक्षणिक उत्कृष्टता को जारी रखते हुए, सम्मेलन हॉल, बोर्ड रूम, ज्ञान संसाधन केंद्र और वाचनालय में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए।



## बोर्ड रूम और शिक्षक सुविधा केंद्र

शिक्षकों में शोध योग्यता को बढ़ावा देने के लिए एक नवनिर्मित शिक्षक सुविधा केंद्र और विशाल बैठने की क्षमता वाला एक बोर्ड / समिति कक्ष भी है।





## समिति कक्ष एवं गोपनीय कक्ष

कॉलेज के अधिकारियों और विभिन्न समितियों द्वारा आयोजित आधिकारिक बैठकों, चर्चाओं और निर्णय लेने वाले सत्रों के लिए एक नवनिर्मित समिति कक्ष नामित किया गया है। कॉलेज में संवेदनशील जानकारी को संभालने के लिए एक गोपनीय कक्ष भी आरक्षित है, जो सभी गोपनीय मामलों की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

## इनोवेशन प्लाज़ा और फ़ैकल्टी रूम

इनोवेशन प्लाज़ा एक समर्पित स्थान है जिसे छात्रों और शिक्षकों के बीच रचनात्मकता, सहयोग और उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नवनिर्मित फ़ैकल्टी रूम शिक्षकों को अकादमिक चर्चाओं में शामिल होने, शोध करने और छात्रों को मार्गदर्शन देने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

## चिकित्सा सुविधा

कॉलेज में एक समर्पित चिकित्सा कक्ष है। एक चिकित्सक सप्ताह में तीन बार कॉलेज का दौरा करता है। छात्र बीआर अंबेडकर कॉलेज में WUS (विश्व विश्वविद्यालय सेवा) स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा का भी लाभ उठा सकते हैं।

## कंप्यूटर सेंटर

कॉलेज में कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ और एक समर्पित ज्ञान संसाधन केंद्र है। श्याम लाल कॉलेज में अत्याधुनिक कंप्यूटर केंद्र हैं जो सर्वर, प्रिंटर, डेस्कटॉप, लैपटॉप, एलसीडी प्रोजेक्टर और नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन के स्कैनर से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, कॉलेज में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित तीन कंप्यूटर लैब भी कार्यरत हैं। कॉलेज लाइब्रेरी के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यालय में सभी संचालन स्वचालित हैं। कॉलेज की कंप्यूटर लैब छात्रों और शिक्षकों को हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर संसाधनों के मामले में सर्वश्रेष्ठ प्रदान करती हैं।





## विज्ञान प्रयोगशालाएँ

श्याम लाल कॉलेज अपने छात्रों को विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं के साथ सर्वोत्तम सुविधाएँ प्रदान करने का प्रयास करता है। वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशालाएँ सर्वोत्तम उपकरणों और कुशल सहायता सेवाओं के साथ विज्ञान के छात्रों को उनके व्यावहारिक कार्य करने के लिए आदर्श परिस्थितियाँ प्रदान करती हैं। कॉलेज में कुछ साल पहले ही जीवविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की गई थी और इसे अभी तेज़ी से अन्य विज्ञान प्रयोगशालाओं के स्तर पर लाया जा रहा है। ये प्रयोगशालाएँ न केवल विशाल और अच्छी तरह हवादार हैं, बल्कि छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए एक आदर्श वातावरण भी प्रदान करती हैं।



## गर्ल्स कॉमन रूम

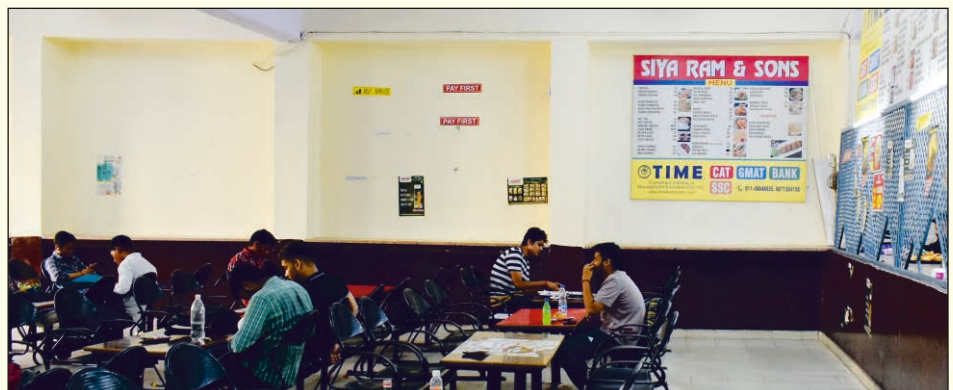
श्याम लाल कॉलेज अपने विद्यार्थियों के लिए विशेष निजी स्थानों की आवश्यकता को अच्छी तरह समझता है, क्योंकि विद्यार्थियों को कॉलेज में कई घंटे बिताने पड़ते हैं यह ज़रूरी नहीं है कि वे सभी समय कक्षा के अंदर ही बिताएं। यह गर्ल्स कॉमन रूम को कॉलेज का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनाता है। मनोरंजन सुविधाओं से सुसज्जित, जीसीआर को हाल ही में फिर से सुसज्जित किया गया है। कॉलेज की जीसीआर समिति ने सीएसआर रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से जीसीआर में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाने का अग्रणी कदम उठाया।

## सुरक्षा व्यवस्था

पूर्वी दिल्ली के मध्य में स्थित और सभी प्रमुख परिवहन साधनों के सामने उपलब्ध होने के कारण, कॉलेज को शहर के पूरी तरह से सुरक्षित क्षेत्र में स्थित होने का बड़ा लाभ है। तथ्य यह है कि शाहदरा पुलिस स्टेशन कॉलेज के ठीक साथ ही में स्थित है जो सुरक्षा की इस भावना को और बढ़ाता है। इसके अलावा, कॉलेज परिसर के बहुत करीब पुलिस अधिकारियों की तैनाती संस्थान में आने-जाने वाले छात्रों को सुरक्षा की भावना प्रदान करती है। परिसर के भीतर कॉलेज के सभी वर्गों के बीच सम्मान और आपसी विश्वास के मूल्यों को स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, जिससे हर कोई अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बिना किसी डर और संदेह के काम कर सके। फिर भी कॉलेज परिसर के भीतर सुरक्षा को हल्के में नहीं लेता है और किसी भी सुरक्षा उल्लंघन का पता लगाने के लिए अपने बुनियादी ढाँचे और मानव संसाधनों को हर समय चालू रखता है।

## कॉफी हाउस

फूड कोर्ट, छात्रों का पसंदीदा अड्डा है, जहाँ हर गतिविधि होती है। जहाँ उचित मूल्यों पर छात्र स्वस्थ और स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लेते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहाँ सभी कोर्स और विषय के छात्र मिलते हैं बातचीत करते हैं तथा चाय/कॉफी के गर्म कपों पर चर्चा करते हैं।





# सर्वोत्तम प्रथाएं

## स्वच्छता मंत्रालय के अंतर्गत एसएपी (स्वच्छता कार्य योजना)

शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के तत्वावधान में, श्याम लाल कॉलेज ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसे 2020 में स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी) संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है। इस ढाँचे के भीतर, श्याम लाल कॉलेज स्वच्छता और सफाई, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन और हरियाली को बढ़ावा देने सहित विभिन्न आवश्यक स्वच्छता पहलों के लिए प्रतिबद्ध है। इन उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से साकार करने के लिए, कॉलेज ने संस्थान और उसके हितधारकों के अधिकतम लाभ के लिए इन क्षेत्रों को संबोधित करने के लिए रणनीतिक योजनाएँ तैयार करने के लिए समर्पित समितियों की स्थापना की है।



## गांवों को गोद लेना

श्याम लाल कॉलेज उन्नत भारत अभियान में भाग लेने वाला संस्थान है और इसने उत्तर प्रदेश में 5 गांवों को गोद लिया है: धितौरा (बागपत), निठोरा (गाजियाबाद), चिरोड़ी (गाजियाबाद), जावली (गाजियाबाद), कोतवालपुर (गाजियाबाद)। इस पहल के तहत, यूबीए टीम ने उक्त गांवों का व्यापक सर्वेक्षण किया है। गांव और गांवों के अन्य हितधारकों जैसे ग्राम प्रधानों और ग्राम पंचायत समितियों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत की है। गांव का दौरा, किए गए सर्वेक्षण, डेटा एकत्र करना और ग्रामीणों और गांवों के संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत ने टीम को आगे की सहायता



के लिए समस्या वाले क्षेत्रों को शॉर्टलिस्ट करने में मदद की है। श्याम लाल कॉलेज टीम ने सरकारी वित्तीय प्रोत्साहन और योजनाओं, बीमा योजनाओं और स्वास्थ्य बीमा का लाभ उठाने, गांवों में स्वच्छता के मुद्दों के बारे में जागरूकता के लिए कार्यशालाओं, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, पॉलिथीन का उपयोग न करने, कपड़े के थैलों के वितरण और उचित अपशिष्ट प्रबंधन के लिए व्यावहारिक समाधान के बारे में अभियान सहित वित्तीय साक्षरता के लिए जागरूकता अभियानों की योजना बनाई और उन्हें क्रियान्वित किया।



## मूल्यांकन और प्रतिक्रिया

कॉलेज ने छात्रों की चिंताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के उद्देश्य से एक संरचित प्रतिक्रिया प्रणाली को लागू करने में सफलता प्राप्त की है। आज तक हमने छात्रों से व्यापक प्रतिक्रिया एकत्र करने, शैक्षणिक, बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं से संबंधित मुद्दों का विश्लेषण करने और उन्हें संबोधित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के पांच चक्र पूरे कर लिए हैं। इसके अतिरिक्त, IQAC विभिन्न हितधारकों से पाठ्यक्रम पर प्रतिक्रिया एकत्र करता है। इसके बाद एक कार्रवाई रिपोर्ट तैयार की जाती है और संबंधित विभागों के साथ चर्चा की जाती है।

## सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम



श्याम लाल कॉलेज अपनी संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति सक्रिय रूप से संवेदनशील है और अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से संस्थान पड़ोस-समुदाय पहल और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है जो मोटे तौर पर एनसीसी/एनएसएस/डब्ल्यूडीसी/ईओसी/खेल के अंतर्गत आते हैं। श्याम लाल कॉलेज कई अविकसित, अधिक आबादी वाले और अल्पसंख्यक समुदाय के इलाकों से घिरा हुआ है और इसलिए आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित छात्रों के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए क्षेत्र में एकमात्र सुविधाकर्ता बन जाता है। निम्नलिखित सामुदायिक आउटरीच कदम हैं जिन्हें कॉलेज सुविधा प्रदान करता है:

- कॉलेज में एनसीसी, एनएसएस, महिला विकास प्रकोष्ठ, समग्र विकास केंद्र, उद्योग संपर्क एवं कौशल विकास केंद्र, अंबेडकर अध्ययन मंडल, गांधी अध्ययन मंडल आदि हैं, जो छात्रों में सामुदायिक भावना और नागरिकता की भावना को बढ़ाने के लिए रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान, यमुना बचाओ अभियान, लिंग संवेदीकरण, पहचान संबंधी चर्चा, नैतिक शिक्षा आदि जैसे सामुदायिक सेवा के लिए समर्पित कार्यक्रम आयोजित करते हैं।
- श्याम लाल कॉलेज नेशाहदरा मंडीकोभी गोद लिया है और नियमित रूप से सफाई अभियान चलाती है तथा नकदी रहित व्यापार और प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाती है।
- यह कॉलेज, समाज के निम्न आय वर्ग या वंचित वर्गों के युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर और सर्वोत्तम कोचिंग सुविधाएं प्रदान करके दिल्ली के यमुना पार क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देता है।
- कॉलेज ने पहले भी कई सर्वेक्षण किए हैं, जिनमें 'दिल्ली में वृद्धाश्रम – उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझना और समाज में उनका योगदान' परियोजना के तहत किया गया सर्वेक्षण भी शामिल है। इस परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली में संचालित वृद्धाश्रमों पर करीब से नज़र डालना है। जिससे इन संस्थानों के सामने आने वाली समस्याओं और चुनौतियों का आकलन किया जा सके।





- कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवक झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाते हैं और सर्दियों के दौरान कपड़े वितरित करते हैं। कॉलेज द्वारा आयोजित वृक्षारोपण गतिविधियों का उद्देश्य कॉलेज और उसके आसपास वायु की गुणवत्ता में सुधार करना है, साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करना है।



- डब्ल्यूडीसी नियमित रूप से छात्रों और कर्मचारियों को लिंग संबंधी मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने और जाति, धर्म, रंग या लिंग के बावजूद मानव के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का आयोजन करता है।
- समान अवसर प्रकोष्ठ की अधिकांश गतिविधियां, जैसे वंचित समुदायों के छात्रों के लिए सुधारात्मक कक्षाएं और अंग्रेजी बोलने की कक्षाएं तथा दिव्यांगों के लिए सुविधाएं, आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को भी बड़े पैमाने पर लाभान्वित करती हैं।
- कॉलेज अच्छे नागरिक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय पहलों में भाग लेता है, जैसे स्वच्छता अभियान, कौशल और उद्यमिता विकास पहल, "मेक इन इंडिया" अभियान आदि।
- केंद्र सरकार द्वारा इस कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद कॉलेज ने कौशल विकास केंद्र की स्थापना की है।
- श्याम लाल कॉलेज ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत यूबीए परियोजना के अंतर्गत 5 गांवों को गोद लिया है।
- कॉलेज की एनएसएस नियमित रूप से छात्राओं के लिए एक सप्ताह का महिला आत्मरक्षा शिविर "निर्भीक" भी आयोजित करती है। कॉलेज की यूबीए टीम और एनएसएस टीम पहले ही यमुना बाजार घाट संख्या 21 में सफाई अभियान चला चुकी है। घाट संख्या 21 का विकास और देखरेख किया गई है साथ ही मरम्मत, सौंदर्यीकरण, पुनर्निर्माण, रंग-रोगन का काम भी किया गया है।
- श्याम लाल कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना ने इको क्लब, एसएपी और यूबीए के सहयोग से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर "हर घर तिरंगा रैली" का आयोजन किया।
- कॉलेज की एनएसएस शाखा अपने आदर्श वाक्य "सभी से प्रेम करो और सभी की सेवा करो" पर खरी उतरती है। छात्र कई गैर सरकारी संगठनों के साथ एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ जुड़े हुए हैं। वे अमर ज्योति जैसे गैर सरकारी संगठनों का समर्थन करने के लिए कपड़े दान अभियान भी आयोजित करते हैं। एनएसएस, हर साल कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। श्याम लाल कॉलेज की एनसीसी लड़कियों ने आत्मरक्षा शिविर, योग शिविर, वृक्षारोपण अभियान और यमुना बचाओ अभियान में भाग लिया है और इसका आयोजन किया है।





- श्याम लाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने श्याम लाल महाविद्यालय द्वारा आयोजित जी-20 मॉक शिखर सम्मेलन सह प्रदर्शनी में भाग लिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न टीमों ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व किया।
- कॉलेज समाज के वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को शुल्क में छूट, वित्तीय सहायता, पुस्तक सहायता, पुरस्कार और इनाम भी प्रदान करता है।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने साइबर सुरक्षा जागरूकता पर एक अत्यंत जानकारीपूर्ण और आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आज के डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करना और उन्हें ऑनलाइन खुद को सुरक्षित रखने के लिए ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाना था।

## परामर्श सेवाएँ

संस्थान के प्रमुख लगातार आभासी या भौतिक मंचों के माध्यम से छात्रों से जुड़ते हैं ताकि शैक्षणिक सत्र के दौरान अनिश्चितताओं के बारे में उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके। पेशेवर परामर्शदाताओं और डॉक्टरों द्वारा संचालित परामर्श सेवाएँ, चिंता और अन्य मुद्दों से पीड़ित छात्रों की सहायता के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। महिला विकास प्रकोष्ठ (WDC) के माध्यम से नियमित परामर्श सत्र आयोजित किए जाते हैं। खुले दरवाजे की नीति का पालन करते हुए, प्रधानाचार्य कार्यालय समय के दौरान छात्रों के लिए सुलभ रहते हैं। इसके अतिरिक्त, एक सक्रिय सलाह प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि शिक्षक नियमित रूप से अपने शिष्यों से अकादमिक और व्यक्तिगत चिंताओं को दूर करने के लिए मिलते हैं।

## उपचारात्मक कक्षाएँ

श्याम लाल कॉलेज नियमित रूप से प्रत्येक सेमेस्टर में सभी विभागों के विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक कक्षाएँ आयोजित करता है, जिससे विद्यार्थियों को अपने-अपने पाठ्यक्रमों और पेपरों से संबंधित शंकाओं और कठिनाइयों के समाधान में काफी लाभ मिलता है।

## संस्थान की नवप्रवर्तन परिषद

संस्थान की इनोवेशन काउंसिल की स्थापना श्याम लाल कॉलेज में एमओई के इनोवेशन सेल के तहत की गई थी, जो नवंबर 2018 में शुरू की गई एक पहल है। इनोवेशन सेल, एमओई का प्राथमिक कार्य युवा छात्रों को नए विचारों के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करना, प्रेरित करना और उनका पोषण करना है। श्याम लाल कॉलेज की इनोवेशन काउंसिल छात्रों में नवाचार की भावना को विकसित करने और एक स्टार्ट-अप इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में काम करती है।

## कौशल आधारित पाठ्यक्रम

कॉलेज का कौशल विकास केंद्र जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच, चीनी, जापानी, कोरियाई (जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग और पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध) में कई मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम और सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है साथ ही बीएसई इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से स्टॉक ट्रेडिंग में सर्टिफिकेट कोर्स "स्टॉक मार्केट में महारत हासिल करना" भी प्रदान करता है। इसके अलावा कॉलेज राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (NIELIT), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग, ऑफिस ऑटोमेशन और बिग डेटा और हाडोप में सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम चलाता है। कॉलेज योग और समग्र विकास, अनुसंधान विश्लेषण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिचय और बिटकॉइन और ब्लॉकचेन तकनीक का परिचय, वर्चुअल परिचय और डिजिटल मार्केटिंग पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

## अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित

कॉलेज का सौर ऊर्जा संयंत्र पूरी क्षमता से काम कर रहा है, जो हमारी अधिकतम ऊर्जा मांग के 50% की आपूर्ति करता है। यह स्थापना IPGCL, NCT दिल्ली सरकार के साथ सहयोग का परिणाम है, जिसने सौर पैनल स्थापना की पूरी लागत को कवर किया। अपने पूर्ण संचालन के बाद से, कॉलेज ने बिजली की खपत और वित्तीय संसाधनों दोनों में बचत का अनुभव किया है। इसके अतिरिक्त, कॉलेज नियमित रूप से स्विच-ऑफ ड्राइव जैसी ऊर्जा संरक्षण पहल करता है।



## हरित आवरण

कॉलेज के चारों ओर हरे-भरे लॉन की मौजूदगी ने कॉलेज के परिदृश्य में एक सुंदर आयाम जोड़ दिया है। कॉलेज की उद्यान समिति जमीनी स्तर पर हरित पहल को लागू करने में सक्रिय रूप से शामिल है। कॉलेज की प्राकृतिक सुंदरता के संरक्षण में संकाय के साथ-साथ छात्र भी समन्वय में काम करते हैं। कॉलेज में एक हर्बल गार्डन सहित तीन अंतर्निर्मित नर्सरी हैं। समिति ने फरवरी, 2019 में डीसीपी कार्यालय दिल्ली पुलिस शाहदरा और पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहयोग से पहली बार "ईस्ट दिल्ली फ्लावर शो 2019" का भी आयोजन किया। कॉलेज ने अपना वार्षिक "ईस्ट दिल्ली फ्लावर शो- उमंग 6.0" 26 फरवरी 2024 को कॉलेज परिसर के खेल मैदान में आयोजित किया। श्याम लाल कॉलेज की उद्यान समितियों ने इको-क्लब, स्वच्छता एक्शन प्लान (एसएपी) और आईक्यूएसी के साथ मिलकर पुष्प महोत्सव-6.0 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान, कॉलेज ने कई प्रतियोगिताएँ भी आयोजित कीं, जैसे बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट,



इको-फ्रेंडली रंगोली और फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिता, ताकि छात्रों को अपनी रचनात्मकता दिखाने और पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में, छात्रों को उपयोगी उत्पाद बनाने के लिए जैविक अपशिष्ट पदार्थ का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम ने वस्तुओं के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने में मदद की। कई छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और रचनात्मक वस्तुएं बनाईं। इस कार्यक्रम में विभिन्न नर्सरियों और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने भाग लिया और अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। कॉलेज के मैदान में विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ प्रदर्शित की गईं और छात्रों, शिक्षकों और अन्य दर्शकों ने उनकी सराहना की और उनका आनंद लिया।



## अन्य हरित पहल

पर्यावरण संरक्षण कॉलेज का मुख्य उद्देश्य रहा है क्योंकि श्याम लाल कॉलेज अब अपने हरे-भरे वातावरण और फूलों के लिए जाना जाता है। कॉलेज के छात्र और संकाय सदस्य हरे-भरे वातावरण को विकसित करने और संरक्षित करने के लिए समन्वय में काम करते हैं।

- श्याम लाल कॉलेज परिसर में 5 लॉन, 2 हरे-भरे मैदान, 3 नर्सरी और 700 से अधिक पेड़ों के साथ हरा-भरा वातावरण है।
- श्याम लाल कॉलेज परिसर के बाहरी क्षेत्रों में पौधारोपण कर सक्रिय देखभाल करता है।
- कॉलेज तम्बाकू-मुक्त, धूम्रपान-मुक्त क्षेत्र है और यहां पटाखों और प्लास्टिक की थैलियों को स्पष्ट रूप से 'नहीं' कहा गया है।
- कॉलेज द्वारा आयोजित नियमित वृक्षारोपण गतिविधियों का उद्देश्य कॉलेज और उसके आसपास वायु की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता पैदा करना है।
- सभी बगीचों के कचरे का उपयोग खाद गड्ढों में खाद बनाने के लिए किया जाता है।
- कॉलेज ऊर्जा बचत पहल को बढ़ावा देता है और सभी हितधारकों को बैटरी चालित वाहनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- वायु प्रदूषण को कम करने के लिए परिसर में बगीचे के कचरे को जलाना सख्त वर्जित है।
- ई-कचरे को उचित निपटान के लिए उचित माध्यमों से गुजारा जाता है।
- सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए, कॉलेज ने परिसर में फिल्टरयुक्त वाटर कूलर लगाए हैं।
- कॉलेज ने पैदल यात्रियों के अनुकूल रास्ते विकसित किए हैं। सभी को उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- कॉलेज में नवीकरणीय ऊर्जा भी एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र है और इसका अपना संयंत्र अधिकतम मांग का 50 प्रतिशत उत्पादन करता है।
- कॉलेज ने बड़े पैमाने पर हरियाली, उद्यान और वृक्षों के विशाल संग्रह के साथ कार्बन तटस्थता के लिए प्रयास किए।
- कॉलेज ने आधिकारिक नोटिस आदि के मुद्रण में कागज के उपयोग को कम करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के साथ संवाद करने हेतु तीन एलईडी स्क्रीन स्थापित की हैं।
- कॉलेज पूरी तरह से एलईडी लाइटों के उपयोग पर स्थानांतरित हो गया है।
- परिसर में उत्पन्न ई-कचरे का प्रबंधन एक समिति के माध्यम से ई-कचरा प्रबंधन के अनुसार किया जाता है। ई-कचरे का निपटान अधिकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं को किया जाता है।
- उद्यान समिति परिसर के लिए उत्पादित खाद तथा पौधों और लताओं को सहारा देने के लिए प्राकृतिक सामग्री के उपयोग को सुनिश्चित करने का प्रयास करती है।
- कॉलेज में 75000 लीटर क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट है जो पूरी तरह चालू है। उपचारित पानी का उपयोग कॉलेज परिसर की पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा इस प्लांट से कॉलेज के बगीचों में खाद बनाई जाती है।

## जल संचयन

चूंकि संस्था जल की शून्य बर्बादी और इस बहुमूल्य जल की प्रत्येक बूंद का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए श्याम लाल कॉलेज ने वर्षा जल संचयन जैसे महत्वपूर्ण उपाय किए हैं।

## कागजों का पुनर्चक्रण

श्याम लाल कॉलेज प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील है और प्रकृति का सम्मान करने की संस्कृति को बढ़ावा देता है। श्याम लाल कॉलेज, एनजीओ जागृति के सहयोग से, बेकार कागजों को रिसाइकिल कर रहा है और बदले में उसे साल भर में कागज के कई रीम मिले हैं।

## एलईडी लाइट्स

एलईडी लाइट के इस्तेमाल से बिजली की खपत में भारी कमी आई है। सौर ऊर्जा पैनल लगाने के बाद एलईडी लाइट लगाने से कॉलेज को अपने वित्तीय संसाधनों को बचाने में मदद मिली है। इसके अलावा, श्याम लाल कॉलेज एयन को ऊर्जा की खपत और बचत के बारे में जागरूक और सतर्क करने के लिए नियमित आधार पर स्विच-ऑफ अभ्यास भी किया जाता है।



## सीवेज उपचार संयंत्र

कॉलेज में 75000 लीटर का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट है जो पूरी तरह चालू है।

## आस-पास के वंचित बच्चों के लिए अवसर

श्याम लाल कॉलेज युवा, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शीर्ष कोचिंग सुविधाएं और अवसर प्रदान करके दिल्ली के यमुना पार क्षेत्र में खेल और खेलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका लक्ष्य इन व्यक्तियों को खेल और खेलों में सीखने, प्रशिक्षण लेने और अपने कौशल को बढ़ाने के लिए एक अत्याधुनिक मंच प्रदान करना है जो अंततः राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। एक नई पहल में, कॉलेज आस-पास के स्कूलों के योग्य और प्रतिभाशाली छात्रों को मुफ्त और नियमित कोचिंग प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना और हमारे राष्ट्रीय खेलों में उपलब्ध विविध कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।



## डिजिटल प्रथाएँ

कॉलेज ने पहले ही सभी कार्यालय और छात्रों से संबंधित कार्यों में डिजिटल प्रथाओं को अपना लिया है। IQAC दुनिया भर में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के वर्चुअल व्याख्यान और वार्ता और साक्षात्कार आयोजित करने के लिए विभिन्न विभागों के साथ सहयोग करता है। कॉलेज भविष्य के संदर्भ और छात्रों के लाभ के लिए स्क्रीनकास्ट-ओ-मैटिक 2.0 सॉफ्टवेयर के माध्यम से व्याख्यान रिकॉर्ड करने के लिए संकाय को भी प्रोत्साहित करता है। प्रशासन ने छात्रों के आई-कार्ड को सिंगल साइन-ऑन (SSO) कार्ड में स्थानांतरित करके डिजिटलीकरण को एक कदम आगे बढ़ाया। इस कार्ड के कई उपयोग हैं:



- **पुस्तकालय में पुस्तकें जारी करना** — छात्र एसएसओ कार्ड की सहायता से पुस्तकें जारी कर सकते हैं और उन्हें अलग से किसी पुस्तकालय कार्ड की आवश्यकता नहीं होगी।
- **सुरक्षा** — यह छात्र चुनाव, कॉलेज उत्सव, वार्षिक समारोह आदि जैसे विशेष दिनों पर स्क्रीनिंग को आसान बनाता है ताकि परिसर में किसी भी तरह की झड़प और अप्रिय घटनाओं से बचा जा सके।
- **बिलों का भुगतान** — कॉलेज एक पे वॉलेट बनाने पर भी विचार कर रहा है जिसे छात्रों के खातों से जोड़ा जाएगा ताकि उनके कैंपस अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। प्रशासन कार्यालय समय के दौरान हर समय गैर-शिक्षण कर्मचारियों के संपर्क में रहता है। कॉलेज के सभी अधिकारी ळववहसम वर्कशीट के माध्यम से प्रधानाचार्य से जुड़े हुए हैं जहाँ नियमित कार्य संबंधित अधिकारियों को सौंपे जाते हैं और नियमित रूप से उनकी निगरानी की जाती है।
- कॉलेज ने अपनी प्रशासनिक और शैक्षणिक गतिविधियों को सुचारु बनाने के लिए उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) तंत्र शुरू किया है।
- कॉलेज के शिक्षण स्टाफ को स्टाफ रूम में एक वास्तविक समय एलईडी डिस्प्ले के साथ हमेशा अपडेट किया जाता है जिसका उपयोग समय-सारिणी और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं के प्रदर्शन के लिए किया जाता है।

## समावेशी शिक्षा और विकास

छात्रों के कल्याण के लिए समावेशी शिक्षा और विकास की प्रथा पिछले साल से जारी है। चूंकि कॉलेज का स्थान बहुत ही रणनीतिक है, इसलिए एनसीआर/उत्तर-पूर्वी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रमुख कॉलेज में अध्ययन करने का अधिकतम लाभ मिलता है। कॉलेज छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा देता है (जैसा कि कॉलेज का विजन है) और उद्योग/बाजार की व्यावसायिकता का भी ध्यान रखता है और छात्रों को बाहरी प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए तैयार करता है। उपचारात्मक कक्षाएं, विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कार्यशालाएं, प्लेसमेंट सेल और कौशल विकास सेल, सीआईआई के माध्यम से उद्योग संपर्क छात्रों को पेशेवर दुनिया का पर्याप्त अनुभव और अनुभव प्रदान करते हैं।

## छात्र मार्गदर्शन कार्यक्रम

श्याम लाल कॉलेज ने कॉलेज के आईक्यूएसी के माध्यम से सभी छात्रों के लिए एक मेंटरशिप कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस पूर्ण-स्तरीय मेंटरशिप कार्यक्रम के तहत, सभी छात्रों को कॉलेज में रहने के दौरान नामित संकाय सदस्यों को सौंपा जाता है।

## आधारभूत संरचना

कॉलेज निरंतर प्रयास करता है कि इसका बुनियादी ढाँचा गतिशील वातावरण में स्वस्थ शैक्षणिक प्रणाली की सभी विविध आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम रहे। हाल ही में शैक्षणिक वर्ष 2015-16 में, कॉलेज ने अपने मौजूदा बुनियादी ढाँचे में एक पूरी नई इमारत — पोर्टा ब्लॉक — को जोड़ा है। इस इमारत में सीसीटीवी निगरानी प्रणाली सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा है एवं एक 100 सीटर समर्पित सम्मेलन हॉल, बोर्ड रूम और शिक्षक सुविधा केंद्र है जिसमें अद्यतित आईसीटी सुविधाएं हैं। एक आधुनिक और आरामदायक वातावरण जो हमारे छात्रों को सभी क्षेत्रों — शिक्षाविदों, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों





में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है — वह है जो श्याम लाल कॉलेज लगातार प्रदान करने का प्रयास करता है। इस दिशा में, स्टाफ रूम, लाइब्रेरी, कार्यालय और कैंटीन को हाल ही में बेहतरीन वातानुकूलित स्थानों में पुनर्निर्मित किया गया है। पूरा श्याम लाल कॉलेज अब एक वाई-फाई क्षेत्र है जिसमें कॉलेज के प्रत्येक छात्र के लिए इंटरनेट का उपयोग उपलब्ध है। एक प्रमुख संस्थान के रूप में, श्याम लाल कॉलेज अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करने से संतुष्ट नहीं है, यह यह भी सुनिश्चित करता है कि यह बुनियादी ढाँचा अपने सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए पूरी तरह से सुलभ रहे, जिसमें दिव्यांग भी शामिल हैं। परिसर में नए बुनियादी ढाँचे की सूची नीचे दी गई है:

- कॉलेज ने पुराने भवन में दूसरी मंजिल के निर्माण के साथ कई नए कक्षाओं, बहुउद्देशीय हॉल और कंप्यूटर लैब के निर्माण के साथ प्रमुख बुनियादी ढाँचे का उन्नयन किया है।
- कॉलेज ने एक परिचालनात्मक एसटीपी संयंत्र पूरा कर लिया है।
- आधुनिक सुविधाओं से युक्त कवर्ड सेंट्रल स्टेज का निर्माण कार्य जोरों पर है।
- बड़े एम्फ़ीथियेटर का निर्माण कार्य चल रहा है।
- पूरे परिसर में नई एवं ताजा पेवर परतें बिछाई जा रही हैं।
- कॉलेज के सभी द्वारों को दिव्यांग विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुसार उन्नत किया जा रहा है।
- आधुनिक सुविधाओं के साथ पुस्तकालय का नवीनीकरण और विस्तार कार्य चल रहा है।
- समिति कक्ष को पोर्टा ब्लॉक में विकसित किया गया है।
- प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन के लिए कॉलेज कार्यालय में मरम्मत का कार्य किया गया है।
- स्टाफ रूम, वाश रूम और प्रधानाचार्य ऑफिस वाश रूम का पूर्णतः नवीनीकरण किया गया है।
- कॉलेज प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज स्थायी रूप से स्थापित कर दिया गया है।
- कॉलेज परिसर में हरी घास की कालीन बिछाने का काम किया गया है।



- सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडी) निधि के तहत पूरे परिसर में सीसीटीवी लगाया गया है, जिसमें बाहरी सड़क क्षेत्र को भी शामिल किया गया है।
- प्रायोगिक कक्षाओं और परीक्षाओं के बेहतर संचालन के लिए विज्ञान प्रयोगशालाओं का नवीनीकरण किया गया है। पुस्तकालय की छत पर दो स्टोर रूम बनाए गए हैं।
- आईक्यूएसी कक्ष और सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष विकसित किया गया है।
- दोनों भवनों को जोड़ने वाले खेल के मैदान से सटे स्टाफ रूम के सामने ग्रीन कॉरिडोर सहित एक मार्ग का निर्माण किया गया है।
- भवन के शीर्ष पर एलईडी फ्लड लाइट लगाई गई है, जिससे कॉलेज का नाम अच्छी तरह दिखाई देता है।
- एनजीटी के निर्देशानुसार एक जैविक अपशिष्ट खाद मशीन खरीदी गई है।
- बीएससी (ऑनर्स) छात्रों के लिए रसायन विज्ञान प्रयोगशाला विकसित की गई है।
- परिसर में सीएनजी गैस पाइपलाइन चालू हो गई है।
- कॉलेज में अब एक अत्याधुनिक और विशाल वाचनालय है जिसमें अनेक लोगों के बैठने की व्यवस्था है।
- कॉलेज की पानी की मांग को पूरा करने के लिए 50,000 लीटर की क्षमता वाला ओवरहेड वाटर टैंक पूरी तरह कार्यात्मक है।
- कॉलेज ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए दिव्यांग सुविधा केन्द्र के रूप में एक महत्वपूर्ण निर्दिष्ट सुविधा भी शुरू की है, जिसमें सभी प्रासंगिक सॉफ्टवेयरों के साथ समर्पित कम्प्यूटर सिस्टम स्थापित हैं, ताकि दिव्यांग विद्यार्थियों को सुचारु रूप से शिक्षा प्रदान करने में सुविधा हो।
- कॉलेज ने शिक्षकों में शोध योग्यता को बढ़ावा देने के लिए एक अत्याधुनिक शिक्षक सुविधा केंद्र और बोर्ड रूम का भी निर्माण किया है।
- सम्मेलन हॉल को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ नवीनीकृत किया गया है।
- पिछले वर्ष, कॉलेज ने एक हर्बल गार्डन, दो नर्सरियों सहित चार उद्यान भी विकसित किए हैं, जिससे कॉलेज भवन का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है।
- कॉलेज में एक बैंक है जिसमें एटीएम भी है।
- प्रशासन की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए कार्यालय का लेआउट भी बदला गया है।
- कॉलेज ने पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क सफलतापूर्वक स्थापित कर लिया है।
- कॉलेज में पार्किंग क्षेत्र का फर्श सहित पूर्ण नवीनीकरण किया गया है।
- पुरानी इमारत का 6 शौचालयों और 2 लिफ्टों के साथ पूर्ण नवीनीकरण किया गया है।
- कॉलेज के बुनियादी ढाँचे का आधुनिकीकरण किया गया है, जिसमें लिफ्टों और अन्य उचित संकेतों की स्थापना की गई है जो पीडब्ल्यूडी के अनुकूल हैं।
- नव सुसज्जित स्वागत कक्ष और प्रतीक्षा क्षेत्र का निर्माण किया गया है।
- कॉलेज ने अपनी मौजूदा बिल्डिंग में एक नया दूसराफ्लोर जोड़ा है जिसका उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी ने 'शताब्दी ब्लॉक' के रूप में किया। इस नए निर्माण से कॉलेज के बुनियादी ढाँचे को काफी बढ़ावा मिला है जिसमें 30 नए क्लासरूम, मल्टी-पर्पज हॉल, 2 इनोवेशन प्लाज़ा और 3 कंप्यूटर लैब शामिल हैं।

## पाठ्येतर गतिविधियां

श्याम लाल कॉलेज में जीवन कक्षा और शिक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है। कॉलेज विभिन्न सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में भाग लेने के महत्व पर जोर देता है ताकि अच्छी तरह से विकसित, आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तियों को बढ़ावा दिया जा सके। छात्रों को कॉलेज द्वारा प्रदान किए गए पूर्ण समर्थन के साथ-साथ उनकी रुचि की गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल होने से छात्र जीवन में विविधता और जीवंतता आती है, जिससे उन्हें अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने, मान्यता प्राप्त करने और कॉलेज के भीतर और बाहर दोनों जगह पुरस्कार जीतने में मदद मिलती है।

इन गतिविधियों में छात्रों की उत्कृष्टता के लिए श्याम लाल कॉलेज का समर्थन दो मुख्य क्षेत्रों को शामिल करता है। सबसे पहले, संकाय सदस्यों को अपने शिक्षण कर्तव्यों के अलावा, कम से कम एक ऐसी गतिविधि में छात्रों का मार्गदर्शन करना आवश्यक है जिसमें उनकी विशेषज्ञता हो। दूसरा, कॉलेज नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों, विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए नवीनतम विचारों, रुझानों और मार्गदर्शन को साझा करने के लिए आमंत्रित करता है। यह कॉलेज के भीतर विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक संघों और समाजों द्वारा सुगम बनाया जाता है।

### छात्र संघ

श्याम लाल कॉलेज के छात्र छात्र संघ के माध्यम से अपने कल्याण से संबंधित मामलों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जो सभी नामांकित छात्रों से मिलकर बना एक निकाय है। यह संघ स्वस्थ भागीदारी और लोकतांत्रिक प्रथाओं को बढ़ावा देता है, जिससे छात्रों को अपनी ज़रूरतों और मांगों को आवाज़ देने का मौका मिलता है। हर साल, छात्र इस निकाय का हिस्सा बनने के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। यह छात्र संघ सलाहकार समिति के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत काम करता है और वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन करता है, जिसमें नृत्य, संगीत और फैशन शो जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। छात्र संघ के अध्यक्ष पद के लिए पात्र होने के लिए, एक छात्र को श्याम लाल कॉलेज का अंतिम वर्ष का वास्तविक छात्र होना चाहिए।

### राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

श्याम लाल कॉलेज के छात्रों से संवेदनशील और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक होने की उम्मीद की जाती है। कॉलेज एनसीसी और एनएसएस के माध्यम से इन मूल्यों का अभ्यास करने के कई अवसर प्रदान करता है। श्याम लाल कॉलेज (एम) की एनसीसी इकाई श्याम लाल कॉलेज (शाम) की एनसीसी इकाई के अधीन काम करती है। एनसीसी अपने कैडेटों में अनुशासन और कड़ी मेहनत के मूल्यों को स्थापित करती है, उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान साथी नागरिकों की रक्षा करने के लिए प्रशिक्षित करती है, जैसे समुदाय या राष्ट्र के लिए सुरक्षा खतरे। श्याम लाल कॉलेज की एनसीसी लड़कियों ने आत्मरक्षा शिविर, योग शिविर, वृक्षारोपण अभियान और यमुना बचाओ अभियान का आयोजन और उनमें भाग लिया है। दिल्ली पुलिस ने निर्भीक आंदोलन में कॉलेज की एनसीसी इकाई का समर्थन किया। एनसीसी इकाई में नामांकित छात्रों को कठोर शारीरिक व्यायाम और ड्रिल और परेड में भागीदारी के माध्यम से राइफल शूटिंग, गोला बारूद का उपयोग, बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा, पर्वतारोहण और ट्रेकिंग में निर्देश प्राप्त होते हैं।

### राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

“मैं नहीं बल्कि आप” के आदर्श वाक्य के साथ, श्याम लाल कॉलेज की एनएसएस इकाई युवाओं को विभिन्न सामुदायिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करती है। सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित, एनएसएस इकाई नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर,





स्वच्छता अभियान, पर्यावरण पहल और जागरूकता अभियान जैसे सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करती है। एनएसएस प्रतिभागियों में सामाजिक चेतना, सहानुभूति और नेतृत्व कौशल की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जिससे उन्हें सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस शैक्षणिक सत्र में, एनएसएस ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें “हर घर तिरंगा रैली”, “यमुना घाट स्वच्छता अभियान”, “मतदाता जागरूकता के लिए सेल्फी फ्रेम”, “शीतकालीन दान अभियान”, “योग शिविर” और कई अन्य शामिल थे।

## खेल

खेल और फिटनेस गतिविधियाँ SLC के अभिन्न अंग हैं। कॉलेज का शारीरिक शिक्षा विभाग हॉकी, कबड्डी, बेसबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, खो-खो, शतरंज, कैरम, योग, जूडो और एथलेटिक्स सहित कई तरह के खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करता है। स्वास्थ्य और जीवनशैली को बेहतर बनाने के साथ-साथ टीम सामंजस्य और खेल भावना को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है। खेल स्वस्थ, तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए एक शौक के रूप में और अनुशासित और समर्पित छात्रों के लिए एक संभावित कैरियर के रूप में काम करते हैं। कॉलेज को ऐसे एथलीट तैयार करने पर गर्व है जो विश्वविद्यालय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। SLC में समृद्ध विशेषज्ञता, सक्षम बुनियादी ढाँचा और कुशल सहायक कर्मचारी हैं, साथ ही विभिन्न खेलों के लिए बाहरी कोच और विशेषज्ञ भी हैं। कॉलेज का खेल मैदान, विश्वविद्यालय के सबसे बड़े, सबसे हरे-भरे और सबसे अच्छे से बनाए गए खेल मैदानों में से एक है, जो विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के लिए सभी छात्रों के लिए सुलभ है। पिछले कुछ वर्षों में, छात्रों, विशेष रूप से खेल कोटे के तहत भर्ती हुए छात्रों ने अपने-अपने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कॉलेज के खेल कैलेंडर का एक मुख्य आकर्षण इंटर-वर्सिटी आमंत्रण हॉकी टूर्नामेंट है, जो इसके संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री स्वर्गीय श्री लाला श्याम लाल गुप्ता की स्मृति में आयोजित किया जाता है। यह टूर्नामेंट एक महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों की टीमें भाग लेने के लिए आमंत्रित की जाती हैं।





## शैक्षणिक सोसायटी

श्याम लाल कॉलेज में बारह विभाग शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक को संकाय द्वारा पढ़ाए जाने वाले शैक्षणिक विषयों के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इन विभागों में वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, वाणिज्य, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, गणित, शारीरिक शिक्षा, भौतिकी और राजनीति विज्ञान शामिल हैं। प्रत्येक विभाग का अपना अकादमिक संघ होता है। जो विषय-विशिष्ट संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और वार्ताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अंतर-विभागीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है उदाहरण के लिए, अर्थशास्त्र संघ अर्थशास्त्र से संबंधित विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित कर सकता है जबकि वाणिज्य संघ विपणन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त पर वार्ता और संगोष्ठियों की व्यवस्था कर सकता है। साहित्यिक गतिविधियों का प्रबंधन अंग्रेजी संघ या हिंदी संघ द्वारा किया जाता है।

## सांस्कृतिक समाज

सांस्कृतिक समाज कॉलेज की सांस्कृतिक समितियाँ असाधारण रूप से सक्रिय हैं। छात्रों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करने के इरादे से, कॉलेज की सांस्कृतिक समितियाँ नियमित रूप से विभिन्न सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों का आयोजन करती हैं। इसके बैनर तले निम्नलिखित समितियाँ सह-कार्य करती हैं।

### डांस सोसायटी

आरोध्या के नाम से जानी जाने वाली डांस सोसाइटी दो डिवीजनों में विभाजित है, इंडियन डांस सोसाइटी और वेस्टर्न डांस सोसाइटी। यह सोसाइटी अपने सदस्यों को विभिन्न नृत्य शैलियों का पता लगाने, अपने कौशल को निखारने और विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने में सक्षम बनाती है। आरोध्या का प्राथमिक उद्देश्य नृत्य के प्रति प्रेम को बढ़ावा देना, कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और भावुक नर्तकों का एक जीवंत समुदाय बनाना है।





## संगीत सोसायटी

श्याम लाल कॉलेज की संगीत सोसायटी में प्रतीक चिन्ह शामिल (श्याम लाल कॉलेज म्यूजिक बैंड) और स्वरागम (म्यूजिक सोसाइटी) संगीत प्रतिभा को पोषित करती है और छात्रों में संगीत के प्रति जुनून पैदा करती है। रचनात्मक परियोजनाओं पर सहयोग करते



हुए, सोसाइटी विभिन्न वाद्ययंत्रों (पश्चिमी और शास्त्रीय दोनों) का उपयोग करके विभिन्न शैलियों और विधाओं के साथ विभिन्न रूपों में संगीत का प्रसार करती है। इसका उद्देश्य नवाचार के साथ आत्म-अभिव्यक्ति और कलात्मक विकास के लिए एक समावेशी और सहायक वातावरण बनाना है जिससे सदस्यों को अपने संगीत ज्ञान को बढ़ाने, प्रदर्शन कौशल में सुधार करने और साथी उत्साही लोगों के साथ स्थायी दोस्ती बनाने की अनुमति मिलती है।

## थिएटर सोसायटी

झरोखा (नाट्यशास्त्र सोसायटी) और आक्रोश (स्ट्रीट प्ले सोसाइटी) महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, निर्देशकों और नाटककारों को कार्यशालाओं, रिहर्सल और प्रदर्शनों के माध्यम से अपने कौशल को विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सोसाइटी थिएटर और उसके कला रूपों की विरासत को आगे बढ़ाने में



विश्वास करती है ताकि ऐसा माहौल बनाया जा सके जहाँ मंच केवल मनोरंजन का स्रोत न हो बल्कि एक ऐसा प्रदर्शन हो जो अपने दर्शकों पर गहरा प्रभाव डाले। सोसाइटी क्लासिक नाटकों से लेकर समकालीन कार्यों (जैसे मतदान का महत्व, नशा मुक्ति, लिंग भेदभाव, आदि) तक विभिन्न प्रस्तुतियों का मंचन करती है और अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं और उत्सवों में भाग लेती है।



## शीर्षस्थ: वाद-विवाद समाज

श्याम लाल कॉलेज की डिबेटिंग सोसाइटी सभी क्षेत्रों में चर्चा और बहस को प्रोत्साहित करने के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और संवादात्मक स्थान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि हमारे सभी सदस्यों के संज्ञानात्मक और समग्र विकास को सुगम बनाया जा सके और उन्हें परिष्कृत वक्ता और विचारक के रूप में ढाला जा सके। अपने अस्तित्व के 8 वर्षों में, शीर्षस्थ ने कई पहलुओं में काफी वृद्धि और विस्तार किया है और एक बहुत ही घनिष्ठ समुदाय के रूप में विकसित हुआ है जिसमें प्रत्येक बैच अपने तरीके से समाज के विकास में कुछ अलग योगदान देता है। इसके अलावा, हमारे पास श्याम लाल यूथ पार्लियामेंट और ऑरेटर बाउट के संस्करण का आयोजन करने की विरासत है जो एक बहु-स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता है जिसमें पारंपरिक और साथ ही टर्नकोट भी शामिल हैं।





## ललित कला, फोटोग्राफी और मूर्तिकला समिति

श्याम लाल कॉलेज में ललित कला, फोटोग्राफी और मूर्तिकला समिति प्रतिभा और कलात्मक उत्कृष्टता का केंद्र है। हमारे छात्र ललित कला और फोटोग्राफी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करते हैं। FPCS नियमित रूप से प्रसिद्ध कलाकारों के साथ प्रदर्शनियों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इस वर्ष, हमने ललित कला अकादमी के साथ रंगरीत 23 – पूर्वी दिल्ली कला मेले की मेजबानी की, जिसमें विविध कलाकार शामिल हुए।



हमारे परिसर में हमारे सदस्यों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक दीवार कला की विशेषता है। हाल ही में एक पूर्व छात्र ने शिक्षा मंत्री को एक चित्र भेंट किया। जो हमारे समाज की प्रतिभा और कला के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

## श्याम लाल कॉलेज पूर्व छात्र

कॉलेज का पंजीकृत पूर्व छात्र संघ अत्यधिक सक्रिय है। कॉलेज को अपने स्नातकों पर गर्व है जिन्होंने सार्वजनिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इस संस्थान के स्नातकों ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूर्व छात्र वर्तमान बैचों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखते हैं और अक्सर अपने ज्ञानवर्धक विचार साझा करते हैं। ज्ञान और अनुभव। कॉलेज के लिए अपने निरंतर समर्थन के हिस्से के रूप में, पूर्व छात्र अक्सर छात्रों को अपने व्यवसायों का दौरा करने के लिए आमंत्रित करते हैं और रोजगार के कई विकल्प प्रदान करते हैं। अंतिम पूर्व छात्र मिलन समारोह जून 2024 में आयोजित किया गया था। यह सभी प्रतिभागियों के लिए उत्साह से भरा दिन था। हमारे उत्तीर्ण छात्रों के लिए खेल, एकल प्रदर्शन, भाषण और कविता सत्र जैसी कई मजेदार गतिविधियाँ आयोजित की गईं। हमारे सेवानिवृत्त शिक्षकों ने भी अपने विचार साझा किए और सभी के साथ मनोरंजक बातचीत की। पूर्व छात्रों को कैम्पस टूर के लिए ले जाया गया जिसने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। यह कार्यक्रम उत्तेजक, आनंददायक और साथ ही लाभदायक था क्योंकि सभी सदस्यों ने अपने विचार साझा किए और अच्छी संख्या में नए विचार, जानकारी और अंतर्दृष्टि सामने आईं। समारोह का आयोजन एक भव्य भोजन के साथ किया गया था। इसमें 148 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।





## कॉलेज प्रशासन



प्रो रबी नारायण कर  
प्राचार्य



श्री वीएस जग्गी  
सचिव, स्टाफ काउन्सिल



प्रो कुशा तिवारी  
निदेशक, आईक्यूएसी



डॉ आशु गुप्ता  
बर्सर



श्री मनोज कुमार  
अनुभाग अधिकारी



श्री अतुल जैन  
प्रशासनिक अधिकारी



श्री तरुण शंकर  
प्रिंसिपल के सीनियर पीए

# पुरस्कार

## सम्मान सूची

कॉलेज ने प्रत्येक स्ट्रीम के असाधारण मेधावी विद्यार्थियों के लिए रोल ऑफ ऑनर पुरस्कार की स्थापना की है जिन्होंने अपनी सर्वांगीण क्षमताओं का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है।

## विश्व बंधुत्व छात्रवृत्ति

विश्व ब्रदरहुड संगठन हर साल योग्य छात्रों को शैक्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

## डॉ. राम कुमार स्मृति पुरस्कार

इस महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य स्वर्गीय डॉ. राम कुमार अग्रवाल की पत्नी श्रीमती उर्मिला अग्रवाल ने अपने पति की स्मृति में इस पुरस्कार की स्थापना की है। बीएससी तृतीय वर्ष के गणित विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 500 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

## डॉ. ओपी सिंह मेरिट पुरस्कार

इतिहास विभाग के सेवानिवृत्त सहकर्मী डॉ. ओपी सिंह ने इतिहास (ऑनर्स) प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष के टॉपर्स को प्रतिवर्ष दिए जाने वाले 250—250 रुपये के तीन पुरस्कार स्थापित किए हैं।

## कंचन नागपाल मेमोरियल ट्राफियां और पुरस्कार

इस कॉलेज की पूर्व छात्रा स्वर्गीय सुश्री कंचन नागपाल के पिता श्री पी.एन. नागपाल ने अपनी बेटी की स्मृति में दो ट्रॉफी और 250—250 रुपये के दो पुरस्कार स्थापित किए हैं, जो बी.ए. पार्ट-1 और बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी पार्ट-1 परीक्षा में टॉप करने वाले छात्र को दिए जाएंगे।

## श्री सुंदर लाल रोहतगी एवं श्रीमती रूपवती रोहतगी मेमोरियल पुरस्कार

एसआर चैरिटेबल ट्रस्ट (पंजीकृत) दिल्ली के अध्यक्ष और श्याम लाल कॉलेज गवर्निंग बॉडी के कोषाध्यक्ष स्वर्गीय श्री बीबी रोहतगी ने अपने माता-पिता की स्मृति में बीए (प्रोग.), बीकॉम. (पी), बीकॉम. (ऑनर्स) और बीएससी के अंतिम वर्ष के टॉपर्स को प्रतिवर्ष 250 /— रुपये के पांच पुरस्कार दिए जाने की शुरुआत की थी।

## श्री जगदीश प्रसाद जैन स्मृति पुरस्कार

बी.कॉम (ऑनर्स) पार्ट-III में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 250 /— रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

## वीके पुरी पुरस्कार

अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वी.के. पुरी ने बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष के टॉपर्स के लिए क्रमशः 3,000 /— रुपये, 4,000 /— रुपये और 5,000 /— रुपये के तीन पुरस्कार स्थापित किए हैं।

## डॉ. मधु गर्ग पुरस्कार

वाणिज्य विभाग की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मधु गर्ग ने बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.कॉम (पी) के अंतिम वर्ष के टॉपर्स के लिए 5,000 रुपये प्रति छात्र की छात्रवृत्ति की व्यवस्था की है।

## श्रीमती प्रेम लता शर्मा स्मृति पुरस्कार

श्रीमती प्रेम लता शर्मा की स्मृति में बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की छात्रा के लिए परीक्षा में कुल अंकों का सर्वोच्च प्रतिशत प्राप्त करने पर 2,500 /— रुपये का नकद पुरस्कार स्थापित किया गया है।

## श्री वशिष्ठ कुमार शर्मा स्मृति पुरस्कार

श्री वशिष्ठ कुमार शर्मा की स्मृति में बी.कॉम. तृतीय वर्ष के एक छात्र को परीक्षा में कुल मिलाकर सर्वोच्च प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 2,500 /— रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।



# शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए वैधानिक समितियां

## आंतरिक शिकायत समिति

कॉलेज ने विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या 14/2013 के अनुसार कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (2013 का 14) की धारा 4(1) के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया है। 072/2013/सीबी-II/50 दिनांक 29-01-2014, इस समिति के सदस्य निम्नलिखित हैं :

1. प्रो. कुशा तिवारी, पीठासीन अधिकारी
2. डॉ. आशु गुप्ता, सदस्य
3. डॉ. शिवाली खरबंदा, सदस्य
4. डॉ. मस्त राम, सदस्य
5. श्री अतुल कुमार जैन, सदस्य
6. छात्र सदस्यों का मनोनयन किया जाएगा

समिति द्वारा सभी शिकायतों का निपटारा अधिनियम, 2013 की धारा 4(1) के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। यदि कोई शिकायत हो तो उसे तुरंत समिति के पीठासीन अधिकारी या प्रधानाचार्य को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

## यूजीसी छात्र शिकायत निवारण समिति (यौन उत्पीड़न की रोकथाम)

- |                           |   |                                 |
|---------------------------|---|---------------------------------|
| 1. प्रो. नीना शिरीष       | : | प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग |
| 2. प्रो. रुचिका रामकृष्णन | : | प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग         |
| 3. डॉ. प्रभात शर्मा       | : | एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग   |
| 4. श्री अतुल कुमार जैन    | : | प्रशासनिक अधिकारी               |
| 5. सुश्री वीना तिवारी     | : | लेखा विभाग                      |

## नोडल अधिकारी: प्रवेश

1. श्री पंकज कुमार चौधरी, नोडल अधिकारी

### प्रवेश सहायता डेस्क समिति

1. श्री परवीन कुमार, संयोजक
2. डॉ. अनुराग मौर्य, सदस्य
3. सुश्री रश्मिता साहू, सदस्य
4. डॉ. राकेश पंत, सदस्य
5. डॉ. निधि जैन, सदस्य

### प्रवेश शिकायत निवारण समिति

1. श्री बलराम किंद्रा, संयोजक
2. डॉ. दीक्षा खेरा, सदस्य
3. सुश्री गुंजन खंडेलवाल, सदस्य
4. डॉ. दीपक कुमार शुक्ला, सदस्य
5. डॉ. रोहित जाहरी, सदस्य
6. श्री सुमित कुमार भाटी, सदस्य
7. सुश्री श्रद्धा अग्रवाल, सदस्य

### प्रवेश शिकायत निवारण (आरक्षित श्रेणियां) समिति

1. श्री मनीष कुमार, संयोजक
2. श्री रविन्द्र कुमार, सदस्य
3. सुश्री पद्मा देचन, सदस्य
4. सुश्री राधिका कुंडलिया, सदस्य
5. सुश्री प्रिया खन्ना, सदस्य

### ईडब्ल्यूएस प्रवेश समिति

1. प्रो. रुचिका रामकृष्णन, संपर्क अधिकारी, संयोजक
2. डॉ. अमित परिहार, सदस्य
3. डॉ. दीक्षा खेरा, सदस्य

### ओबीसी प्रवेश समिति

1. डॉ. रोहन मंडल, संपर्क अधिकारी, संयोजक
2. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, सदस्य
3. सुश्री प्रियंका यादव, सदस्य



### एससी / एसटी प्रवेश समिति

1. डॉ. मस्त राम, संपर्क अधिकारी, संयोजक
2. सुश्री राधिका कुंडलिया, सदस्य
3. सुश्री प्रिया खन्ना, सदस्य

### केंद्रीय प्रवेश समिति 2024-25

1. प्रधानाचार्य, अध्यक्ष
2. सचिव, कर्मचारी परिषद (संयोजक)
3. सभी टीआईसी
4. प्रवेश जांच समिति के सभी सदस्य
5. निदेशक, आईक्यूएसी
6. संयोजक, खेल प्रवेश समिति
7. संयोजक, ईसीए
8. संपर्क अधिकारी, एससी / एसटी
9. संपर्क अधिकारी, ओबीसी
10. संपर्क अधिकारी, ईडब्ल्यूएस
11. सक्षम समिति के संयोजक, नोडल अधिकारी, छूट

### एसएपी समितियां

- |                             |   |                     |
|-----------------------------|---|---------------------|
| 1. स्वच्छता एवं स्वास्थ्य   | — | डॉ. अनुराग मौर्य    |
| 2. अपशिष्ट प्रबंधन          | — | डॉ. अंकित मित्तल    |
| 3. जल प्रबंधन               | — | डॉ. युक्ति मोंगा    |
| 4. ऊर्जा प्रबंधन            | — | डॉ. प्रदीप कुमार    |
| 5. हरियाली                  | — | डॉ. अमनप्रीत कौर    |
| 6. प्रशासनिक अधिकारी        | — | श्री अतुल कुमार जैन |
| 7. अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) | — | श्री मनोज कुमार     |
| 8. कार्यालय परिचारक         | — | श्री आनंद सिंह      |

# कर्मचारी परिषद समितियां (2024-25)

## शुल्क रियायत समिति

### व्यापार

1. डॉ. मुक्ता रोहतगी (संयोजक)
2. डॉ. जसवीर
3. श्री मनीष कुमार
4. डॉ. त्रिवेणी
5. डॉ. रोमासा शुक्ला
6. सुश्री रीना यादव
7. डॉ. अनुराग मौर्य
8. सुश्री श्रद्धा अग्रवाल
9. डॉ. गुरमीत सिंह
10. सुश्री पूनम
11. डॉ. मनीषा
12. सुश्री प्रिया खन्ना
13. डॉ. हिमांशी कालरा
14. डॉ. नेहा बोथरा

### आर्ट्स एक

1. प्रो. नीना शिरीष (संयोजक)
2. डॉ. अमिताभ कुमार
3. डॉ. रोहन मंडल
4. डॉ. सत्य प्रिय पांडे
5. डॉ. भारत भूषण
6. श्री सनोज कुमार
7. सुश्री मनीला कोहली
8. सुश्री अशानी धर
9. सुश्री प्रियम्बदा गुप्ता
10. डॉ. श्रद्धानंद राय
11. सुश्री किरण यादव
12. डॉ. रेखा कौशिक
13. डॉ. श्रीनिवास मिश्रा
14. सुश्री नंदिता पाल

### विज्ञान

1. प्रो. आशु गुप्ता (संयोजक)
2. डॉ. रीता शर्मा
3. श्री बलराम किंद्रा
4. डॉ. कोमिला सूरी

5. डॉ. स्वाति यादव
6. डॉ. सौभाग्यलक्ष्मी सिंह
7. डॉ. पद्मा देवेन
8. डॉ. विनोद कुमार
9. डॉ. रजनी अरोड़ा
10. डॉ. राहुल बोध
11. डॉ. युक्ति मोंगा
12. डॉ. कनिका सोलंकी
13. श्री सुमित कुमार भाटी
14. डॉ. मोनिका गंभीर

## गर्ल्स कॉमन रूम (जीसीआर) समिति

1. डॉ. जया कक्कड़ (संयोजक)
2. प्रो. कुशा तिवारी
3. प्रो. नीना शिरीष
4. डॉ. सुजाता तेवतिया
5. डॉ. राकेश कुमार मीना
6. डॉ. सीमा गुगलानी
7. डॉ. प्रेम लता मीना
8. सुश्री बिसला देवी
9. डॉ. स्वाति यादव
10. डॉ. ऋचा त्यागी
11. डॉ. कविता यादव
12. सुश्री गुंजन खंडेलवाल
13. डॉ. लीना सिंह
14. सुश्री राधिका कुंडलिया

## कैंटीन समिति

1. डॉ. राकेश कुमार मीना (संयोजक)
2. डॉ. मुक्ता रोहतगी
3. डॉ. मस्त राम
4. डॉ. सत्य प्रिय पांडे
5. डॉ. संजय कुमार
6. सुश्री सुमिता शर्मा
7. श्री संजीव कुमार
8. डॉ. रमेश कुमार बर्नवाल
9. डॉ. दीक्षा खेरा
10. श्री संदीप कुमार



11. डॉ. मेघा जैन
12. डॉ. सुधीर कुमार यादव
13. डॉ. हनुमत लाल मीना
14. श्री दीपांक

### उद्यान समिति

1. डॉ. सुनैना जुत्शी (संयोजक)
2. प्रो. अर्कजा गोस्वामी
3. डॉ. अनंत उपाध्याय
4. डॉ. ओमपाल सिंह यादव
5. डॉ. दीपक कुमार
6. डॉ. सीमा गुगलानी
7. डॉ. नीलम डबास
8. श्री संदीप कुमार
9. डॉ. सुधीर कुमार यादव
10. डॉ. पूजा गुप्ता
11. सुश्री कविता मीना
12. डॉ. अमनप्रीत कौर
13. डॉ. जितेन्द्र कुमार
14. सुश्री किरण यादव

### सम्मेलन भत्ता एवं छात्र निधि आवंटन समिति

1. डॉ. प्रियंका ठाकुर (संयोजक)
2. डॉ. सुबोध कुमार
3. डॉ. प्रभात शर्मा
4. सुश्री एनी थॉमस रोजर
5. प्रो. रुचिका रामकृष्णन
6. डॉ. नीति अग्रवाल
7. डॉ. राजेश्वरी
8. डॉ. अनीता सिकंदर
9. डॉ. नेहा बोथरा
10. डॉ. राघवेंद्र एम
11. सुश्री स्वाति
12. डॉ. अनुज कुमार शर्मा
13. डॉ. पवन खरवार
14. सुश्री नवनीता डेका

### परीक्षा समिति

1. डॉ. नीति अग्रवाल (संयोजक)
2. प्रो. रुचिका रामकृष्णन

3. डॉ. समरेन्द्र कुमार
4. डॉ. विनोद कुमार
5. प्रो. अर्कजा गोस्वामी
6. डॉ. जसवीर
7. डॉ. मस्त राम
8. डॉ. रोहन मंडल
9. डॉ. सुप्रीति मिश्रा
10. डॉ. निशांत कुमार
11. डॉ. वीके बाजपेयी
12. डॉ. जितेन्द्र कुमार मीना
13. डॉ. हनुमत लाल मीना
14. डॉ. रोहित जाहरी

### खेल समिति

1. श्री वीरेंद्र सिंह जग्गी (संयोजक)
2. प्रो. प्रवीण कुमार
3. प्रो. विजय कुमार शर्मा
4. डॉ. जया कक्कड़
5. श्री सनोज कुमार
6. डॉ. रविन्द्र कुमार
7. डॉ. राज कुमार प्रसाद
8. डॉ. सुप्रीति मिश्रा
9. डॉ. पवन अदेवा
10. डॉ. दीप्ति शर्मा
11. डॉ. जितेन्द्र कुमार मीना
12. श्री मनीष कुमार
13. सुश्री सुमन रानी
14. श्री सुमित कुमार भाटी

### स्थापना एवं विकास समिति

1. डॉ. प्रभात शर्मा (संयोजक)
2. डॉ. रविन्द्र कुमार
3. डॉ. मोनिका गोयल
4. डॉ. वीके बाजपेयी
5. श्री वीरेंद्र सिंह जग्गी
6. डॉ. संजय कुमार
7. डॉ. अमनप्रीत कौर
8. सुश्री पूनम
9. सुश्री सुमन रानी
10. सुश्री सोनिया मुडेल
11. श्री मनीष कुमार

12. डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद
13. डॉ. अवनीश मिश्रा
14. सुश्री नवनीता डेका

### कंप्यूटर समिति / आईटी समिति

1. श्री बलराम किंद्रा (संयोजक)
2. डॉ. दीप्ति शर्मा
3. श्री पंकज चौधरी
4. डॉ. निशांत कुमार
5. डॉ. प्रणव दास
6. डॉ. राधिका गुप्ता
7. सुश्री अदिति पुरी
8. डॉ. लीना सिंह
9. श्री राकेश पंत
10. श्री अमित कपूर
11. श्री परवीन कुमार
12. डॉ. विनोद कुमार
13. श्री दीपांक
14. डॉ. अजय शंकर बंगवाल

### कार्यभार समिति

1. प्रो. कविता अरोड़ा (संयोजक)
2. प्रो. अर्कजा गोस्वामी
3. डॉ. सुशील कुमार
4. डॉ. सुप्रीति मिश्रा
5. डॉ. अब्बासुद्दीन तपादर
6. डॉ. सत्य प्रिय पांडे
7. श्री निशांत कुमार सिंह
8. डॉ. अनुज कुमार शर्मा
9. श्री रविन्द्र कुमार
10. डॉ. निरंजन चिचुआन
11. डॉ. सुनैना जुत्शी
12. श्री वी.एस. जग्गी

### पत्रिका समिति

1. डॉ. अब्बासुद्दीन तापदार (संयोजक)
2. डॉ. सुजाता
3. डॉ. भारत भूषण
4. सुश्री ज्योति अत्री
5. डॉ. नंद किशोर
6. डॉ. अनीता सिकंदर

7. सुश्री ज्योति शर्मा
8. सुश्री राधा भोला
9. सुश्री पलक कक्कड़
10. डॉ. मेघा जैन
11. श्री परवीन कुमार
12. डॉ. सौभाग्यलक्ष्मी सिंह
13. डॉ. लक्ष्मी विश्नोई
14. डॉ. नर्तम वी. मोतीराम

### समय सारणी समिति

#### विज्ञान

1. डॉ. मोनिका गोयल (संयोजक)
2. डॉ. अनुज कुमार शर्मा
3. डॉ. वीरेंद्र
4. प्रो. अर्कजा गोस्वामी
5. डॉ. कनिका सोलंकी
6. डॉ. सुनैना जुत्शी
7. डॉ. पूजा गुप्ता
8. श्री रविन्द्र कुमार
9. डॉ. सुशील कुमार
10. डॉ. नीलम डबास

#### आर्ट्स एक

1. डॉ. शिवाली खरबंदा (संयोजक)
2. डॉ. अब्बासुद्दीन तपादर
3. डॉ. निरंजन चिचुआन
4. डॉ. श्रीनिवास मिश्रा
5. श्री निशांत कुमार सिंह
6. डॉ. स्वाति राठी
7. डॉ. सुप्रीति मिश्रा
8. डॉ. जितेन्द्र कुमार
9. डॉ. सत्य प्रिय पांडे
10. डॉ. सुमन
11. श्री आकाश कुमार सोनी
12. श्री वी.एस. जग्गी

#### व्यापार

1. प्रो. कविता अरोड़ा (संयोजक)
2. सुश्री ज्योति शर्मा
3. सुश्री श्वेता
4. सुश्री राधा भोला
5. डॉ. अनंत उपाध्याय



6. सुश्री श्रद्धा अग्रवाल
7. श्री योगेश

### नृत्य समिति

1. डॉ. शिवाली खरबंदा (संयोजक)
2. डॉ. सीमा डबास
3. डॉ. रीता शर्मा
4. सुश्री मनीला कोहली
5. सुश्री सुमिता शर्मा
6. श्री अमित कपूर
7. डॉ. मोनिका गंभीर
8. सुश्री बिसला देवी
9. डॉ. अनीता
10. डॉ. दीपिका कुमारी
11. डॉ. कनिका सोलंकी
12. सुश्री स्वाति राठी
13. डॉ. उपेन्द्र कुमार
14. डॉ. प्रेम लता मीना

### संगीत समिति

1. डॉ. अब्बासुद्दीन तापदार (संयोजक)
2. प्रो. प्रवीण कुमार
3. डॉ. किंशुक मजूमदार
4. श्री पंकज चौधरी
5. डॉ. प्रणव दास
6. डॉ. सुबोध कुमार
7. डॉ. पद्मा देचेन
8. डॉ. दीपक कुमार शुक्ला
9. डॉ. उपेन्द्र कुमार
10. श्री मन राज मीना
11. डॉ. अनीता
12. श्री मुकेश कुमार

### रंगमंच समिति

1. डॉ. सुप्रीति मिश्रा (संयोजक)
2. डॉ. गायत्री चतुर्वेदी
3. डॉ. सीता राम कुंभार
4. डॉ. कविता यादव
5. डॉ. युक्ति मोंगा
6. डॉ. अमित कुमार
7. डॉ. अजय शंकर बंगवाल

8. श्री मन राज मीना
9. डॉ. अनीता
10. श्री मनीष कुमार
11. डॉ. निधि मिश्रा
12. सुश्री रीना यादव
13. सुश्री स्वाति

### ललित कला एवं मूर्तिकला समिति (गैर-निष्पादित)

1. डॉ. राज कुमार प्रसाद (संयोजक)
2. डॉ. किंशुक मजूमदार
3. सुश्री ज्योति अत्री
4. डॉ. गायत्री चतुर्वेदी
5. सुश्री प्रिया खन्ना
6. सुश्री गुंजन खंडेलवाल
7. डॉ. रजनी अरोड़ा
8. डॉ. दीपिका कुमारी
9. सुश्री राधिका कुंडलिया
10. डॉ. रेखा कौशिक
11. डॉ. अवनीश मिश्रा
12. डॉ. रमेश कुमार बर्नवाल
13. सुश्री नंदिता पाल

### वाद-विवाद समिति

1. डॉ. अमित कुमार (संयोजक)
2. श्री संजीव कुमार
3. सुश्री पलक कक्कड़
4. डॉ. त्रिवेणी
5. सुश्री अशानी धर
6. डॉ. दीक्षा खेरा
7. डॉ. कौशिकी शुक्ला
8. डॉ. श्रद्धानंद राय
9. डॉ. सनी अग्रवाल
10. डॉ. पवन खरवार
11. डॉ. दीपक कुमार
12. श्री राजू राम मीना
13. सुश्री रश्मिता साहू
14. श्री सुमित कुमार

### प्रॉक्टोरियल बोर्ड

1. डॉ. श्याम सुंदर प्रसाद (संयोजक)
2. डॉ. सीता राम कुंभार

3. डॉ. सीमा डबास
4. डॉ. अनुज कुमार शर्मा
5. डॉ. राघवेंद्र एम
6. डॉ. ऋचा त्यागी
7. डॉ. नीलम डबास
8. डॉ. ओमपाल सिंह यादव
9. डॉ. राहुल बोध
10. डॉ. सुशील कुमार
11. डॉ. रोहित जाहरी
12. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा
13. श्री राजू राम मीना
14. डॉ. दीपक कुमार शुक्ला

### शैक्षणिक मामले और निगरानी समिति

1. प्रो. विजय कुमार शर्मा (संयोजक)
2. सुश्री एनी थॉमस रोजर
3. प्रो. आशु गुप्ता
4. डॉ. अमिताभ कुमार
5. डॉ. प्रियंका ठाकुर
6. डॉ. राजेश्वरी
7. डॉ. नंद किशोर
8. डॉ. निधि जैन
9. डॉ. सुशील कुमार
10. डॉ. मनीषा
11. सुश्री अदिति पुरी
12. डॉ. वीरेंद्र
13. डॉ. सुमन
14. डॉ. निधि मिश्रा

### छात्र संघ सलाहकार समिति

1. डॉ. विनोद कुमार (संयोजक)
2. डॉ. पवन अदेवा
3. डॉ. समरेन्द्र कुमार
4. श्री योगेश
5. श्री राकेश पंत
6. डॉ. अंकित मित्तल
7. डॉ. रोमसा शुक्ला
8. डॉ. गुरमीत सिंह
9. श्री मुकेश कुमार
10. श्री आकाश कुमार सोनी
11. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा

12. श्री रविन्द्र कुमार
13. सुश्री रश्मिता साहू
14. श्री सुमित कुमार

### वेबसाइट समिति

1. सुश्री प्रियंका यादव (संयोजक)
2. डॉ. वरुण भंडारी
3. डॉ. अनुराग मौर्य
4. डॉ. निधि जैन
5. सुश्री प्रियम्बदा गुप्ता
6. श्री आकाश कुमार सोनी
7. सुश्री कविता मीना
8. डॉ. कोमिला सूरी
9. डॉ. निरनुजन चिचुआन
10. डॉ. सनी अग्रवाल
11. डॉ. राधिका गुप्ता
12. डॉ. अंकित मित्तल
13. डॉ. कौशिकी शुक्ला

### प्रॉस्पेक्टस समिति

1. डॉ. वरुण भंडारी (संयोजक)
2. सुश्री प्रियंका यादव
3. डॉ. हिमांशी कालरा
4. सुश्री श्वेता
5. सुश्री सोनिया मुडेल
6. डॉ. लक्ष्मी विश्नोई
7. डॉ. नर्तम वी. मोतीराम

### पुस्तकालय समिति

1. श्री वीरेंद्र सिंह जग्गी (संयोजक)
2. डॉ. वीके बाजपेयी (सदस्य सचिव)
3. प्रो. अर्कजा गोस्वामी
4. प्रो. कविता अरोड़ा
5. डॉ. सुशील कुमार
6. डॉ. सुप्रीति मिश्रा
7. डॉ. अब्बासुद्दीन तपादर
8. डॉ. सत्य प्रिय पांडे
9. श्री निशांत कुमार सिंह
10. श्री रविन्द्र कुमार
11. डॉ. निरंजन चिचुआन
12. डॉ. सुनैना जुत्शी



# आवेदन एवं प्रवेश प्रक्रिया

इस वर्ष पूरी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन है। कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करता है। कृपया ध्यान दें:

- सभी अपेक्षित जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश पोर्टल और कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- कॉलेज में निम्नलिखित सदस्य सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे।
  - नोडल अधिकारी (<https://www.slc.du.ac.in/admission/Nodal-officer-24-25/>)
  - हेल्प डेस्क समिति (<https://www.slc.du.ac.in/admission/Helpdesk-2024-25/>)
  - शिकायत निवारण समिति ([https://www.slc.du.ac.in/admission/Grievance\\_Redressal\\_24-25/](https://www.slc.du.ac.in/admission/Grievance_Redressal_24-25/))
- आरक्षित श्रेणियों की शिकायत निवारण ([https://www.slc.du.ac.in/admission/Reserved\\_Categories/](https://www.slc.du.ac.in/admission/Reserved_Categories/)) इन समितियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबपृष्ठ देखें।
- शिकायत निवारण समिति ([https://www.slc.du.ac.in/admission/Grievance\\_Redressal\\_24-25/](https://www.slc.du.ac.in/admission/Grievance_Redressal_24-25/))
- आरक्षित श्रेणियों की शिकायत निवारण ([https://www.slc.du.ac.in/admission/Reserved\\_Categories/](https://www.slc.du.ac.in/admission/Reserved_Categories/)) इन समितियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबपेज देखें।

## प्रवेश कार्यक्रम एवं सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (CSAS-2024) के बारे में जानकारी

- शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश सीएसएस–2024 के माध्यम से होगा, जो यूजी बीओआई–2024 में उल्लिखित पात्रता आवश्यकताओं और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित अन्य नियमों के आधार पर होगा।
- [www.admission.uod.ac.in](http://www.admission.uod.ac.in) पर एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को CSAS–2024 आवेदन पत्र केवल इसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन भरना होगा। CSAS–2024 आवेदन पत्र को ऑफ़लाइन नहीं भरा जाएगा।
- अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं या इसके समकक्ष उत्तीर्ण होना चाहिए।
- सीएसएस–2024 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी (यूजी)–2024 में उपस्थित होना चाहिए।
- अभ्यर्थी को CUET(UG)–2024 में केवल उन्हीं विषयों में उपस्थित होना होगा जिनमें उसने कक्षा 12वीं उत्तीर्ण की हो।
- उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह जांच लें कि वह जिस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर रहा है, उसके लिए सभी पात्रता मानदंड पूरा करता है या नहीं और क्या उसने CUET (UG) – 2024 में प्रासंगिक विषय/परीक्षा पत्रों में भाग लिया है, जो UG BOI–2024 में प्रकाशित कार्यक्रम – विशिष्ट पात्रता को पूरा करते हैं। यदि किसी उम्मीदवार ने CSAS–2024 में आवेदन किया है, लेकिन वह विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित किसी भी कार्यक्रम की पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो उसकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।
- मान लीजिए कि कोई अभ्यर्थी किसी विषय/परीक्षा पत्र में उपस्थित नहीं हुआ या अनुपस्थित रहा, जो किसी विशेष कार्यक्रम की पात्रता मानदंडों को पूरा करने के लिए अनिवार्य है, तो उस स्थिति में वह उस विशेष कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होगा।

- शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में प्रवेश के लिए केवल CUET (UG) – 2024 में प्राप्त अंकों पर ही विचार किया जाएगा।
- दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश-I के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, सिवाय उन कार्यक्रमों के जहां संबंधित नियामक निकायों, जैसे कि भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई), भारतीय दंत चिकित्सा परिषद (डीसीआई), आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु आवश्यकता निर्धारित की है।
- स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालांकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में प्रवेश के लिए CUET (UG)–2024 में भी शामिल होना होगा।
- यदि सभी दस्तावेज सही पाए जाते हैं और उम्मीदवार द्वारा पात्रता मानदंड पूरे किए जाते हैं, तो आवंटित सीट को कॉलेज द्वारा अनंतिम रूप से अनुमोदित किया जाएगा। उस स्थिति में, उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करके अनुमोदित आवंटित सीट पर प्रवेश लेना होगा।
- सीएसएस-2024 को तीन चरणों में विभाजित किया गया है:
  - चरण 1 – दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना
  - चरण 2 – कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए प्राथमिकताएं भरना
  - चरण 3 – आवंटन-सह-प्रवेश

कार्यक्रम-विशिष्ट योग्यता स्कोर की गणना विश्वविद्यालय द्वारा पात्रता मानदंड के अनुसार स्वतः की जाएगी, और अभ्यर्थी को वरीयता देने से पहले अपने स्कोर की पुष्टि करनी होगी।

#### अधिक जानकारी के लिए कृपया निम्नलिखित वेबपेज देखें:

प्रवेश के लिए वेबसाइट: <https://admission.uod.ac.in/> पर जाएँ

स्नातक सूचना बुलेटिन 2024: [https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/28022024\\_BOI-2024-UG-2024-25\\_compressed-o.pdf](https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/28022024_BOI-2024-UG-2024-25_compressed-o.pdf)

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2024: [https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/29052024\\_CSAS-UG\\_compressed.pdf](https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/29052024_CSAS-UG_compressed.pdf)

## सीट आवंटन और प्रवेश

### चरण 1 – अनंतिम रूप से आवंटित सीट की स्वीकृति

- यह अभ्यर्थी की जिम्मेदारी है कि वह डैशबोर्ड पर लॉग इन करके जांचे कि सीट आवंटन के किसी निश्चित चरण में उसे सीट आवंटित हुई है या नहीं, और यदि आवंटित हुई है तो अभ्यर्थी को सभी प्रवेश औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी।
- एक बार किसी विशेष राउंड में सीट आवंटित हो जाने के बाद, उम्मीदवार को दिए गए आवंटन राउंड के लिए निर्दिष्ट अंतिम तिथि/समय से पहले आवंटित सीट को 'स्वीकार' करना होगा। किसी विशेष आवंटित सीट की स्वीकृति का प्रावधान केवल उस राउंड के लिए मान्य होगा जिसमें उम्मीदवार को सीट आवंटित की गई थी।
- यदि किसी उम्मीदवार को किसी विशेष राउंड में एक से अधिक सीटों की पेशकश की जाती है, तो छात्र को केवल एक आवंटित सीट को "स्वीकार" करना होगा। आवंटित सीट को स्वीकार न करने के रूप में निष्क्रियता/कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी। इसे अन्तिम रूप से आवंटित सीट में अस्वीकृति के रूप में माना जाएगा और उम्मीदवार अब CSAS-2024 के बाद के राउंड में भाग नहीं ले पाएगा।



## चरण 2(ए) — कॉलेज द्वारा ऑनलाइन अनुमोदन

एक बार जब उम्मीदवार अनंतिम रूप से आवंटित सीट को “स्वीकार” कर लेता है, तो संबंधित कॉलेज उम्मीदवार द्वारा अपलोड की गई पात्रता और दस्तावेजों की जांच करेगा। कॉलेज निर्धारित समय सीमा के भीतर निम्नलिखित को सत्यापित करेगा:

1. अभ्यर्थी की न्यूनतम पात्रता।
2. अभ्यर्थी की कार्यक्रम—विशिष्ट पात्रता।
3. विषय मानचित्रण: विश्वविद्यालय केवल उन्हीं CUET विषयों पर विचार करेगा जिनमें अभ्यर्थी ने कक्षा 12वीं उत्तीर्ण की है।
4. अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की वैधता और प्रामाणिकता।

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज अभ्यर्थी से अधिक स्पष्टता/जानकारी चाहता है, तो वह अभ्यर्थी से प्रश्न कर सकता है (चरण 2 बी देखें)।

सत्यापन के बाद, कॉलेज अभ्यर्थी की अनंतिम रूप से आवंटित सीट को या तो ‘स्वीकृत’ या ‘अस्वीकार’ करेगा।

कॉलेजों द्वारा कोई भी आवेदन पत्र अप्राप्य नहीं छोड़ा जाएगा।

### अनुमोदन के मामले में:

कॉलेज द्वारा अनुमोदन मिलने के बाद अभ्यर्थी को ‘प्रवेश शुल्क’ का भुगतान करना होगा।

### अस्वीकृति के मामले में:

ऑनलाइन सत्यापन के समय, यदि कोई आवेदन अस्वीकृत हो जाता है, तो कॉलेज अस्वीकृति का कारण बताएगा।

किसी आवेदन को अस्वीकृत करने के लिए कॉलेज निम्नलिखित में से कोई भी कारण बताएगा:

1. अभ्यर्थी द्वारा न्यूनतम पात्रता की पूर्ति न करना।
2. अभ्यर्थी द्वारा कार्यक्रम—विशिष्ट पात्रता की पूर्ति न करना।
3. विषय—मानचित्रण मानदंड की पूर्ति न होना।
4. अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/प्रमाणपत्र अमान्य हैं।
5. कॉलेज द्वारा उठाए गए प्रश्नों का निर्धारित समय के भीतर जवाब न देना।

## चरण 2(बी) — कॉलेज अनुमोदन के दौरान यदि कोई प्रश्न हो उसका जवाब दें

ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान, यदि कोई कॉलेज कोई प्रश्न उठाता है तो उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन (उम्मीदवार के डैशबोर्ड के माध्यम से) जवाब देना होगा। प्रश्नों का उत्तर न देने पर आवंटित सीट खारिज कर दी जाएगी और उम्मीदवार CSAS – 2024 से बाहर हो जाएगा।

## चरण 3 — अनंतिम रूप से आवंटित सीट पर प्रवेश

कॉलेज द्वारा स्वीकृति दिए जाने के बाद, उम्मीदवार को स्वीकृत सीट के लिए प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा। प्रवेश शुल्क के सफल भुगतान के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण माना जाएगा। यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है, तो इसे अनंतिम रूप से आवंटित सीट को रद्द करने के रूप में माना जाएगा। आवंटित सीट जब्त कर ली जाएगी और उम्मीदवार को बाद के किसी भी CSAS-2024 आवंटन दौर के लिए विचार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवार आवंटित सीट के सभी अधिकारों को खो देगा और बाद के किसी भी CSAS-2024 आवंटन दौर के लिए उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

## आवंटन के बाद के दौर

### विकल्प 1 – अपग्रेड

CSAS-2024 के लिए आवेदन करने वाले सभी उम्मीदवार सभी आवंटन राउंड के लिए पात्र होंगे। वही केवल उम्मीदवारों की जिनकी आवंटित सीट/प्रवेश किसी भी कारण से रद्द कर दी गयी है। सभी प्रवेशित उम्मीदवार जो किसी विशेष राउंड में “अपग्रेड” विकल्प चुनते हैं, उन्हें सीटों की उपलब्धता के अधीन संबंधित CSAS-2024 आवंटन राउंड के लिए विचार किया जाएगा।

जिन अभ्यर्थियों की किसी भी चरण में उनकी प्रथम प्राथमिकता आवंटित कर दी गई है, उन्हें आगामी चरण के आवंटन में शामिल नहीं किया जाएगा।

विश्वविद्यालय किसी दौर की घोषणा से पहले सभी प्रवेशित अभ्यर्थियों के लिए एक “अपग्रेड” विंडो खोलेगा।

प्रवेशित उम्मीदवार ‘अपग्रेड’ विकल्प चुन सकता है, जो उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत उच्च प्राथमिकता में अपग्रेडेशन की अनुमति देगा। प्रवेशित उम्मीदवार जो अपग्रेडेशन का विकल्प चुनते हैं, उन्हें आवंटन नीति के आधार पर स्वचालित रूप से अपग्रेड किया जाएगा।

उम्मीदवार के ‘अपग्रेड’ विकल्प को चुनने का मतलब यह होगा कि वह अगले दौर में अपनी उच्च प्राथमिकता के कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन में प्रवेश के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए सहमति देता है (यदि कोई हो)। यदि नई वरीयता आवंटित की जाती है तो उसकी वर्तमान प्रवेशित सीट स्वतः रद्द कर दी जाएगी।

जो अभ्यर्थी ‘अपग्रेड’ का विकल्प चुनता है, वह कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन को पुनः व्यवस्थित कर सकता है, जो आवंटित संयोजन से अधिक वरीयता वाला हो।

जिस कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन में छात्र ने पहले प्रवेश लिया था, उसे बाद के किसी भी दौर में उम्मीदवार को कभी भी पेश नहीं किया जाएगा। इसी तरह, कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन जो वरीयता क्रम में नीचे थे, जिस पर उम्मीदवार ने पहले प्रवेश लिया था, उसे बाद के किसी भी दौर में उम्मीदवार को कभी भी पेश नहीं किया जाएगा।

जिस अभ्यर्थी को उसकी प्रथम वरीयता आवंटित की गई है, उसके लिए अपग्रेड विकल्प उपलब्ध नहीं होगा।

सीट आवंटन के सभी राउंड में ‘अपग्रेड’ विकल्पों की जांच करते रहना उम्मीदवार की जिम्मेदारी होगी। अपग्रेडेशन (उन्नयन) प्रक्रिया में भाग लेने में विफलता/असमर्थता को किसी भी परिस्थिति में शिकायत नहीं माना जाएगा।

अपग्रेड होने वाले उम्मीदवार को अपग्रेड की गई सीट को ‘स्वीकार’ करना होगा और अपग्रेड की गई आवंटित सीट/सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यदि कोई उम्मीदवार अपग्रेड की गई सीट/सीटों पर कोई गतिविधि नहीं करता है, तो इसे डिफॉल्ट रूप से रद्द माना जाएगा और उम्मीदवार CSAS – 2024 से बाहर हो जाएगा।

यदि किसी अभ्यर्थी का अपग्रेडेशन नहीं होता है तो पहले वाली सीट पर उसका प्रवेश बरकरार रखा जाएगा।

### विकल्प 2 – फ्रीज

एक उम्मीदवार जिसने आवंटित सीट पर प्रवेश लिया है और उसे जारी रखना चाहता है, उसे अपने डैशबोर्ड के माध्यम से ‘फ्रीज’ अनुरोध प्रस्तुत करना चाहिए। ‘फ्रीज’ का चयन करने पर, ऐसे उम्मीदवार को कभी भी “अपग्रेडेशन” (उन्नयन) का विकल्प चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई प्रवेशित अभ्यर्थी न तो अपग्रेडेशन (उन्नयन) का विकल्प चुनता है और न ही फ्रीज का विकल्प चुनता है, तथा एक राउंड तक निष्क्रिय रहता है, तो विद्यार्थी द्वारा लिया गया प्रवेश बरकरार रखा जाएगा तथा उसे “अपग्रेडेशन” (उन्नयन) के लिए विचार नहीं किया जाएगा।



## अनंतिम रूप से आवंटित सीट / प्रवेश का रद्दीकरण

1. निर्धारित समय सीमा के भीतर अनंतिम रूप से आवंटित सीट को 'स्वीकार' न करने पर आवंटित सीट रद्द कर दी जाएगी।
2. यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है तो अनंतिम रूप से आवंटित सीट रद्द कर दी जाएगी।
3. यदि किसी भी समय कोई भी दस्तावेज/प्रमाणपत्र अवैध/फर्जी पाया जाता है तो अनंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
4. यदि किसी भी समय यह पाया जाता है कि कोई अभ्यर्थी विश्वविद्यालय द्वारा घोषित न्यूनतम पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है, तो अनंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

जिस अभ्यर्थी की अनंतिम रूप से आवंटित सीट/प्रवेश उपर्युक्त कारणों से रद्द हो जाता है, वह CSAS-2024 के माध्यम से विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने का अधिकार खो देगा।

## प्रवेश वापसी

कोई अभ्यर्थी जिसने प्रवेश ले लिया है, लेकिन अपना नाम वापस लेना चाहता है, वह अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'वापस ले' विकल्प का चयन करके तथा 1000.00 रुपये (गैर-वापसी योग्य) का वापसी शुल्क देकर ऐसा कर सकता है।

जो उम्मीदवार अपना प्रवेश वापस ले लेगा, वह CSAS-2024 से बाहर हो जाएगा। उम्मीदवार विश्वविद्यालय के यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपनी पात्रता खो देगा। आगामी किसी भी आवंटन दौर (यदि कोई हो) में आगे भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्पोर्ट एडमिशन राउंड की घोषणा होने के बाद प्रवेश वापस लेने का कोई विकल्प नहीं होगा।

## मध्य प्रवेश (मिड एंट्री)

जो अभ्यर्थी निर्धारित समय के भीतर CSAS-2024 के लिए आवेदन करने में असफल रहे और CSAS-2024 में भाग लेने के इच्छुक हैं। वे 1000.00 रुपये (गैर-वापसी योग्य) के मध्य प्रवेश (मिड एंट्री) शुल्क का भुगतान करके मिड-एंट्री विंडो (जब भी विश्वविद्यालय इसकी घोषणा करता है) के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

मध्य-प्रवेश वाले अभ्यर्थी को आवंटन के लिए तभी विचार किया जा सकता है, जब पहले आवेदन करने वाले तथा न्यूनतम घोषित अंकों से उच्च योग्यता अंक प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों को आवंटित कर दिया गया हो।

यदि पेशकश की जाती है तो मध्य-प्रवेशकर्ता को उसे आवंटित सीट पर प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। आवंटित सीट स्वीकार न करने पर उम्मीदवार का विश्वविद्यालय में प्रवेश रद्द हो जाएगा। 'अपग्रेड' का कोई विकल्प नहीं होगा।

ECA एवं स्पोर्ट्स सुपरन्यूमरेरी कोटा के लिए मध्य प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

## स्पोर्ट एडमिशन

यदि सीटें नियमित सीएसएस-2024 राउंड के पूरा होने के बाद भी सीटें खाली रहती हैं, तो विश्वविद्यालय प्रवेश के स्पोर्ट राउंड की घोषणा कर सकता है।

जिन अभ्यर्थियों ने सीएसएस-2024 के लिए आवेदन किया था, लेकिन स्पोर्ट एडमिशन राउंड की घोषणा की तिथि तक उन्हें किसी कॉलेज में प्रवेश नहीं मिला, वे स्पोर्ट एडमिशन में भाग ले सकते हैं।

स्पोर्ट एडमिशन की घोषणा होने पर, पहले से ही सभी उम्मीदवारों का प्रवेश लॉक हो जाएगा और उन्हें अपग्रेड के लिए विचार नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार प्रवेशित अभ्यर्थियों को अपना प्रवेश वे वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्पोर्ट एडमिशन राउंड में शामिल होने के लिए, अभ्यर्थी को अपने डैशबोर्ड के माध्यम से 'स्पोर्ट एडमिशन' का विकल्प चुनना होगा।

प्रत्येक स्पोर्ट एडमिशन राउंड के लिए विश्वविद्यालय प्रत्येक प्रोग्राम की रिक्त सीटों को प्रदर्शित करेगा। इच्छुक उम्मीदवार केवल एक ही कार्यक्रम का चयन करने में सक्षम होगा।

उम्मीदवार के लिए स्पोर्ट राउंड में आवंटित सीट पर प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। स्पोर्ट एडमिशन राउंड में आवंटित सीट स्वीकार न करने पर उम्मीदवार की विश्वविद्यालय में प्रवेश की पात्रता समाप्त हो जाएगी और वह CSAS से बाहर हो जाएगा।

स्पोर्ट एडमिशन राउंड के दौरान 'अपग्रेड' और 'वापस लेने' (विथड्रॉ) का कोई विकल्प नहीं होगा। किसी विशेष स्पोर्ट एडमिशन राउंड में आवंटित सीट अंतिम होगी और स्पोर्ट एडमिशन राउंड के किसी भी अगले राउंड में अपग्रेड नहीं की जाएगी।

### मूल दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन की अनिवार्य आवश्यकता

CSAS-2024 के समापन पर, सभी प्रवेशित अभ्यर्थियों को प्रवेशित कॉलेज में रिपोर्ट करना होगा और दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों के भौतिक सत्यापन सहित संबंधित कॉलेज की सभी प्रवेश औपचारिकताओं को पूरा करना होगा।

किसी उम्मीदवार का प्रवेश पूरी तरह से अनंतिम है और संबंधित कॉलेज द्वारा मूल दस्तावेजों के सत्यापन के अधीन है। कॉलेज सभी दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच करेगा। भौतिक सत्यापन के दौरान, यदि कोई दस्तावेज/प्रमाणपत्र अपर्याप्त/अपूर्य/अनुचित पाया जाता है, तो प्रवेश को स्वतः ही रद्द कर दिया जाएगा। इसके अलावा, ऐसा उम्मीदवार शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए विश्वविद्यालय के किसी भी यूजी कार्यक्रम में प्रवेश के अवसर से वंचित हो जाएंगे।

### प्रवेश शिकायत निवारण

#### स्तर 1 – कॉलेज शिकायत निवारण समिति

प्रत्येक कॉलेज प्रवेश के दौरान उत्पन्न होने वाली शिकायतों के निवारण के लिए एक शिकायत निवारण समिति का गठन करेगा। इसके अलावा, एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/अल्पसंख्यक और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों से संबंधित उम्मीदवारों की शिकायतों के निवारण के लिए शिकायत निवारण की एक उप-समिति भी स्थापित की जाएगी। कॉलेज की शिकायत निवारण समिति और उप-समिति का विवरण कॉलेज की वेबसाइट और विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा जिससे निर्धारित समय के भीतर उम्मीदवारों की आवश्यकताओं/प्रश्नों को सुविधाजनक बनाया जा सके और उनका समाधान किया जा सके। प्रवेश के बारे में शिकायत रखने वाले उम्मीदवारों को सबसे पहले संबंधित कॉलेज की शिकायत निवारण समिति से संपर्क करना चाहिए।

#### स्तर 2 – केंद्रीय शिकायत निवारण समिति

यदि कॉलेज द्वारा उचित समय के भीतर शिकायत का समाधान नहीं किया जाता है, तो उम्मीदवार विश्वविद्यालय की केंद्रीय शिकायत निवारण समिति से संपर्क कर सकते हैं। यह समिति उम्मीदवारों के आवंटन और प्रवेश संबंधी मुद्दों का समाधान करेगी। केंद्रीय शिकायत निवारण समिति का विवरण विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।

यदि कोई शिकायत प्रासंगिक और वास्तविक पाई जाती है, और यदि किसी विशिष्ट कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन में सीटें भर गई हैं, तो ऐसे उम्मीदवार को अतिरिक्त सीट की पेशकश की जाएगी। शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

एनसीवेब, ईसीए, खेल सुपरन्यूमरेरी कोटा और सीडब्ल्यू से संबंधित प्रवेश शिकायतों का निवारण विश्वविद्यालय की संबंधित समितियों द्वारा किया जाएगा।



# स्नातक प्रवेश के लिए पात्रता आवश्यकताएँ

## प्रस्तावित विषय

| कला (Arts)                    | वाणिज्य (Commerce) | विज्ञान (Science)                         |
|-------------------------------|--------------------|---|
| बी.ए. (आनर्स) अंग्रेजी        | बी.कॉम (ऑनर्स)     | बी.एससी. (ऑनर्स) गणित                     |
| बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र     | बी.कॉम (प्रोग्राम) | बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान            |
| बी.ए. (आनर्स) इतिहास          |                    | बी.एससी. भौतिक विज्ञान                    |
| बी.ए. (आनर्स) राजनीति विज्ञान |                    | बी.एससी. भौतिक विज्ञान + इलेक्ट्रॉनिक     |
| बी.ए. (आनर्स) हिंदी           |                    | बी.एससी. भौतिक विज्ञान + रसायन विज्ञान    |
| बी.ए. (प्रोग्राम)             |                    | बी.एससी. भौतिक विज्ञान + कंप्यूटर विज्ञान |
| एम.ए. (हिंदी)                 |                    |   |

## कार्यक्रम—विशिष्ट पात्रताएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए CUET (UG) – 2024 में चुनी जाने वाली भाषाओं और डोमेन—विशिष्ट विषयों की सूची।

### सूची A: भाषा विषय

अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से कम से कम एक भाषा में परीक्षा देनी होगी:

|        |           |         |         |        |         |         |
|--------|-----------|---------|---------|--------|---------|---------|
| अरबी   | डोगरी     | हिंदी   | कोंकणी  | नेपाली | संस्कृत | तेलुगू  |
| असमिया | अंग्रेज़ी | इतालवी  | मैथिली  | उड़िया | संथाली  | तिब्बती |
| बंगाली | फ्रेंच    | जापानी  | मलयालम  | फ़ारसी | सिंधी   | उर्दू   |
| बोडो   | जर्मन     | कन्नडा  | मणिपुरी | पंजाबी | स्पेनिश |         |
| चीनी   | गुजराती   | कश्मीरी | मराठी   | रूसी   | तामिल   |         |

**सूची बी :** सीयूईटी (यूजी) – 2024 के खंड II में उल्लिखित डोमेन विशिष्ट विषयों को सूची बी1 और सूची बी2 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। उम्मीदवारों को उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम—विशिष्ट पात्रता का संदर्भ लेना चाहिए जिनमें उन्हें सीयूईटी (यूजी) – 2024 में उपस्थित होना चाहिए।

### सूची ख1 में विषय

|   |                             |  |
|---|-----------------------------|--|
| 1. लेखा / बहीखाता                       | 2. मानव विज्ञान             | 3. जीवविज्ञान / जैववैज्ञानिक अध्ययन / जैवप्रौद्योगिकी / जैवरसायन |
| 4. व्यवसाय अध्ययन                       | 5. रसायन विज्ञान            | 6. कंप्यूटर विज्ञान / सूचना अभ्यास                               |
| 7. अर्थशास्त्र / व्यावसायिक अर्थशास्त्र | 8. पर्यावरण अध्ययन करते हैं | 9. भूगोल / भूविज्ञान   |
| 10. इतिहास                              | 11. गृह विज्ञान             | 12. कानूनी अध्ययन  |
| 13. गणित                                | 14. भौतिकी                  | 15. राजनीति विज्ञान  |
| 16. मनोविज्ञान                          | 17. संस्कृत                 | 18. समाजशास्त्र  |

### सूची ख2 में विषय

|  |                                 |
|--|---------------------------------|
| 1. कृषि  | 2. इंजीनियरिंग ग्राफिक्स        |
| 3. उद्यमिता  | 4. ज्ञान परंपरा और प्रथाएं भारत |
| 5. ललित कला / दृश्य कला (मूर्तिकला / चित्रकला) / वाणिज्यिक कला | 6. मास मीडिया / जनसंचार         |
| 7. शारीरिक शिक्षा / एनसीसी / योग                               | 8. प्रदर्शन कला                 |
| 9. शिक्षण योग्यता  |                                 |

### कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

CUET 2024 में उम्मीदवार द्वारा प्राप्त अंकों को मेरिट तय करने और स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश देने के लिए कार्यक्रम विशिष्ट संयोजनों के अनुसार कुल अंकों की गणना के लिए माना जाएगा। मेरिट केवल उन विषयों के संयोजन पर आधारित होगी जिसमें उम्मीदवार CUET 2024 में उपस्थित हुआ है, जैसा कि संबंधित कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता में उल्लिखित है।

| क्रमांक | अवधि                 | कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता   |
|---------|----------------------|---|
| 1.      | बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी | अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:<br>सूची A से अंग्रेजी + सूची B1 से कोई भी दो विषय + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय<br>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर तय की जाएगी।   |
| 2       | बीए (ऑनर्स) हिंदी    | अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:<br>सूची A से हिंदी + सूची B1 से कोई भी दो विषय + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय<br>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर तय की जाएगी।  |
| 3       | बी.ए (प्रोग्राम)     | अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा :<br>संयोजन I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 से कोई दो विषय + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय<br>या<br>संयोजन II: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 या सूची B2 से कोई एक विषय + CUET (सामान्य परीक्षा) का खंड III |



|    |   |  |
|----|---|--|
|    |   | <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ CUET स्कोर पर आधारित होगी।</p> <p>नोट : चूंकि CUET अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपात किया जाएगा।</p>  |
| 4  | बीए (ऑनर्स) इतिहास  | <p>अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:</p> <p>सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 से कोई दो विषय + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय</p> <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर तय की जाएगी।</p>   |
| 5  | बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान                               | <p>अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:</p> <p>सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 से कोई दो विषय + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय</p> <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर तय की जाएगी।</p>   |
| 6  | बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र                                   | <p>अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:</p> <p>सूची A से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई भी दो विषय, जिनमें से एक सूची B1 से होना चाहिए</p> <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर तय की जाएगी।</p>   |
| 7  | बी.एस.सी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान                           | <p>अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:</p> <p>भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित/अनुप्रयुक्त गणित</p> <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर होगी। उम्मीदवारों को CUET में सूची A की किसी भी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने होंगे।</p>  |
| 8  | बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित                                    | <p>अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:</p> <p>सूची A से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई भी दो विषय, जिनमें से एक सूची B1 से होना चाहिए</p> <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर तय की जाएगी</p>  |
| 9  | बी.एस.सी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान के साथ  | <p>अभ्यर्थियों को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:</p> <p>भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान</p> <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को CUET में सूची A की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने होंगे।</p>  |
| 10 | बी.एस.सी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ | <p>अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:</p> <p>संयोजन I: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान</p> <p>या</p> <p>संयोजन II: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान/सूचना विज्ञान अभ्यास</p> <p>मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ CUET स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को CUET में सूची A की किसी भी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करने होंगे।</p> |

|    |  |  |
|----|--|--|
| 11 | बी.एस.सी. (प्रोगाम)<br>भौतिक विज्ञान कंप्यूटर<br>विज्ञान/सूचना विज्ञान<br>प्रथाओं के साथ | अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:<br>संयोजन I: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान<br>या<br>संयोजन II: भौतिकी + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान/सूचना विज्ञान अभ्यास<br>मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ CUET स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को CUET में सूची। की किसी भी एक भाषा में न्यूनतम 30p अंक प्राप्त करने होंगे। |
| 12 | बी.कॉम (ऑनर्स)   | अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:<br>संयोजन I: सूची। से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई भी दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची B1 से होना चाहिए<br>या<br>संयोजन II: सूची A से कोई भी भाषा + लेखाशास्त्र/बुक कीपिंग + कोई भी दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची B1 से होना चाहिए<br>मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET अंकों के आधार पर तय की जाएगी।      |
| 13 | बी.कॉम (प्रोगाम)   | अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में CUET में उपस्थित होना होगा:<br>संयोजन I: सूची A से कोई एक भाषा + सूची B1 से कोई दो विषय + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय<br>या<br>संयोजन II: सूची A से कोई भी भाषा + सूची B1 या सूची B2 में से कोई भी एक विषय + CUET (सामान्य परीक्षा) का खंड III<br>मेरिट उपर्युक्त किसी भी विषय संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET स्कोर पर आधारित होगी।                           |

## प्रवेश के लिए अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची

अभ्यर्थियों को आवेदन करते समय प्रासंगिक प्रमाण-पत्रों/दस्तावेजों की प्रतियां अपलोड करनी होंगी (जैसा लागू हो) तथा कॉलेज में भौतिक सत्यापन के समय उन्हीं प्रमाण-पत्रों/दस्तावेजों को मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा।

- कक्षा 10 का प्रमाण पत्र (मार्क शीट या प्रमाण पत्र) जिसमें जन्म तिथि और माता-पिता का नाम दर्शाया गया हो। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ईडब्ल्यूएस/सीडब्ल्यू/केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित जाति प्रमाण पत्र में दिए गए नामों से मेल खाने चाहिए। इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाण पत्र के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए।
- कक्षा बारहवीं की मार्क शीट।



3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम प्रमाणपत्र (आवेदक के नाम पर)। एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों और सीयूईटी (यूजी) – 2024 में दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए। इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों (यदि लागू हो) में मेल खाने चाहिए।
  4. ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाण पत्र (आवेदक के नाम पर) जाति <http://ncbc.nic.in> द्वारा जारी केंद्रीय सूची में होनी चाहिए। ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाण पत्र के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र और सीयूईटी (यूजी) – 2024 में दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए। इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाण पत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए। आय प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2024 (यदि लागू हो) के बाद जारी किया जाना चाहिए।
  5. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, जो प्रमाणित करता है कि आवेदक इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है। इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए। इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम दोनों प्रमाणपत्रों में मेल खाने चाहिए। आय प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2024 (यदि लागू हो) के बाद जारी किया जाना चाहिए।
  6. PwBD विकलांगता प्रमाण पत्र उम्मीदवार के नाम पर किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया जाना चाहिए, जिस पर उम्मीदवार की तस्वीर हो। 01.06.2021 के बाद जारी किए गए विकलांगता प्रमाण पत्र दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या 1736 (ई) दिनांक 05.05.2021 के अनुसार होने चाहिए और UDID पोर्टल के माध्यम से आवेदन किए जाने चाहिए। हालाँकि, 01.06.2021 से पहले जारी किए गए विकलांगता प्रमाण पत्रों पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य मौजूदा लागू नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार विचार किया जाएगा।
  7. सीडब्ल्यू श्रेणी के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में शैक्षिक रियायत प्रमाण पत्र (ईसीसी) (अभ्यर्थी के नाम पर) अपलोड करना होगा, जिसमें प्राथमिकता का स्पष्ट उल्लेख हो।
  8. कश्मीरी प्रवासी श्रेणी के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी प्रासंगिक प्रमाणपत्र सही प्रारूप में अपलोड करना होगा।
  9. जो अभ्यर्थी यूओडी वार्ड सुपरन्यूमरेरी कोटा के तहत प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें अपने माता-पिता का वैध रोजगार प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा, जो कि संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी किया गया हो। केवल CSAS आवेदन पत्र में अपलोड किए गए रोजगार प्रमाण पत्र पर ही विचार किया जाएगा। पहचान पत्र, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
  10. खेल/ईसीए श्रेणी के अंतर्गत प्रवेश के लिए अपेक्षित प्रमाणपत्रों की स्वयं सत्यापित प्रतियां (यदि लागू हो)।
  11. अभ्यर्थी का फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट)।
- पंजीकरण के समय अपलोड की गई छवियों की गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए आवेदक स्वयं जिम्मेदार होंगे। आवेदकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपलोड की गई तस्वीरें प्रामाणिक और सटीक हों। आवेदक मांगे गए दस्तावेजों के उत्पादन के लिए जिम्मेदार होंगे। बाद में आवश्यक किसी भी भौतिक सत्यापन के पूरा होने पर कॉलेज/विभाग द्वारा सभी प्रमाणपत्र/दस्तावेज आवेदक को वापस कर दिए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए यूनिवर्सिटी बुलेटिन 2024–2025 देखें।
- किसी भी अपडेट के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट <https://admission.uod.ac.in/> पर जाएं।

# प्रत्येक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों की संख्या 2024-25

| क्र.सं. | अवधि  | सीटों की संख्या | उर  | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | ईडब्ल्यूएस |
|---------|---|-----------------|-----|---------------|-----------------|------------------|------------|
| 1       | बी.ए. प्रोग्राम'                                  | 193             | 78  | 30            | 14              | 52               | 19         |
| 2       | बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र                           | 118             | 47  | 18            | 9               | 32               | 12         |
| 3       | बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी                              | 118             | 47  | 18            | 9               | 32               | 12         |
| 4       | बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी                               | 58              | 23  | 9             | 4               | 16               | 6          |
| 5       | बीए (ऑनर्स) इतिहास                                | 58              | 23  | 9             | 4               | 16               | 6          |
| 6       | बीए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान                       | 58              | 23  | 9             | 4               | 16               | 6          |
| 7       | बी.कॉम. (प्रोग.)                                  | 253             | 103 | 38            | 19              | 68               | 25         |
| 8       | बी.कॉम. (ऑनर्स)                                   | 231             | 93  | 35            | 17              | 62               | 24         |
| 9       | बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान                    | 32              | 13  | 5             | 2               | 9                | 3          |
| 10      | बी.एससी. (ऑनर्स) गणित                             | 46              | 19  | 7             | 3               | 12               | 5          |
| 11      | बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान)    | 151             | 61  | 23            | 11              | 41               | 15         |
| 12      | बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान (कंप्यूटर विज्ञान) | 69              | 28  | 10            | 5               | 19               | 7          |
| 13      | बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान (इलेक्ट्रॉनिक्स)   | 69              | 28  | 10            | 5               | 19               | 7          |

'कॉलेज द्वारा बी.ए. प्रोग्राम में प्रस्तावित अनुशासन पत्रों का संयोजन और सीटें

| क्र.सं. | बीए प्रोग्राम के लिए अनुशासन  | संयोजन सीटों की संख्या | उर | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | ईडब्ल्यूएस |
|---------|-------------------------------|------------------------|----|---------------|-----------------|------------------|------------|
| 1       | अर्थशास्त्र + राजनीति विज्ञान | 34                     | 14 | 5             | 2               | 9                | 4          |
| 2       | इतिहास + राजनीति विज्ञान      | 60                     | 24 | 9             | 4               | 16               | 7          |
| 3       | अर्थशास्त्र + ओएमएसपी         | 24                     | 10 | 4             | 2               | 6                | 2          |
| 4       | अंग्रेजी + अर्थशास्त्र        | 25                     | 10 | 4             | 2               | 7                | 2          |
| 5       | अंग्रेजी + राजनीति विज्ञान    | 25                     | 10 | 4             | 2               | 7                | 2          |
| 6       | हिंदी + इतिहास                | 25                     | 10 | 4             | 2               | 7                | 2          |



# शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए शुल्क संरचना

| शुल्क शीर्ष                         | बी.ए. (आनर्स) –<br>हिंदी, अंग्रेजी,<br>अर्थशास्त्र, इतिहास,<br>राजनीति विज्ञान,<br>बी.कॉम,<br>बी.कॉम. (प्रोग्राम)<br>बी.ए. (प्रोग्राम) | बी.एससी.<br>(ऑनर्स) –<br>रसायन विज्ञान<br>एवं<br>गणित | बी.एससी<br>भौतिक विज्ञान | एम.ए.<br>(हिंदी) |
|-------------------------------------|--|---|--------------------------|------------------|
|                                     | 2024–2025  | 2024–2025   | 2024–2025                | 2024–2025        |
| <b>यूजीसी/जीओआई बकाया</b>           |  |   |                          |                  |
| ट्यूशन शुल्क                        | 180.00   | 180.00  | 180.00                   | 216.00           |
| प्रवेश शुल्क                        | 20.00  | 20.00   | 20.00                    | 20.00            |
| पहचान पत्र                          | 50.00  | 50.00   | 50.00                    | 50.00            |
| पुस्तकालय एवं वाचनालय शुल्क         | 150.00   | 150.00  | 150.00                   | 150.00           |
| बिजली और पानी शुल्क                 | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| उद्यान शुल्क                        | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| प्रयोगशाला शुल्क (यूजीसी)           |  | 70.00   | 70.00                    | 0.00             |
| <b>कॉलेज छात्र कल्याण कोष</b>       |  |   |                          |                  |
| चिकित्सा शुल्क                      | 250.00   | 250.00  | 250.00                   | 250.00           |
| खेल और क्रीड़ा                      | 900.00   | 900.00  | 900.00                   | 900.00           |
| एनसीसी                              | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| सामूहिक कमरा                        | 250.00   | 250.00  | 250.00                   | 250.00           |
| सोसायटी                             | 350.00   | 350.00  | 350.00                   | 350.00           |
| छात्र संघ शुल्क                     | 250.00   | 250.00  | 250.00                   | 250.00           |
| अम्बेडकर सोसाइटी                    | 50.00  | 50.00   | 50.00                    | 50.00            |
| इको क्लब                            | 50.00  | 50.00   | 50.00                    | 50.00            |
| इनोवेशन काउंसिल                     | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| उन्नत भारत अभियान                   | 50.00  | 50.00   | 50.00                    | 50.00            |
| गांधी अध्ययन मंडल                   | 50.00  | 50.00   | 50.00                    | 50.00            |
| कौशल विकास निधि                     | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| महिला विकास समिति                   | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| छात्र सहायता निधि                   | 160.00   | 160.00  | 160.00                   | 160.00           |
| ललित कला शुल्क                      | 450.00   | 450.00  | 450.00                   | 450.00           |
| वाद-विवाद शुल्क                     | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| छात्र चुनाव व्यय निधि               | 100.00   | 100.00  | 100.00                   | 100.00           |
| सेमिनार शुल्क                       | 700.00   | 700.00  | 700.00                   | 700.00           |
| विविध समारोह एवं त्यौहार            | 400.00   | 400.00  | 400.00                   | 400.00           |
| <b>कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क</b> |  |   |                          |                  |
| पत्रिका शुल्क                       | 50.00  | 50.00   | 50.00                    | 50.00            |

|                                      |                 |                 |                 |                 |
|--------------------------------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| सामाजिक जमावड़ा                      | 1100.00         | 1100.00         | 1100.00         | 1100.00         |
| उद्यमिता प्रकोष्ठ                    | 100.00          | 100.00          | 100.00          | 100.00          |
| समग्र विकास केंद्र                   | 100.00          | 100.00          | 100.00          | 100.00          |
| आईक्यूएसी फंड                        | 300.00          | 300.00          | 300.00          | 300.00          |
| प्लेसमेंट सेल                        | 150.00          | 150.00          | 150.00          | 150.00          |
| कंप्यूटर शुल्क                       | 900.00          | 900.00          | 900.00          |                 |
| आंतरिक शिकायत समिति                  | 50.00           | 50.00           | 50.00           | 50.00           |
| बिजली मरम्मत और रखरखाव               | 700.00          | 700.00          | 700.00          | 700.00          |
| प्रयोगशाला शुल्क                     | 0.00            | 1200.00         | 1200.00         | 0.00            |
| पुस्तकालय विकास निधि                 | 400.00          | 400.00          | 400.00          | 400.00          |
| सुरक्षा व्यवस्था शुल्क               | 2000.00         | 2000.00         | 2000.00         | 2000.00         |
| विज्ञान प्रैक्टिकल                   | 0.00            | 200.00          | 200.00          | 0.00            |
| आईए परीक्षा शुल्क                    | 70.00           | 70.00           | 70.00           |                 |
| आर एंड डी सेल                        | 100.00          | 100.00          | 100.00          | 100.00          |
| सरस्वती आईकेएस केंद्र                | 100.00          | 100.00          | 100.00          | 100.00          |
| नये पाठ्यक्रम विकास शुल्क            | 0.00            | 3000.00         | 0.00            | 0.00            |
| <b>कॉलेज विकास निधि</b>              |                 |                 |                 |                 |
| कॉलेज विकास शुल्क                    | 6500.00         | 6500.00         | 6500.00         | 6500.00         |
| खेल मैदान रखरखाव                     | 400.00          | 400.00          | 400.00          | 400.00          |
| लॉन रखरखाव                           | 650.00          | 650.00          | 650.00          | 650.00          |
| सामान्य सुविधाएं                     | 2700.00         | 2700.00         | 2700.00         | 2700.00         |
| <b>विश्वविद्यालय शुल्क</b>           |                 |                 |                 |                 |
| विश्वविद्यालय विकास शुल्क            | 1200.00         | 1200.00         | 1200.00         | 1200.00         |
| विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष       | 250.00          | 250.00          | 250.00          | 250.00          |
| विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क | 1250.00         | 1250.00         | 1250.00         | 1250.00         |
| आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता      |                 |                 |                 |                 |
| विश्वविद्यालय निधि                   | 200.00          | 200.00          | 200.00          | 200.00          |
| दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ शुल्क | 40.00           | 40.00           | 40.00           | 40.00           |
| नामांकन शुल्क                        | 200.00          | 200.00          | 200.00          | 200.00          |
| एथलेटिक एसोसिएशन शुल्क               | 50.00           | 50.00           | 50.00           | 50.00           |
| डब्ल्यूएस                            | 5.00            | 5.00            | 5.00            | 5.00            |
| एनएसएस                               | 20.00           | 20.00           | 20.00           | 20.00           |
| सांस्कृतिक शुल्क                     | 5.00            | 5.00            | 5.00            | 5.00            |
| विश्वविद्यालय पुस्तकालय शुल्क        | 0.00            | 0.00            | 0.00            | 3.00            |
| विश्वविद्यालय पुस्तकालय सुरक्षा      | 0.00            | 0.00            | 0.00            | 1000.00         |
| विश्वविद्यालय पुस्तकालय विकास निधि   | 0.00            | 0.00            | 0.00            | 200.00          |
| <b>कुल</b>                           | <b>24700.00</b> | <b>29170.00</b> | <b>26170.00</b> | <b>24969.00</b> |
| लाइब्रेरी सुरक्षा (वापसी योग्य)      | 500.00          | 500.00          | 500.00          | 500.00          |
| प्रयोगशाला सुरक्षा (वापसी योग्य)     |                 | 30.00           | 30.00           |                 |
| <b>कुल योग</b>                       | <b>25200.00</b> | <b>29700.00</b> | <b>26700.00</b> | <b>25469.00</b> |



# आरक्षण नीतियां

## अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

- कुल सीटों में से 22.5% सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो अदला-बदली की जा सकती है)। पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम का जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए:
  - उसकी जाति/जनजाति का नाम
  - अभ्यर्थी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है या नहीं
  - अभ्यर्थी के सामान्य निवास स्थान का जिला तथा राज्य या संघ राज्य क्षेत्र
  - भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची जिसके अंतर्गत उसकी जाति/जनजाति को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुमोदित किया गया है।
- अभ्यर्थी को प्रवेश के समय मूल वैध अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। निम्नलिखित को अपेक्षित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार है:
  - जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अतिरिक्त उपायुक्त/उप कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वेतनभोगी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/उप-विभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त।
  - मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/अपर मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।
  - राजस्व अधिकारी, जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।
  - उस क्षेत्र का उप-विभागीय अधिकारी जहां अभ्यर्थी और/या उसका परिवार सामान्यतः रहता है।
  - प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीप समूह)।
- उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी अन्य व्यक्ति/प्राधिकरण से प्राप्त एससी/एसटी प्रमाणपत्र किसी भी मामले में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उम्मीदवार एससी या एसटी से संबंधित है, तो उम्मीदवार की जाति/जनजाति भारत सरकार की उचित अनुसूची में सूचीबद्ध होनी चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेजों की ओर से एक वैधानिक दायित्व है।
- कॉलेज किसी भी एससी/एसटी उम्मीदवार को शिक्षा के माध्यम के आधार पर प्रवेश देने से मना नहीं करेंगे। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस उद्देश्य के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदान का उपयोग करके कॉलेज द्वारा उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

## अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

- 27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी – गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।
- ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है। ओबीसी की स्थिति राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा

अधिसूचित ओबीसी की केंद्रीय (भारत सरकार) सूची के आधार पर निर्धारित की जाएगी। वेबसाइट पर उपलब्ध: <http://ncbc.nic.in/backwardclasses/index.html>

- प्रमाण पत्र में अभ्यर्थी की गैर-क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए। डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93- स्थापना (एससी) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी गैर-क्रीमी लेयर स्थिति।
- ओबीसी उम्मीदवार जो 'नॉन-क्रीमी लेयर से संबंधित हैं और जिनकी जाति केवल ओबीसी की केंद्रीय सूची में दिखाई देती है, वे ओबीसी श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए विचार किए जाने के पात्र होंगे (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013-स्था) आरक्षण-I दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार उम्मीदवारों की 'नॉन-क्रीमी लेयर' स्थिति के संबंध में ओबीसी प्रमाण पत्र की वैधता अवधि। प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2023 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सीटों को भरना कॉलेजों का वैधानिक दायित्व है।

### आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

- दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचनाओं (संदर्भ संख्या Aca. I/EWS का आरक्षण/2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या Aca. I/EWS का आरक्षण/2019/101 दिनांक 15 मई 2019) के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) श्रेणी के लिए आरक्षण हेतु, विश्वविद्यालय विभागों/केंद्रों/कॉलेजों ने (EWS) श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं।

## पाठ्येतर गतिविधियों (ईसीए) और खेल अतिरिक्त कोटा पर प्रवेश

- सभी कॉलेजों के प्रत्येक कार्यक्रम में कुल स्वीकृत क्षमता का 5% (खेल के लिए 4% और ईसीए के लिए 1%) ईसीए और खेल अधिसंख्य कोटा के लिए आरक्षित।
- स्पोर्ट्स/ईसीए सुपरन्यूमरी कोटा के तहत आवेदन करने का विकल्प केवल सीएसएसएस (यूजी-2024) चरण I के तहत उपलब्ध है। सीएसएसएस (यूजी-2024) आवेदन शुल्क जमा करने के बाद, उम्मीदवार को स्पोर्ट्स/ईसीए सुपरन्यूमरी कोटा के तहत आवेदन करने का कोई विकल्प उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, अगर वह पहले इसके तहत पंजीकृत नहीं है।
- अभ्यर्थियों को अपनी प्राथमिकता के रूप में उस कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन का चयन करना होगा जिसमें ईसीए/खेल श्रेणी की पेशकश की जा रही है।
- ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमरी कोटा के तहत आवंटन वरीयता-भरने के दौरान उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक प्राथमिकताओं पर आधारित होगा। अपग्रेड विकल्प भी वरीयता भरने में उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक प्राथमिकताओं पर आधारित होगा।
- ईसीए और खेल दोनों के आधार पर ही 1 मई 2021-30 अप्रैल 2024 की समयावधि के बीच जारी किए गए प्रमाणपत्रों पर ही विचार किया जाएगा।
- ईसीए सुपरन्यूमरी कोटा के तहत प्रवेश के लिए उम्मीदवार के संयुक्त ईसीए मेरिट (सीईएम) स्कोर पर विचार किया जाएगा। उम्मीदवार का सीईएम स्कोर उन सभी कार्यक्रमों के उच्चतम कार्यक्रम-विशिष्ट सीयूईटी प्रतिशत स्कोर का



25% होगा, जिनमें उसने आवेदन किया है और ईसीए श्रेणियों से प्राप्त उच्चतम ईसीए स्कोर का 75% होगा, जिसके लिए उम्मीदवार पर विचार किया जा रहा है।

➤ अधिक जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय – सूचना बुलेटिन 2024–25 देखें।

### खेल सुपरन्यूमरेरी कोटा (2024–25) में प्रवेश के लिए कॉलेजों की सीट मैट्रिक्स

| क्र.सं. | खेल का नाम | सीटों की संख्या |
|---------|------------|-----------------|
| 1       | हॉकी       | 15              |
| 2       | क्रिकेट    | 6               |
| 3       | कबड्डी     | 5               |
| 4       | वालीबाल    | 5               |
| 5       | फुटबॉल     | 6               |
| 6       | खो-खो      | 6               |
| 7       | बेसबॉल     | 10              |
| 8       | जूदो       | 5               |
| कुल     |            | 58              |

### स्नातक प्रवेश के लिए ईसीए सीट मैट्रिक्स (2024–25)

| क्र.सं. | वर्ग                   | उप-श्रेणी                    | कोड  | सीटों की संख्या |
|---------|------------------------|------------------------------|------|-----------------|
| 1       | रचनात्मक लेखन          | रचनात्मक लेखन (अंग्रेजी)     | 1बी  | 1               |
| 2       | नृत्य                  | भारतीय शास्त्रीय             | 2ए   | 2               |
| 3       | वाद-विवाद              | वाद-विवाद (हिंदी)            | 3 ए  | 1               |
|         |                        | वाद-विवाद (अंग्रेजी)         | 3 बी | 1               |
| 4       | संगीत (गायन)           | भारतीय (शास्त्रीय और हल्का)  | 6ए   | 1               |
|         |                        | पश्चिमी (शास्त्रीय और हल्का) | 6बी  | 1               |
| 5       | संगीत (वाद्य: भारतीय)  | हरमोनियम बाजा                | 7फ   | 1               |
|         |                        | भारतीय बांसुरी               | 7 घ  | 1               |
| 6       | संगीत (वाद्य: पश्चिमी) | ड्रम                         | 8ए   | 1               |
|         |                        | गिटार (लीड)                  | 8 फ  | 1               |
|         |                        | कीबोर्ड                      | 8 घ  | 1               |
| 7       | थियेटर                 | थिएटर                        |      | 2               |
| 8       | प्रश्नोत्तरी           | प्रश्नोत्तरी                 |      | 1               |
| कुल     |                        |                              |      | 15              |

## अन्य अतिरिक्त कोटा पर प्रवेश

सुपरन्यूमरेरी कोटा के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग से आवंटन परिणाम घोषित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को सुपरन्यूमरेरी कोटा के तहत प्रवेश से संबंधित दिशा-निर्देशों और कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर जाना चाहिए। उन्हें नियमित रूप से अपना डैशबोर्ड भी देखना चाहिए।

### बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति (PwBD)

- सभी कॉलेजों के प्रत्येक कार्यक्रम में कुल स्वीकृत क्षमता का पांच प्रतिशत (5%) दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। दिव्यांग श्रेणी के लिए निर्धारित पात्रता और विकलांगता से संबंधित विवरण यूजी-बीओआई-2024 में दिए गए हैं।
- पीडब्ल्यूडी (PwBD) कोटे के तहत प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थियों के लिए अलग से आवंटन परिणाम घोषित किया जाएगा।
- 01.06.2021 के बाद जारी किए गए विकलांगता प्रमाण पत्र दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या 1736 (ई) दिनांक 05.05.2021 के अनुसार होने चाहिए और यूजीआईडी पोर्टल के माध्यम से आवेदन किए जाने चाहिए। हालाँकि, 01.06.2021 से पहले जारी किए गए विकलांगता प्रमाण पत्रों पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य मौजूदा लागू नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार विचार किया जाएगा।
- दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार, 'बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति का अर्थ है निर्दिष्ट दिव्यांगता का कम से कम चालीस प्रतिशत (40%) वाला व्यक्ति, जहाँ निर्दिष्ट दिव्यांगता को मापने योग्य शब्दों में परिभाषित नहीं किया गया है और इसमें वह दिव्यांगता वाला व्यक्ति शामिल है, जहाँ निर्दिष्ट दिव्यांगता को मापने योग्य शब्दों में परिभाषित किया गया है, जैसा कि प्रमाणन प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया है।' यह ध्यान देने योग्य है कि पूर्ववर्ती दिव्यांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 (1996 का नंबर 1), जिसके तहत पहले दाखिले में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण प्रदान किया जाता था, उसे अब निरस्त कर दिया गया है।
- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की अनुसूची में उल्लिखित दिव्यांगता की निम्नलिखित निर्दिष्ट श्रेणियों में से किसी के अंतर्गत आने वाले बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति (उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (ZC) देखें) उक्त आरक्षण का लाभ पाने के लिए पात्र हैं।

### सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे / विधवाएँ (CW)

- सभी कॉलेजों में कार्यक्रम के अनुसार सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चों / विधवाओं के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं।
- सीडब्ल्यू कोटे के तहत प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए अलग से मेरिट सूची घोषित की जाएगी।
- सीडब्ल्यू उम्मीदवारों को अपनी प्राथमिकता की भी पुष्टि करनी होगी। सीडब्ल्यू प्राथमिकता से संबंधित विवरण के लिए, यूजी बीओआई-2024 देखें।



### कश्मीरी प्रवासी (किमी)

- कश्मीरी प्रवासियों कोटे के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग से आवंटन परिणाम घोषित किए जाएंगे। कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में कार्यक्रम के अनुसार 5% तक सीटें आरक्षित हैं।
- कश्मीरी प्रवासियों के सभी बच्चों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र अपलोड करना होगा।

### जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएसएस)

- पीएमएसएसएस सुपरन्यूमरेरी कोटा का आवंटन यूजीसी के पत्र संख्या एफ 1-13/2018 (डीसी) दिनांक 03 जनवरी, 2019 के अनुसार होगा (24 फरवरी, 2018 को जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना पर अंतर-मंत्रालयी समिति की 21 वीं बैठक के कार्यवृत्त के आधार पर संस्थानों में पीएमएसएसएस सुपरन्यूमरेरी कोटा) एआईसीटीई और यूओडी के मानदंडों के अनुसार।

### सिक्किमी छात्रों के लिए सीटों का नामांकन (एसएस)

- सिक्किम के छात्रों के लिए नामांकित सीटों की उपलब्धता से संबंधित विवरण के लिए, यूजी बीओआई-2024 देखें।

### यूओडी वार्ड कोटा (डब्ल्यूक्यू)

- विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज कर्मचारियों के बच्चों, शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों, का प्रवेश अकादमिक परिषद के संकल्प 9ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों/अधिसूचनाओं के अनुसार किया जाएगा।
- उम्मीदवार को उचित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोजगार प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। प्रमाण पत्र में माता-पिता की रोजगार स्थिति का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। केवल CSAS(UG)-2024 आवेदन पत्र के समय अपलोड किए गए प्रमाण पत्र पर ही विचार किया जाएगा। आई-कार्ड, आधार कार्ड या कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा।

### अनाथों के लिए कोटा (OQ)

- दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम में दो अभ्यर्थियों (एक पुरुष और एक महिला) को प्रवेश देगा।
- विश्वविद्यालय परिषद ने यह भी संकल्प लिया कि विश्वविद्यालय या इसके महाविद्यालयों में ऐसे विद्यार्थियों के प्रवेश तथा अध्ययन जारी रखने के लिए किए गए व्यय को विश्वविद्यालय कल्याण निधि या महाविद्यालय विद्यार्थी कल्याण निधि से पूरा किया जाएगा।
- जो अभ्यर्थी अनाथ कोटे के अंतर्गत प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनाथालय/धर्मार्थ गृह से प्रमाण पत्र या माता-पिता दोनों का मृत्यु प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।

# एनईपी 2020 के तहत स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा (यूजीसीएफ का विवरण)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को चुने गए पाठ्यक्रम से कई बार प्रवेश और निकास की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है और यह छात्रों के समग्र विकास की ओर ले जाता है ताकि उन्हें अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क-2022 (यूजीसीएफ) के कार्यान्वयन के माध्यम से उद्योग के लिए तैयार किया जा सके। इस तरह के दृष्टिकोण का उद्देश्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण अनुभव प्रदान करना है, जहाँ वे अवलोकन, विश्लेषण और सीखते हैं। यूजीसीएफ को तैयार करते समय एनईपी के निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखा गया है:

1. शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में प्रत्येक छात्र के समग्र विकास को बढ़ावा देना;
2. छात्रों को लचीलापन प्रदान करना ताकि शिक्षार्थियों को अपनी शिक्षा चुनने की क्षमता मिले प्रक्षेप पथ और कार्यक्रम और इस प्रकार अपनी प्रतिभा के अनुसार जीवन में अपने रास्ते चुनते हैं;
3. विभिन्न विषयों/अध्ययन क्षेत्रों के बीच हानिकारक पदानुक्रम और उनके बीच की खाई को खत्म करना सीखने के विभिन्न क्षेत्र;
4. सभी ज्ञान की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए बहुविषयक और समग्र शिक्षा;
5. रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और तार्किक निर्णय लेने को प्रोत्साहित करना नवाचार;
6. नैतिकता और मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देना;
7. सीखने और सिखाने में बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति को बढ़ावा देना;
8. संचार, सहयोग, टीमवर्क और लचीलापन जैसे जीवन कौशल प्रदान करना;
9. उत्कृष्ट शिक्षा और विकास के लिए उत्कृष्ट अनुसंधान को बढ़ावा देना।

## एनईपी के तहत यूजीसीएफ का विवरण

1. **अकादमिक क्रेडिट:** यह एक इकाई है जिसके द्वारा पाठ्यक्रम कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक निर्देशों के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट प्रति सप्ताह एक घंटे के शिक्षण (व्याख्यान या ट्यूटोरियल) या दो घंटे के व्यावहारिक कार्य/क्षेत्र कार्य के बराबर होता है।
2. **अध्ययन के पाठ्यक्रम:** यह किसी विशेष विषय में अध्ययन के अनुसरण को दर्शाता है। प्रत्येक विषय अध्ययन के पाठ्यक्रमों की अलग-अलग श्रेणियाँ प्रदान करेगा, जैसे कि विषय विशेष कोर पाठ्यक्रम (DSCs), विषय विशेष ऐच्छिक (DSEs) और सामान्य ऐच्छिक (GEs), योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)।

| पाठ्यक्रमों के प्रकार                       | विवरण   |
|---|---|
| अनुशासन विशिष्ट अनिवार्य (डीएससी) पाठ्यक्रम | चुने गए पाठ्यक्रम से एक अनिवार्य पेपर   |
| अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (डीएसई) पाठ्यक्रम    | चुने गए पाठ्यक्रम से एक वैकल्पिक पेपर   |
| ईसीसीसी (क्षमता संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम) | साहित्य, पर्यावरण जैसे अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान संवर्धन; आमतौर पर सभी पाठ्यक्रमों के लिए एक अनिवार्य पेपर प्रदान किया जाता है |



|                                   |  |
|-----------------------------------|--|
| एसईसी (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)    | व्यावहारिक प्रशिक्षण, दक्षता और एसईसी (ज्ञान, कौशल और योग्यता) के एक निश्चित सेट के लिए एक वैकल्पिक पेपर।  |
| जीई (जेनेरिक इलेक्टिव)            | जिस विभाग में प्रवेश लिया गया है, उसके अलावा अन्य विभागों का एक वैकल्पिक पेपर। उदाहरण के लिए, बी.कॉम (ऑनर्स) छात्र अर्थशास्त्र या अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रस्तुत जी.ई. पेपर का विकल्प चुन सकता है। |
| वी.ए.सी. (मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम) | एनईपी 2020 में एक नए प्रकार का पेपर जिसका उद्देश्य व्यक्तित्व विकास, संचार और भारतीय संस्कृति, समाज के बारे में ज्ञान पैदा करना है।  |

**ए) अनुशासन विशिष्ट कोर (DSC) :** यह अध्ययन का एक कोर्स है, जिसे छात्र को अपने अध्ययन कार्यक्रम की अनिवार्य आवश्यकता के रूप में करना चाहिए। DSC उस विशेष अनुशासन के मुख्य क्रेडिट पाठ्यक्रम होंगे, जिन्हें NEP 2020 के अनुसार छात्र द्वारा किए जा रहे अध्ययन के सेमेस्टर में उचित रूप से वर्गीकृत और व्यवस्थित किया जाएगा, जिसमें कई निकास विकल्प होंगे। फ्रेमवर्क में निर्दिष्ट DSC को संबंधित विभाग द्वारा किसी कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले मुख्य पाठ्यक्रमों के रूप में पहचाना जाएगा। उदाहरण के लिए, एकल अनुशासन विशिष्ट ऑनर्स डिग्री, जैसे कि बी.कॉम (ऑनर्स), बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और इसी तरह के अन्य कार्यक्रम के लिए, DSC क्रमशः वाणिज्य, अंग्रेजी और भौतिकी के मुख्य पाठ्यक्रम होंगे। हालांकि बीएससी (ऑनर्स) लाइफ साइंसेज, बीए (ऑनर्स) सोशल साइंसेज / ह्यूमैनिटीज जैसे 'अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों के क्षेत्र (एकल विषय के अलावा) में ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम करने के लिए, डीएससी में एक से अधिक विषयों के कोर क्रेडिट पाठ्यक्रम शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, बीएससी (ऑनर्स) लाइफ साइंसेज प्रोग्राम के लिए, एक छात्र तीन विषयों यानी वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेगा। डीएससी 1 विषय ए1 (मान लें वनस्पति विज्ञान) का हो सकता है, डीएससी 2 विषय बी 1 (मान लें प्राणीशास्त्र) का हो सकता है और डीएससी 3 विषय सी 1 (मान लें रसायन विज्ञान) हो सकता है। हालांकि, ऐसे ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम का चौथा वर्ष केवल एक विषय के अध्ययन के लिए समर्पित होगा।

**बी) अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (DSE):** यह उस विशेष अनुशासन (अध्ययन का एकल अनुशासन कार्यक्रम) या उन विषयों (अध्ययन का बहुविषयक कार्यक्रम) के क्रेडिट पाठ्यक्रमों का एक पूल होगा, जैसा भी मामला हो, जिसे कोई छात्र अपने विशेष अनुशासन से अध्ययन करने के लिए चुनता है। वेम का एक पूल होगा जिसमें से कोई छात्र अध्ययन का पाठ्यक्रम चुन सकता है। रूपरेखा में निर्दिष्ट DSE की पहचान संबंधित विभाग द्वारा किसी कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के रूप में की जाएगी। उदाहरण के लिए, B.Sc. (ऑनर्स) भौतिकी को आगे बढ़ाने के लिए, चुने गए DSE भौतिकी के DSE के पूल से होने चाहिए। इसी तरह, B.Sc. (ऑनर्स) जीव विज्ञान कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए, चुने गए DSE वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान के DSE पाठ्यक्रमों का एक पूल होना चाहिए, जो अध्ययन के इस कार्यक्रम के मुख्य विषय हैं। हालांकि, 'बहुविषयक अध्ययन पाठ्यक्रमों के क्षेत्र' (एकल विषय के बजाय) जैसे कि बीएससी (ऑनर्स) जीवन विज्ञान, बीए (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान / मानविकी में ऑनर्स डिग्री कार्यक्रम करने के लिए, ऐसे ऑनर्स डिग्री कार्यक्रम के चौथे वर्ष में VII और VIII सेमेस्टर में, छात्र को विषयों ए / बी / सी में से किसी एक से डीएसई चुनना होगा, न कि इन तीन विषयों के संयोजन से।

**सी) जेनेरिक इलेक्टिव (जीई):** यह पाठ्यक्रमों का एक समूह होगा जिसका उद्देश्य छात्रों को बहुविषयक या अंतःविषयक शिक्षा प्रदान करना है। जीई में अध्ययन के विभिन्न विषयों (मूल विषय द्वारा पेश किए गए जीई को छोड़कर) द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक समूह शामिल होगा, जो विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में होगा, जिसमें स्वयं की इच्छा से छात्र चुन सकता है। फ्रेमवर्क में निर्दिष्ट जीई को संबंधित विभाग द्वारा किसी कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले

जीई के रूप में पहचाना जाएगा। यदि कोई छात्र अपने अध्ययन के विषय विशेष पाठ्यक्रम से परे डीएसई का विकल्प चुनता है, तो ऐसे डीएसई को उस छात्र के लिए जीई माना जाएगा।

**डी) योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC), कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) और मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC):**

ये तीन पाठ्यक्रम सभी विभागों द्वारा विषम और सम सेमेस्टर के समूहों में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का एक समूह होंगे, जिनमें से छात्र चुन सकते हैं। एक छात्र जो अकादमिक प्रोजेक्ट/उद्यमिता को माइनर के रूप में बनाना चाहता है, उसे GE, SEC, VAC, और इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/कम्युनिटी (IAPC) के पाठ्यक्रमों का उचित संयोजन चुनना होगा, जो अध्ययन की योजना में निर्दिष्ट विभिन्न मापदंड के रूप में पेश किए जाएंगे।

- (i) एईसी पाठ्यक्रम ऐसे पाठ्यक्रम हैं जो अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान वृद्धि की ओर ले जाते हैं। वे हैं भाषा और साहित्य तथा पर्यावरण विज्ञान और सतत विकास जो सभी विषयों के लिए अनिवार्य होंगे।
- (ii) एसईसी सभी विषयों में कौशल-आधारित पाठ्यक्रम हैं और इनका उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, योग्यता, प्रवीणता और कौशल प्रदान करना है। एसईसी पाठ्यक्रम कौशल-आधारित निर्देश प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों के समूह से चुने जा सकते हैं। प्रत्येक विषय कौशल-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान कर सकता है, जिनमें से कुछ अपने विषय के छात्रों को दिए जा सकते हैं जबकि बाकी सभी अन्य विषयों के छात्रों के लिए खुले हो सकते हैं।
- (iii) बीएससी. पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रमों का सामान्य समूह है, जिसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को समाहित करना, आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और शारीरिक शिक्षा तथा टीम वर्क को बढ़ावा देना है, जिससे छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद मिलेगी।

**3. प्रमुख अनुशासन**

- क) किसी विशिष्ट विषय (कोर कोर्स) में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम करने वाले छात्र को आठवां सेमेस्टर पूरा होने पर उस विषय में मेजर के साथ उचित ऑनर्स डिग्री प्रदान की जाएगी, यदि छात्र उस विषय में कुल क्रेडिट का कम से कम 50% प्राप्त करता है, अर्थात् कुल 176 क्रेडिट में से कम से कम 88 क्रेडिट उस विषय में प्राप्त करता है। छात्र को आठ सेमेस्टर में 20 डीएससी और कम से कम 2 डीएसई की पढ़ाई करनी होगी।

उदाहरण के लिए, बी.कॉम. (ऑनर्स) करने वाले छात्र को वाणिज्य में प्रमुख विषय प्राप्त करने के लिए 20 डीएससी से न्यूनतम 88 क्रेडिट और कम से कम दो डीएसई अर्जित करने होंगे।

- ख) एक से अधिक विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को कोर कोर्स के रूप में करने वाले छात्र (उदाहरण के लिए बीए सामाजिक विज्ञान/मानविकी, बीएससी जीवन विज्ञान, बीएससी भौतिक विज्ञान, बीएससी गणितीय विज्ञान, बीकॉम और ऐसे अन्य कार्यक्रम) को आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर एक विषय में मेजर के साथ उपयुक्त ऑनर्स की डिग्री प्रदान की जाएगी, अगर छात्र उस विषय में कुल 176 क्रेडिट में से 80 क्रेडिट हासिल करता है। छात्र पहले छह सेमेस्टर में उस विषय में 6 डीएससी और कम से कम 3 डीएसई का अध्ययन करेगा और सातवें और आठवें सेमेस्टर में उस विषय में 2 डीएससी, 6 डीएसई का अध्ययन करेगा और शोध प्रबंध लिखेगा। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो चार वर्षीय बीए (ऑनर्स) सामाजिक विज्ञान/मानविकी करता है, वह आठवें सेमेस्टर के पूरा होने पर इतिहास में मेजर के लिए पात्र होगा।

**4. मामूली अनुशासन**

ऊपर 3(ए) में उल्लिखित किसी छात्र को आठवां सेमेस्टर पूरा करने पर किसी विषय में माइनर की उपाधि दी जा सकती है, यदि कोई छात्र उस विषय के सात जी.ई. पाठ्यक्रमों से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, यदि बीए (ऑनर्स) इतिहास में अध्ययन करने वाला कोई छात्र कुल दस जी.ई. पाठ्यक्रमों में से राजनीति विज्ञान



के सात जी.ई. पाठ्यक्रम चुनता है और शोध प्रबंध लिखता है, तो छात्रों को आठवां सेमेस्टर सफलतापूर्वक पूरा करने पर इतिहास में मेजर और राजनीति विज्ञान में माइनर की उपाधि दी जाएगी।

ऊपर 3(बी) में उल्लिखित छात्र को आठवीं सेमेस्टर के पूरा होने पर किसी विषय में माइनर की उपाधि दी जा सकती है, यदि वह छात्र छह डीएससी (DSC) और उस विषय के एक डीएसई (DSE) से न्यूनतम 28 क्रेडिट अर्जित करता है। उदाहरण के लिए, इतिहास में मेजर के साथ चार वर्षीय बीए (ऑनर्स) सोशल साइंसेज / ह्यूमैनिटीज (इतिहास में कम से कम 80 क्रेडिट हासिल करने के बाद) करने वाले छात्र को आठवीं सेमेस्टर के सफलतापूर्वक पूरा होने पर हिंदी में माइनर की उपाधि दी जा सकती है, यदि वह छात्र छह डीएससी (DSC) और हिंदी के एक डीएसई (DSE) (छठे सेमेस्टर तक) से 28 क्रेडिट अर्जित करता है।

माइनर की यह परिभाषा जी.ई. से स्वतंत्र है, जिसके लिए माइनर माने जाने के लिए 28 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।

इसके अलावा, यदि कोई छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित जैसे तीन विषयों के बजाय भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे दो विषयों का चयन करता है, तो मेजर और माइनर का निर्धारण अध्ययन के संबंधित पाठ्यक्रमों में अर्जित क्रेडिट के अनुसार किया जाएगा। माइनर की अवधारणा केवल तभी प्रासंगिक है जब कोई मेजर विषय हो।

#### तालिका: निकास के चरण और क्रेडिट का वितरण

| क्र.सं. | पुरस्कार का प्रकार  | निकास का चरण                      | अनिवार्य क्रेडिट |
|---------|---|-----------------------------------|------------------|
| 1       | अध्ययन के क्षेत्र में स्नातक पाठ्यक्रम  | सेमेस्टर II के सफल समापन के बाद   | 44               |
| 2       | अध्ययन के क्षेत्र में स्नातक पाठ्यक्रम  | सेमेस्टर IV के सफल समापन के बाद   | 88               |
| 3       | स्नातक (अध्ययन का क्षेत्र) ऑनर्स अनुशासन (एकल कोर अनुशासन के लिए)   | सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद   | 132              |
| 4       | स्नातक (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र)  | सेमेस्टर VI के सफल समापन के बाद   | 132              |
| 5       | (अध्ययन का क्षेत्र / विषय) स्नातक (अनुसंधान / शैक्षणिक परियोजनाओं / उद्यमिता के साथ ऑनर्स) विषय के लिए (अध्ययन का एकल कोर विषय पाठ्यक्रम) | सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद | 176              |
| 6       | स्नातक (अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रमों का क्षेत्र) ऑनर्स  | सेमेस्टर VIII के सफल समापन के बाद | 176              |

## यूजीसीएफ की संरचना

| छमाही   | अवधि  | क्रेडिट          | कुल क्रेडिट | छमाही   | अवधि  | क्रेडिट | कुल क्रेडिट |
|---|---|------------------|-------------|---|---|---------|-------------|
| प्रथम   | कोर (अनुशासन विशिष्ट कोर) (DSC)                               | 4                |             |   | कोर (अनुशासन विशिष्ट कोर) (DSC)                               | 4       |             |
|   | • डीएससी-1  | 4                |             |   | • डीएससी-4  | 4       |             |
|   | • डीएससी-2  | 4                | 12          |   | • डीएससी-5  | 4       | 12          |
|   | • डीएससी-3  | 4                |             |   | • डीएससी-6  | 4       |             |
|   | जेनेरिक इलेक्टिव (GE)   | 4                | 4           | द्वितीय   | जेनेरिक इलेक्टिव (GE)   | 4       | 4           |
|   | • जी.ई.-1 (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)               |                  |             |   | • जी.ई.-2 (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)               |         |             |
|   | क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)                                | 2                | 2           |   | क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)                                | 2       | 2           |
|   | • ए.ई.सी. (ए.ई.सी. पाठ्यक्रमों के समूह में से एक का चयन करें) |                  |             |   | • ए.ई.सी. (ए.ई.सी. पाठ्यक्रमों के समूह में से एक का चयन करें) |         |             |
|   | कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)                                  | 2                | 2           |   | कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)                                  | 2       | 2           |
|   | • एसईसी (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)                 |                  |             |   | • एसईसी (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)                 |         |             |
| मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)   | 2   | 2                |             | मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)                                 | 2   | 2       |             |
| • VAC (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)   |   |                  |             | • VAC (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)                   |   |         |             |
| सेमेस्टर-I के अंत में कुल क्रेडिट   |   | 22               |             | सेमेस्टर-II के अंत में कुल क्रेडिट                            |   | 22      |             |
| बाहर निकलने वाले छात्रों को सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक प्रमाणपत्र (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा। |   |                  |             |   |   |         |             |
| तृतीय   | कोर (अनुशासन विशिष्ट कोर) (DSC)                               | 4                |             |   | कोर (अनुशासन विशिष्ट कोर) (DSC)                               | 4       |             |
|   | • डीएससी-7  | 4                |             |   | • डीएससी-10   | 4       |             |
|   | • डीएससी-8  | 4                | 12          | चतुर्थ  | • डीएससी-11   | 4       | 12          |
|   | • डीएससी-9  | 4                | 4           |   | • डीएससी-12   | 4       | 4           |
|   | अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (DSE)                                  | 4                | 4           |   | अनुशासन विशिष्ट ऐच्छिक (DSE)                                  | 4       | 4           |
|   | • डीएसई-1 (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)               |                  |             |   | • डीएसई-2 (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)               |         |             |
|   | या  |                  |             |   | या  |         |             |
|   | जेनेरिक इलेक्टिव (GE)   | 2                | 2           |   | जेनेरिक इलेक्टिव (GE)   | 2       | 2           |
|   | • जी.ई.-3 (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)               |                  |             |   | • जी.ई.-4 (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)               |         |             |
|   | क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)                                | 2                | 2           |   | क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)                                | 2       | 2           |
| • ए.ई.सी. (ए.ई.सी. पाठ्यक्रमों के समूह में से एक का चयन करें)   |   |                  |             | • ए.ई.सी. (ए.ई.सी. पाठ्यक्रमों के समूह में से एक का चयन करें) |   |         |             |
| कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)  | 2   | 2                |             | कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)                                  | 2   | 2       |             |
| • एसईसी (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)   |   |                  |             | • एसईसी (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)                 |   |         |             |
| या  |   |                  |             | या  |   |         |             |
| इंटर्नशिप/प्रशिक्षता/परियोजना/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी)  |   |                  |             | इंटर्नशिप/प्रशिक्षता/परियोजना/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी)      |   |         |             |
| मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)   | 2   | 2                |             | मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)                                 | 2   | 2       |             |
| • VAC (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)   |   |                  |             | • VAC (पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें)                   |   |         |             |
| सेमेस्टर-III के अंत में कुल क्रेडिट   |   | 22               |             | सेमेस्टर-IV के अंत में कुल क्रेडिट                            |   | 22      |             |
| अपेक्षित 88 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा                          |   |                  |             |   |   |         |             |
| सेमेस्टर पट के पूरा होने पर   |   | कुल क्रेडिट = 88 |             |   |   |         |             |





# मूल्यांकन के मानदंड

सिद्धांत परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन सिद्धांत के साथ-साथ ट्यूटोरियल कक्षाओं में किए गए शिक्षण-अधिगम का संचयी मूल्यांकन होगा।

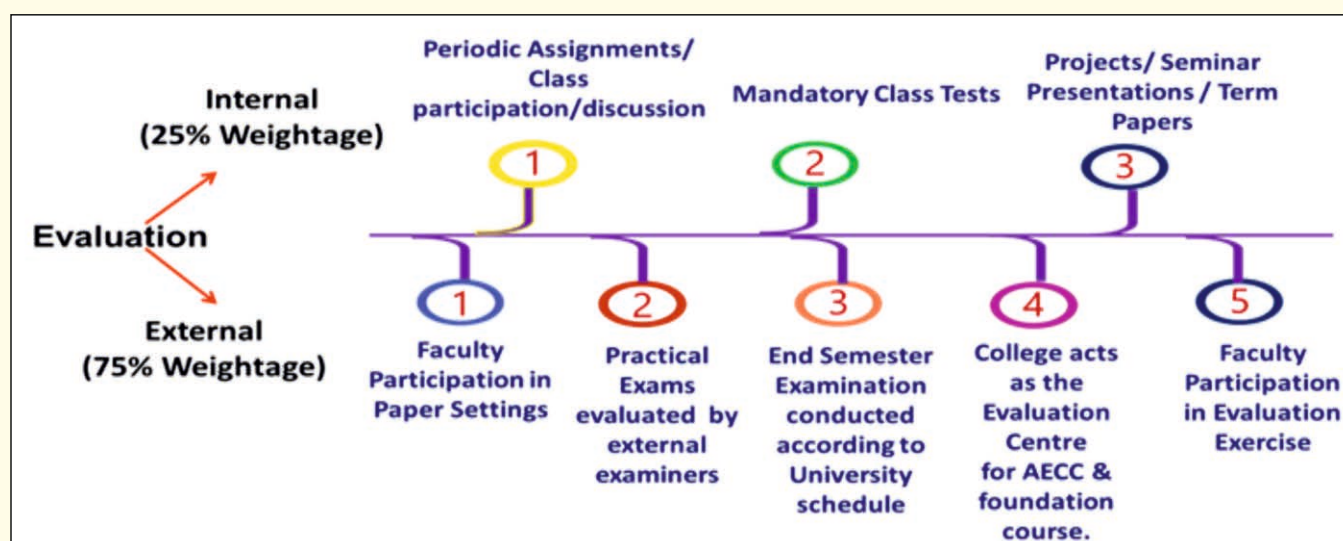
➤ विभिन्न ऋण वितरण पैटर्न के लिए मूल्यांकन निम्नानुसार होगा:

| कुल क्रेडिट | एल | टी | पी | अंतिम सत्र सिद्धांत परीक्षा के अंक | आंतरिक मूल्यांकन (आईए) अंक | सिद्धांत परीक्षा और IA का कुल योग | सिद्धांत परीक्षा की अवधि | ट्यूटोरियल |        | व्यावहारिक अंक |  |               |     | कुल अंक |
|-------------|----|----|----|------------------------------------|----------------------------|-----------------------------------|--------------------------|------------|--------|----------------|--|---------------|-----|---------|
|             |    |    |    |                                    |                            |                                   |                          | सीए        | मैं एक | सीए            | अंतिम सत्र की व्यावहारिक / लिखित परीक्षा | मौखिक परीक्षा | कुल |         |
| 4           | 3  | 1  | 0  | 90                                 | 30                         | 120                               | 3 घंटे                   | 30         | 10     | 0              | 0  | 0             | 0   | 160     |
| 4           | 3  | 0  | 1  | 90                                 | 30                         | 120                               | 3 घंटे                   | 0          | 0      | 10             | 20                                       | 10            | 40  | 160     |
| 4           | 0  | 0  | 4  | 0                                  | 0                          | 0                                 | ना                       | 0          | 0      | 40             | 80*                                      | 40            | 160 | 160     |
| 4           | 1  | 0  | 3  | 30                                 | 10                         | 40                                | 1 घंटा                   | 0          | 0      | 30             | 60                                       | 30            | 120 | 160     |
| 4           | 2  | 0  | 2  | 60                                 | 20                         | 80                                | 2 घंटे                   | 0          | 0      | 20             | 40                                       | 20            | 80  | 160     |
| 2           | 1  | 0  | 1  | 30                                 | 10                         | 40                                | 1 घंटा                   | 0          | 0      | 20             | 10                                       | 10            | 40  | 80      |
| 2           | 0  | 0  | 2  | 0                                  | 0                          | 0                                 | ना                       | 0          | 0      | 40             | 20                                       | 20            | 80  | 80      |
| 2           | 2  | 0  | 0  | 60                                 | 20                         | 80                                | 2 घंटे                   | 0          | 0      | 0              | 0  | 0             | 0   | 80      |

\* यदि 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए कोई अंतिम सत्र प्रायोगिक परीक्षा नहीं होती है, जिसमें केवल प्रायोगिक घटक होता है, तो यह अंक प्रायोगिक के सतत मूल्यांकन में जोड़ दिया जाएगा तथा प्रायोगिक के लिए CA का कुल योग 120 होगा।

CA: सतत मूल्यांकन

IA: आंतरिक मूल्यांकन



Continuous Assessment and Evaluation



- कुल चार क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंकों में निम्नलिखित शामिल होंगे :
  - (i) सतत मूल्यांकन (25%)
  - (ii) अंतिम सत्र की व्यावहारिक परीक्षा (50%)
  - (iii) मौखिक परीक्षा (25%)
- कुल दो क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंकों में निम्नलिखित शामिल होंगे :
  - (i) सतत मूल्यांकन (50%)
  - (ii) अंतिम सत्र की व्यावहारिक / लिखित परीक्षा (25%)
  - (iii) मौखिक (25%)
- व्याख्यान सिद्धांत प्रायोगिक (एलटीपी) संरचना के विभिन्न संयोजनों में कुल अंकों के अंतर को अंकों को ग्रेड में बदलने के लिए उचित रूप से तैयार किए गए फार्मूले के माध्यम से गणना किए गए "भारित औसत" की सहायता से संरेखित किया जाएगा।
- आंतरिक मूल्यांकन में कक्षा परीक्षण, असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए, कक्षा परीक्षण में 10 अंक शामिल होंगे, ट्यूटोरियल के घटक के रूप में किए गए असाइनमेंट / प्रस्तुतिकरण / प्रोजेक्ट / गतिविधि में 10 अंक शामिल होंगे और उपस्थिति 5 अंक होगी।
- सतत मूल्यांकन पद्धति के लिए न्यूनतम उपस्थिति 66% आवश्यक है।
- यदि कोई छात्र सतत मूल्यांकन में असफल हो जाता है, तो छात्र को पेपर / पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए पाठ्यक्रम में पुनः प्रवेश लेना होगा।
- यूजीसीएफ के तहत छात्रों का मूल्यांकन ग्रेड की एक प्रणाली के अनुसार किया जाता है, जिसकी गणना संचयी ग्रेड पॉइंट औसत (सीजीपीए) के आधार पर की जाती है। इस सीजीपीए को 0 से 10 के पैमाने पर सभी सेमेस्टर के समेकित स्कोर के रूप में लिया जाता है, जिसका वर्गीकरण नीचे प्रस्तुत किया गया है:

**तालिका: ग्रेडों का वर्गीकरण**

| श्रेणी |            | सीजीपीए |
|--------|------------|---------|
| हे     | असाधारण    | 10      |
| ए+     | उत्कृष्ट   | 9       |
| ए      | बहुत अच्छा | 8       |
| बी+    | अच्छा      | 7       |
| बी     | औसत से ऊपर | 6       |
| सी     | औसत        | 5       |
| पी     | उत्तीर्ण   | 4       |
| एफ     | असफल       | 0       |
| अब     | अनुपस्थित  | 0       |

# छात्र संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

## पहचान पत्र

प्रत्येक छात्र को प्रवेश के तुरंत बाद कॉलेज द्वारा पहचान पत्र जारी किया जाता है। छात्र से अपेक्षा की जाती है कि वह अपना पहचान पत्र हमेशा अपने साथ रखे। जब भी कॉलेज परिसर में या बाहर कॉलेज स्टाफ के किसी सदस्य द्वारा ऐसा करने के लिए कहा जाए या जब वह फीस जमा करने या किसी अन्य उद्देश्य से कॉलेज कार्यालय जाए या जब वह कॉलेज लाइब्रेरी जाए, तो छात्र को अपना पहचान पत्र दिखाना होगा। यदि पहचान पत्र खो जाता है, तो डुप्लिकेट कार्ड जारी करने के लिए 50/- रुपये का शुल्क लिया जाएगा।

## उपस्थिति विनियम

विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होने के लिए प्रत्येक छात्र को शैक्षणिक वर्ष के दौरान आयोजित कुल व्याख्यानों/प्रेक्टिकल में से कम से कम दो-तिहाई उपस्थिति पूरी करनी होगी, अन्यथा छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्र विश्वविद्यालय द्वारा अपने अध्यादेश VII में निर्धारित नियमों और विनियमों द्वारा शासित होते हैं।

माता-पिता/अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में अपने बच्चे की उपस्थिति की स्थिति जानें। प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में कम उपस्थिति वाले छात्रों को कॉलेज छात्र उपस्थिति समिति द्वारा सूचित किया जाता है।

## विश्वविद्यालय परीक्षा

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में छात्रों के अंतिम मूल्यांकन के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करता है। विस्तृत जानकारी के लिए, छात्रों को नियमित रूप से कॉलेज के नोटिस बोर्ड के साथ-साथ कॉलेज/विश्वविद्यालय की वेबसाइट भी देखते रहना चाहिए।

**नोट:** किसी भी छात्र को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए तब तक योग्य नहीं माना जाएगा जब तक कि वह आवश्यक उपस्थिति नियमों और अन्य शर्तों को पूरा नहीं करता है।

## प्रवास

1. विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रथम वर्ष में किसी स्थानांतरण की अनुमति नहीं है।
2. अन्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष में स्थानांतरण की अनुमति विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार दी जा सकती है, बशर्ते सीटों की उपलब्धता और महाविद्यालय द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंकों का प्रतिशत हो।

## कॉलेज का अनुशासन

1. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अनुशासन का उच्च स्तर बनाए रखें और ब्रांड श्याम लाल कॉलेज की प्रतिष्ठा को बढ़ावा देने तथा सौहार्द, पारस्परिक सम्मान और स्वस्थ भाईचारे की भावना विकसित करने का प्रयास करें।
2. जिस छात्र के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है, उसे दोबारा प्रवेश नहीं दिया जा सकता है। ऐसे छात्र पर अनुशासनात्मक कार्यवाही के अलावा, कॉलेज प्रॉक्टोरियल बोर्ड द्वारा तय किए गए किसी भी पुरस्कार या पद को जब्त करने का दायित्व होगा। कॉलेज में एक बहुत ही सक्रिय प्रॉक्टोरियल बोर्ड है और वर्तमान में अर्थशास्त्र विभाग के श्री संजीव कुमार बोर्ड के संयोजक हैं। छात्र किसी भी तरह की जानकारी, सहायता और आपातकाल के लिए प्रॉक्टोरियल बोर्ड से संपर्क कर सकते हैं। कॉलेज ने एक बहुत ही सक्रिय सुरक्षा एजेंसी भी तैनात की है और किसी भी सहायता या



आपातकाल के मामले में, छात्र कॉलेज गेट के पास अपने कार्यालय में सुरक्षा पर्यवेक्षक से संपर्क कर सकते हैं (सभी आपातकालीन/हेल्पलाइन नंबर कॉलेज गेट पर प्रदर्शित हैं)।

## छात्रों के लिए आचार संहिता

1. छात्र को इनसे बचना चाहिए;
  - स्टाफ के सदस्यों (शिक्षण और प्रशासनिक) और साथी छात्रों के प्रति दुर्व्यवहार;
  - धूम्रपान, शराब पीना, जुआ खेलना और किसी भी रूप में नशीली दवाओं का सेवन करना;
  - छेड़-छाड़ करना;
  - बरामदे में मार्ग में बाधा डालना;
  - कॉलेज भवन, फर्नीचर, फिक्सचर, बगीचे, कैंटीन क्रॉकरी या किसी अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचाना;
  - कक्षाओं में या बाहर शोर मचाना;
  - कॉलेज में किसी भी रूप में अनुशासनहीनता पैदा करने के लिए बाहरी लोगों के साथ मिलना—जुलना प्रतिबंधित है। किसी भी बाहरी व्यक्ति को बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के कॉलेज में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी और सभी आगंतुकों को आगंतुक रजिस्टर में प्रविष्टि करनी होगी।
  - छुट्टियों के दौरान कॉलेज भवन में अनाधिकृत प्रवेश
  - कॉलेज परिसर के अंदर अनाधिकृत वाहन पार्किंग।
2. छात्रों को उपरोक्त खंड (ए) से (आई) में सूचीबद्ध किसी भी अपराध या प्रॉक्टोरियल बोर्ड द्वारा कदाचार माने जाने वाले किसी अन्य व्यवहार के लिए संक्षिप्त सजा दी जा सकती है।
3. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी कक्षाओं में नियमित रहें।
4. विद्यार्थियों को कॉलेज को साफ—सुथरा रखना चाहिए।
5. छात्रों को लाइब्रेरी में पूर्ण शांति बनाए रखनी चाहिए और स्थायी आदेशों का पालन करना चाहिए। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे सुविधाओं का उचित उपयोग करें।
6. छात्र खेल समिति द्वारा बनाए गए नियमों और विनियमों का पालन करते हुए अपने पसंदीदा खेलों में भाग ले सकते हैं।
7. छात्रों को अपना पहचान पत्र हमेशा अपने पास रखना चाहिए तथा मांगे जाने पर उसे प्रस्तुत करना चाहिए।
8. छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज की सूचनाओं/गतिविधियों/कार्यक्रमों की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए सामान्य सूचना बोर्ड, खेल सूचना बोर्ड, पुस्तकालय सूचना बोर्ड के साथ—साथ कॉलेज की वेबसाइट को प्रतिदिन देखें।
9. दिल्ली शहर को साफ—सुथरा रखने के लिए पश्चिम बंगाल संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम लागू किया गया है। इसके प्रावधानों का उल्लंघन करने पर छह महीने की कैद या 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।
10. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे कॉलेज में शिक्षण समय के दौरान किसी भी अतिथि को आमंत्रित न करें।
11. छात्रों के सुझावों का सदैव स्वागत है तथा उन पर उचित ध्यान दिया जाएगा।
  - छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित आचार संहिता को बनाए रखने के लिए वचनबद्धता भरनी होगी, अन्यथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।
  - छात्रों को कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर रैगिंग निषेध के संबंध में एक ऑनलाइन वचनबद्धता प्रस्तुत करनी होगी।
12. छात्रों के लिए परिसर के अंदर किसी भी चार पहिया वाहन की अनुमति नहीं है।

# विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण अध्यादेश

सफल उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के अध्यादेशों का पालन करना होगा और प्रवेश के समय उन्हें इस आशय का लिखित वचन देना होगा। महत्वपूर्ण अध्यादेशों के कुछ अंश यहाँ प्रस्तुत हैं।

## अध्यादेश XV-B: विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित सभी शक्तियां कुलपति में निहित हैं।
2. कुलपति समस्त या ऐसी शक्तियां, जिन्हें वह उचित समझे, कुलानुशासक को तथा ऐसे अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें वह इस निमित्त निर्दिष्ट करे एवं प्रत्यायोजित कर सकेगा।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित कार्य घोर अनुशासनहीनता के माने जाएंगे:
  - क. किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी छात्र के विरुद्ध शारीरिक हमला करना या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना।
  - ख. किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना
  - ग. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन
  - घ. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन
  - ङ. महिलाओं के प्रति कोई भी अपमानजनक व्यवहार — चाहे मौखिक हो या अन्यथा
  - च. किसी भी तरह से रिश्ते देने या भ्रष्टाचार का कोई भी प्रयास
  - छ. संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश
  - ज. धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुर्भावना या असहिष्णुता पैदा करना
  - झ. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी तरह से व्यवधान पैदा करना;
  - ञ. अध्यादेश XV-C के अनुसार रैगिंग पर प्रतिषेध।
4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्यवाही करने के लिए जो उसे उचित लगे, कुलपति अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दे सकते हैं या निर्देश दे सकते हैं कि कोई भी छात्र या छात्र:
  - क) निष्कासित करना
  - ख) एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए
  - ग) विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय, विभाग या संस्थान में अध्ययन के किसी कार्यक्रम या कार्यक्रमों में निर्दिष्ट अवधि के लिए प्रवेश नहीं दिया गया हो
  - घ) निर्धारित राशि का जुर्माना लगाया जा सकता है
  - ङ) विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में बैठने से एक या अधिक वर्षों के लिए वंचित किया जा सकता है; या संबंधित छात्र या छात्रों का उस परीक्षा या परीक्षाओं का परिणाम, जिसमें वह उपस्थित हुआ है, रद्द कर दिया जा सकता है।



5. संबंधित विभागों में शिक्षण के लिए संस्थाएं, हॉल और शिक्षण कार्य। वे अपने कॉलेजों, संस्थाओं या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहाँ आवश्यक हो, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और इस विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा अनुपूरित किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह इन नियमों की एक प्रति अपने पास उपलब्ध कराए। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश के समय वह कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र के अधीन है, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए अधिनियमों, संविधि, अध्यादेशों और नियमों के तहत अनुशासन लागू करने का अधिकार दिया जा सकता है।

### अध्यादेश XV-C: रैगिंग पर प्रतिषेध एवं दण्ड

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर में तथा दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी भाग में तथा सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग पूर्णतया प्रतिबंधित है।
2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कृत्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है तथा उससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का अर्थ सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या व्यवहार है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रभुत्व शक्ति या स्थिति का प्रयोग नए नामांकित छात्रों या उन छात्रों पर किया जाता है जिन्हें अन्य छात्र किसी भी तरह से कनिष्ठ या निम्नतर मानते हैं; और इसमें ऐसे व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या व्यवहार शामिल हैं जो:
  - क) इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है।
  - ख) महिला छात्राओं की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।
  - ग) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।
  - घ) छात्रों को उपहास और तिरस्कार का सामना करना पड़ता है तथा उनके आत्मसम्मान पर असर पड़ता है।
  - ङ) इसमें मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।
4. किसी कॉलेज के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष या संस्थान, कॉलेज या विश्वविद्यालय के छात्रावास या आवास गृह के प्राधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
5. उपरोक्त खंड में किसी बात के होते हुए भी, प्रॉक्टर स्वयं भी रैगिंग की किसी घटना की जांच कर सकता है तथा रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान तथा घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट दे सकता है।
6. प्रॉक्टर रैगिंग करने वालों की पहचान तथा घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।
7. यदि किसी महाविद्यालय के प्राचार्य या विभागाध्यक्ष या संस्था के कुलानुशासक या कुलानुशासक को यह विश्वास हो कि किसी कारणवश, जिसे लिखित रूप में दर्ज किया जाएगा, ऐसी जांच करना व्यावहारिक रूप से उचित नहीं है, तो वह कुलपति को तदनुसार परामर्श दे सकते हैं।
8. जब कुलपति इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जांच कराना उचित नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।

9. खण्ड (5) या (6) के अन्तर्गत रिपोर्ट प्राप्त होने पर या खण्ड (7) के अन्तर्गत सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा खण्ड 3(क), (ख) और (ग) में वर्णित रैंगिंग की घटनाओं के घटित होने का खुलासा करने पर कुलपति किसी छात्र या छात्रों को एक निश्चित संख्या में वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश दे सकेगा।
10. कुलपति रैंगिंग के अन्य मामलों में आदेश दे सकते हैं या निर्देश दे सकते हैं कि किसी छात्र या छात्रों को निष्कासित किया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए महाविद्यालय में अध्ययन के किसी कार्यक्रम, विभागीय परीक्षा में एक या अधिक वर्षों के लिए प्रवेश न दिया जाए या संबंधित छात्र या छात्रों के उस परीक्षा या परीक्षाओं के परिणाम रद्द कर दिए जाएं जिनमें वे उपस्थित हुए थे।
11. इस अध्यादेश के तहत यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाले कोई छात्र दोषी पाए जाते हैं, तो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री या डिप्लोमा को वापस लेने के लिए क़ानून 15 के तहत उचित कार्यवाही की जाएगी।
12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, किसी भी कृत्य, अभ्यास या रैंगिंग के लिए उकसाने के माध्यम से रैंगिंग को बढ़ावा देना भी रैंगिंग माना जाएगा।
13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थानों को इस अध्यादेश के तहत जारी निर्देशों/निर्देशों का पालन करना तथा अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कुलपति को सहायता प्रदान करना अनिवार्य होगा।

### **अध्यादेश XV-D: कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (विधि और न्याय मंत्रालय)**

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरुद्ध संरक्षण प्रदान करने तथा यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण तथा उससे संबंधित एवं उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए अधिनियम।

चूंकि यौन उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत समानता के लिए एक महिला के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और सम्मान के साथ जीने का अधिकार और किसी भी पेशे का अभ्यास करने या किसी भी व्यवसाय, व्यापार या कारोबार को चलाने का अधिकार जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार शामिल है। जिसमें यौन उत्पीड़न के खिलाफ संरक्षण और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और उपकरणों जैसे महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन द्वारा सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त मानव अधिकार हैं, जिसे 25 जून, 1993 को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है। साथ ही कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के विरुद्ध महिलाओं के संरक्षण के लिए उक्त अभिसमय को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें:

<http://www.shebox.nic.in/assets/site/main/images/Sexual-Harassment-at-Workplace-Act.pdf>



## Accreditation & Ranking



**Accredited NAAC A++  
on January 3, 2023**



**NIRF-68 (2023)**



**DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY**  
Ministry of Science & Technology  
Government of India

**Star College Under DBT,  
Ministry of Science & Technology  
Govt in 2020**



**3 Star in Institution's  
Innovation Council**



**Atal Ranking of Institutions on  
Innovation Achievements (ARIIA)**



**ISO Certified**



**World's Universities with Real Impact**



**Swachh Bharat Mission - Grameen**  
Department of Drinking Water & Sanitation  
Ministry of Jal Shakti

**Swachh Bharat Mission**

*Think Big... Dream Big... Learn to Lead*



NAAC A++ & All India NIRF Ranking 68<sup>th</sup> in 2023

**SLC** (University of Delhi)  
**Shyam Lal College**  
G.T. ROAD, SHAHDARA, DELHI-110032  
Tel.: +91-11-35016514  
Website : [www.slc.du.ac.in](http://www.slc.du.ac.in)